अब वेब पर भी www.rashtriyaprastavana.com | उत्तर प्रदेश (लखनऊ व कानपुर) से एक साथ प्रकाशित प्रमुख समाचार पत्र | आर.एन.आई. नं.-यूपीएचआईएन/2011/37605

दैनिक राष्ट्रीय प्रस्तावना

गाँव से गवर्नेन्स तक

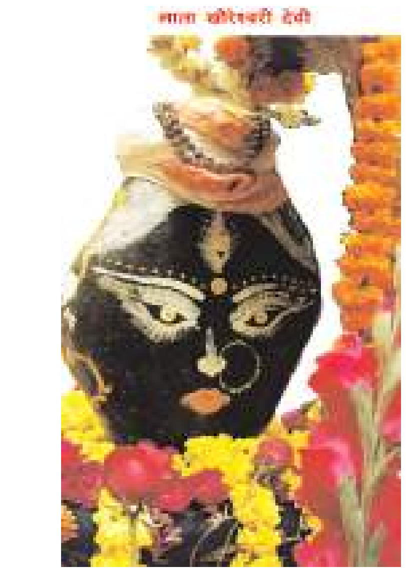

लखनऊ, रायबरेली, इलाहाबाद,आजमगढ़, अयोध्या, झांसी,अम्बेडकरनगर, एटा,औरैया, अमेठी, फतेहपुर, बांदा, उन्नाव, लखीमपुर, मुरादाबाद, कन्नौज, बाराबंकी, सीतापुर,जौनपुर,श्रावस्ती,उरई,जालौन, फिरोजाबाद,हरदोई, मथुरा,कानपुर,ललितपुर, गोण्डा, सहारनपुर,सिद्धार्थनगर,सन्तकबीरनगर, नोयडा, सुलतानपुर, कासगंज सहित प्रदेश के समस्त क्षेत्रों में बहुप्रसारित

वर्ष : 15 अंक 208 लखनऊ, शुक्रवार, 13 फरवरी 2026 पृष्ठ: 8 मूल्य : 2.00

संक्षिप्त

लैंबॉर्गिनी टक्कर मामला : मुख्य आरोपित 20 हजार के मुचलके पर रिहा

कानपुर। जनपद के ग्वालटोली में लैंबॉर्गिनी कार से टक्कर मारने के मामले में मुख्य आरोपित, तम्बाकू कारोबारी के बेटे शिवम मिश्रा को न्यायालय ने 20 हजार रुपये के निजी मुचलके पर रिहा कर दिया। पुलिस ने कोर्ट से 14 दिनों की रिमांड की मांग की थी, लेकिन ठोस आधार प्रस्तुत न कर पाने के कारण अदालत ने रिमांड याचिका खारिज कर दी। इससे पहले गुरुवार को पुलिस ने तम्बाकू कारोबारी उद्योगपति के.के. मिश्रा के बेटे शिवम मिश्रा को आर्यनगर स्थित उसके आवास से गिरफ्तार किया था। गिरफ्तारी के बाद उसे एसीजेएम कोर्ट में पेश किया गया। शिवम मिश्रा के अधिवक्ता अनंत शर्मा ने बताया कि पुलिस ने उन्हें न्यायालय में पेश करते हुए 14 दिनों की रिमांड की मांग की थी। इस पर न्यायाधीश ने पूछा कि जब मामले में लगी सभी धाराएं जमानती हैं तो रिमांड की आवश्यकता क्यों है।

उप्र विधानसभा में उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय (संशोधन) विधेयक 2026 पुरस्थापित

लखनऊ। प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय ने विधानसभा के बजट सत्र 2026-27 के दौरान उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय (संशोधन) विधेयक 2026 तथा उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय (द्वितीय संशोधन) विधेयक 2026 को सदन में पुरस्थापित (किसी विधेयक को विधानसभा में पेश करने की आधिकारिक प्रक्रिया किया। उच्च शिक्षा मंत्री ने विधानसभा में दोनों विधेयकों को प्रस्तुत करते हुए सदन से इन्हें पुरस्थापित करने की अनुमति प्रदान करने का आग्रह किया।

मुख्यमंत्री योगी ने फोटो बदल कर दिया ब्रह्मोस संग 'हार्ड पावर' विजन

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में अब तक का सबसे बड़ा बजट पेश करने वाली सरकार के मुखिया योगी आदित्यनाथ ने 'नए यूपी' की बढ़ती ताकत का संकेत दिया। बजट 2026-27 के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर कवर इमेज बदल दिया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ब्रह्मोस संग अपनी फोटो लगाकर 'हार्ड पावर' विजनङ्क का संदेश दिया। प्रदेश सरकार के प्रवक्ता का कहना है कि सोशल मीडिया हैंडल पर मुख्यमंत्री का यह संदेश बताता है कि लखनऊ में ब्रह्मोस निर्माण के जरिए उत्तर प्रदेश एक तरफ रक्षा उत्पादन का उभरता वैश्विक हब हो गया है।

उप्र पंचायत : पिछड़ों का सर्वे करने के लिए बनेगा ओबीसी आयोग

रिपोर्ट के बाद होगा सीटों के आरक्षण का निर्धारण

● आरक्षण तय होने के बाद होंगे पंचायत चुनाव

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में प्रस्तावित त्रिस्तरीय पंचायत चुनावों में अन्य पिछडा वर्ग (ओबीसी) का आरक्षण निर्धारित करने के लिए एक अलग से राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग का गठन किया जाएगा। प्रदेश सरकार की ओर से इस आशय का हलफनामा हाईकोर्ट में जनहित याचिका की सुनवाई के समय दिया गया है। यह आयोग ओबीसी का आरक्षण निर्धारित करने के लिए सर्वे कर अपनी रिपोर्ट देगा। उसकी रिपोर्ट के आधार पर आरक्षण लागू होगा और फिर पंचायत चुनाव होंगे।

इस मामले की सुनवाई इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच में जस्टिस राजन राय और जस्टिस अवधेश चौधरी की कोर्ट ने की। त्रिस्तरीय पंचायत चुनावों में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) को आरक्षण को लेकर चल रही सुनवाई में उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से जवाब दाखिल किया गया है कि ओबीसी आयोग का गठन किया जाएगा, जो पूरी तरह से त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में ओबीसी वर्ग के लिए आरक्षण तय करने की प्रक्रिया पर केंद्रित होकर काम करेगा। आयोग के गठन की वजह यह है कि जनहित याचिका में कहा गया था कि तीन साल का कार्यकाल खत्म होने के बाद अब वर्तमान ओबीसी आयोग को समर्पित ओबीसी आयोग की तरह काम करने का कानूनी अधिकार नहीं है। हाईकोर्ट में याचिकाकर्ता की ओर से कहा गया है कि अगर तीन साल कार्यकाल वाला ओबीसी आयोग अस्तित्व में होता तो अलग से आयोग का गठन करने की जरूरत नहीं पड़ती लेकिन तीन साल वाले आयोग का कार्यकाल अक्टूबर 2025 में खत्म हो चुका है और सरकार ने एक साल के लिए कार्यकाल बढ़ा दिया है लेकिन संवैधानिक स्थिति यह है कि इस बढ़े हुए कार्यकाल में वर्तमान आयोग ओबीसी के आरक्षण के लिए सर्वे आदि नहीं कर सकता है। इसलिए सरकार की ओर से इस काम के लिए नए ओबीसी आयोग का गठन किया जाएगा। यह आयोग पूरे प्रदेश में ओबीसी का रैपिड सर्वे करेगा और इसकी रिपोर्ट के आधार पर पंचायत चुनाव में पिछड़े वर्ग की आबादी के अनुसार सीटों का आरक्षण तय किया जाएगा। इसके बाद ही पंचायत चुनाव होंगे।

केंद्रीय बजट 2026-27 में एमएसएमई, स्किलिंग इंफ्रास्ट्रक्चर, स्वास्थ्य और शिक्षा पर जोर : मोदी

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा लोकसभा में पेश किए गए केंद्रीय बजट 2026-27 की सराहना करते हुए इसे भारत के 'आर्थिक परिवर्तन' का ब्लूप्रिंट बताया। उन्होंने कहा कि यह बजट सुधारों, छोटे उद्योगों, कौशल विकास, आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर, स्वास्थ्य और शिक्षा पर विशेष ध्यान देता है और देश को नई विकास दिशा प्रदान करेगा। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, ''लोकसभा में अपने भाषण में वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण जी ने इस बात का विस्तृत विवरण दिया कि इस वर्ष का बजट हमारे राष्ट्र के आर्थिक परिवर्तन में कैसे योगदान देगा। उन्होंने रिफॉर्म एक्सप्रेस, लघु एवं मध्यम उद्यमों को समर्थन, कौशल विकास, अगली पीढ़ी के बुनियादी

ढांचे को बढ़ावा देने, स्वास्थ्य सेवा और शिक्षा को बढ़ावा देने के प्रयासों और अन्य बातों पर जोर दिया।'' बीते 1 फरवरी को संसद में पेश किए गए इस बजट में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योगों (एमएसएमई) पर विशेष फोकस रखा गया है, जो देश की जीडीपी में लगभग 30 प्रतिशत योगदान देता है और 11 करोड़ से अधिक लोगों को रोजगार उपलब्ध कराता है। वित्त मंत्री ने एमएसएमई के लिए कर्ज की उपलब्धता बढ़ाने, नियमों को सरल बनाने और लक्षित प्रोत्साहन देने की घोषणा की है, ताकि छोटे उद्योग वैश्विक आपूर्ति शृंखलाओं से जुड़ सकें और विस्तार कर सकें।

उन्होंने कहा कि एमएसएमई भारत की विकास यात्रा की रीढ़ हैं और यह बजट उन्हें नवाचार और रोजगार सृजन के लिए आवश्यक सहयोग देगा। कौशल विकास और रोजगार सृजन भी बजट की प्रमुख प्राथमिकताओं में शामिल हैं। सरकार ने ग्रीन एनर्जी, एडवांस्ड मैन्युफैक्चरिंग और डिजिटल तकनीक जैसे उभरते क्षेत्रों के अनुरूप युवाओं को प्रशिक्षित करने की नई पहल का प्रस्ताव रखा है। उद्योग और शैक्षणिक संस्थानों के बीच साझेदारी को भी बढ़ावा देने की योजना है, ताकि युवाओं को रोजगार के बेहतर अवसर मिल सकें।

उप्र विधानसभा में एआई के दुरुपयोग का मुद्दा उठा

● उप्र विधानसभा अध्यक्ष का एआई के दुरुपयोग पर कार्रवाई के निर्देश

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा बजट सत्र के चौथे दिन शून्य प्रहर में समाजवादी पार्टी (सपा) के सदस्य अतुल प्रधान ने गुरुवार को नियम 300 के तहत एआई का मुद्दा उठाया। पीठ की ओर से सरकार से संज्ञान लेने के लिए कहा गया।

अतुल प्रधान ने कहा कि एआई खतरनाक तकनीक है। एक एजेंसी के

लोग मेरे पास आये थे। उनका कहना था कि वे मेरे भाषण को मेरे जाए बगैर जनता को मेरी ही आवाज में सुना देंगे। चेहरा भी मेरा ही होगा। महोदय यदि मेरा चेहरा और मेरी आवाज लोगों तक हूबहू अच्छे परिपेक्ष्य में पहुंच सकती है तो उसका गलत इस्तेमाल भी किया जा सकता है। मैंने अपने जिले के एसएसपी से अपने से जुड़े एक मामले में शिकायत की है, लेकिन उसका कोई संज्ञान नहीं लिया गया।

विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने पीठ से आग्रह किया कि संसदीय कार्य मंत्री इस पर ध्यान देंगे। अध्यक्ष ने कहा कि यह (एआई) खासकर राजनीतिक क्षेत्र में कार्य करने वाले लोगों को ज्यादा प्रभावित करता है। इसलिए ऐसी शिकायतों को गंभीरता से लिया जाए और कुछ लोगों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाए। इस पर संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना ने कहा कि 10 फरवरी को केन्द्र सरकार ने एआई पर कानून बनाया है। इस संबंध में कानून विद से चर्चा करने के उपरांत कोई कदम उठाया जाएगा।

औद्योगिक संबंध संहिता संशोधन विधेयक 2026 पर लगी संसद की मुहर

एजेंसी

नई दिल्ली। 'औद्योगिक संबंध संहिता (संशोधन) विधेयक, 2026' को राज्यसभा ने भी गुरुवार को पारित कर दिया। इसके साथ रायसभा की कार्यवाही शुक्रवार 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। यह विधेयक आज ही लोक सभा में पारित किया जा चुका है। केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री ने राज्यसभा में औद्योगिक संबंध संहिता (संशोधन) विधेयक, 2026 को विचार और पास करने के लिए में पेश किया था। डा. मनसुख मांडविया ने सदन में विधेयक पर चर्चा के दौरान बताया कि इस विधेयक का मकसद इंडस्ट्रियल रिलेशन कोड, 2020 में बदलाव करना है।

डा. मनसुख मांडविया ने सदन को

बताया कि ट्रेड यूनियन अधिनियम 1926, औद्योगिक रोजगार (स्थायी आदेश) अधिनियम 1946 और औद्योगिक विवाद अधिनियम 1947 को मिला कर एक एक्ट बनाया गया था। उसमें कानूनी स्पष्टता के लिए ये अमेंडमेंट लाया गया है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि सरकार के पास किसी एक्ट को निरस्त करने का अधिकार है। लेकिन भविष्य में कोई मुद्दा न बने, इसलिए इस अधिनियम में यह संशोधन लाया गया है।

उन्होंने विधेयक पर चर्चा के दौरान कहा कि कोई कहता है 12 घंटे काम करना होगा, 14 घंटे काम करना होगा। डा. मनसुख मांडविया ने कहा कि अरे भाई! 12 घंटे का सवाल ही नहीं है।

राज्यसभा में शून्यकाल के दौरान सदस्यों ने मथुरा में मेट्रो जातीय भेदभाव, एआई डीपफ़ेक सहित विभिन्न मुद्दे उठाए

नई दिल्ली। राज्यसभा में गुरुवार को शून्यकाल के दौरान सदस्यों ने मथुरा-वृंदावन मेट्रो रेल चलाने, कार्यस्थलों पर जातीय भेदभाव, एआई आधारित डीपफ़ेक के बढ़ते खतरे, शिक्षक भर्ती में आयु सीमा छूट, विश्वविद्यालय को केंद्रीय दर्ज़ा देने, किसानों को केसीसी ऋण, अवैध खनन तथा श्रमिक आंदोलनों जैसे जनता से जुड़े विभिन्न महत्व मुद्दे उठाए। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अरुण सिंह ने विश्वविख्यात मथुरा-वृंदावन नगरी में ट्रैफिक जाम की गंभीर समस्या की ओर सरकार का ध्यान आकर्षित करते हुए वहां मेट्रो ट्रेन और रैपिड ट्रेन चलाने की मांग की। उन्होंने कहा कि मथुरा भगवान कृष्ण की जन्मस्थली है, जहां देश-विदेश से करोड़ों श्रद्धालु प्रतिवर्ष दर्शन के लिए आते हैं। इस धर्मनगरी की विशेषता यह है कि यहां श्रद्धालु पैदल परिक्रमा के साथ-साथ दंडवती परिक्रमा भी करते हैं। परिक्रमा मार्ग पर वाहनों की भीड़ के कारण श्रद्धालुओं को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है।

वायु सेना के लिए 114 राफ़ेल जेट्स खरीदने को केंद्र सरकार ने दी मंजूरी

● सीसीएस से अंतिम मंजूरी के बाद राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के भारत दौरे पर डील होगी पक्की

एजेंसी

नई दिल्ली। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के भारत दौरे से पहले केंद्र सरकार ने लंबे इंतजार के बाद वायु सेना के लिए फ्रांस से 114 राफ़ेल फाइटर जेट खरीदे जाने को गुरुवार को मंजूरी दे दी। इसमें 18 विमान सीधे फ्रांस की डसॉल्ट एविएशन कंपनी से निर्मित होकर भारत आएंगे। शेष 96 विमान भारत में निजी

कंपनियों के साथ साझेदारी में बनाए जाएंगे। इनमें से कई ट्विन-सीटर ट्रेनिंग वर्जन भी होंगे। रक्षा अधिग्रहण परिषद (डीएसी) से गुरुवार को आवश्यकता की स्वीकृति (एओएन) मिलने के बाद व्यावसायिक वार्ता शुरू होगी, फिर अंतिम मंजूरी प्रधानमंत्री मोदी की अध्यक्षता वाली कैबिनेट कमेटी ऑन सिक्योरिटी (सीसीएस) देगी।

रक्षा मंत्री की अध्यक्षता में आज डीएसी की बैठक साउथ ब्लॉक में हुई, जिसमें सशस्त्र सेनाओं के लिए कई अहम फैसले हुए। केंद्र ने फ्रांस के साथ सरकार से सरकार सौदे के तहत वायु सेना के लिए 114 राफ़ेल फाइटर जेट खरीदने को मंजूरी दे दी है। इन विमानों में 40-50 फीसदी मेक इन इंडिया हथियारों को इंटीग्रेट करने का पूरा अधिकार होगा। फ्रांस के साथ 3.25 लाख करोड़ रुपये का यह सैन्य हार्डवेयर सौदा किसी भी देश के साथ अब तक हुए अनुबंध से कम से कम पांच गुना बड़ा है। भारत के पास अभी 36 राफ़ेल हैं और इस सौदे से 150 विमान हो जाने पर देश की हवाई ताकत कई गुना बढ़ने की उम्मीद है।

भारत लौटे बिना भगोड़ा विजय माल्या को नहीं मिलेगी राहत

● बॉम्बे हाईकोर्ट ने याचिका पर सुनवाई से किया इनकार

एजेंसी

मुंबई। बंबई हाईकोर्ट ने गुरुवार को अपने इस रुख को दोहराया कि वह भगोड़े कारोबारी विजय माल्या द्वारा दायर याचिका पर तब तक विचार नहीं करेगा, जब तक वह भारत वापस नहीं लौट आता। अदालत ने यह टिप्पणी माल्या की उस याचिका पर दी जिसमें उसने भगोड़े

आर्थिक अपराधी अधिनियम (एफईओ) के प्रावधानों को चुनौती दी है।

मुख्य न्यायाधीश चंद्रशेखर और न्यायमूर्ति गौतम अंखड की पीठ ने कहा कि माल्या को पहले यह स्पष्ट करना होगा कि वह भारत लौटेंगे या नहीं। अदालत ने कहा, ''आपको (माल्या) वापस लौटना होगा...अगर आप वापस नहीं आ सकते तो हम इस याचिका पर सुनवाई नहीं कर सकते।''

माल्या 2016 से ब्रिटेन में रह रहा है। उसने उच्च न्यायालय में दो याचिकाएं दायर की हैं जिनमें से एक में उसने भगोड़ा आर्थिक अपराधी घोषित करने के आदेश को चुनौती दी है जबकि दूसरी याचिका में उसने 2018 के अधिनियम की संवैधानिकता पर सवाल उठाया है। शराब कारोबारी माल्या (70) भारत में धोखाधड़ी और धनशोधन के आरोपों में कई मुकदमों का सामना कर रहा है।

दुर्लभ शुभ योगों के साथ 15 फरवरी को मनाई जाएगी महाशिवरात्रि

मेष, मिथुन, सिंह राशि को मिलेगा विशेष लाभ

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

कानपुर। यही वह पावन तिथि है, जब भगवान शिव और माता पार्वती का दिव्य विवाह हुआ था। इस महाशिवरात्रि पर प्रीति, आयुष्मान, सौभाग्य, शोभन, सर्वार्थसिद्ध, साध्य, शिव, शुक्ल, चंद्रमंगल, त्रिग्रही, राज और ध्रुव योग का एक साथ निर्माण हो रहा है। इन शुभ योगों का विशेष फल मेष, मिथुन और सिंह राशि के जातकों को प्राप्त होगा। मेष राशि वालों के लिए आर्थिक उन्नति, पदोन्नति और नेतृत्व क्षमता में वृद्धि के संकेत हैं। मिथुन राशि के जातकों को व्यापार और करियर में नई ऊंचाइयों को छूने का अवसर मिलेगा, जबकि सिंह राशि के लिए धन आगमन और अचल संपत्ति में वृद्धि के प्रबल योग बन रहे हैं।

फाल्गुन कृष्ण पक्ष चतुर्दशी तिथि 15 फरवरी की शाम 04:23 बजे से प्रारंभ होकर 16 फरवरी की शाम 05:09 बजे तक रहेगी। निशा व्यापिनी तिथि के कारण महाशिवरात्रि 15 फरवरी को ही मनाई जाएगी। इस दिन प्रातः से रात्रि तक विभिन्न शुभ योग बनते रहेंगे, जिससे दिन भर शिव आराधना का विशेष महत्व रहेगा। महाशिवरात्रि पर जलाभिषेक करने का विशेष महत्व है। इस दिन आप शुभ मुहूर्त पर जलाभिषेक करके भोले बाबा की कृपा पा सकते हैं।

पहला मुहूर्त- सुबह 8 बजकर 24 मिनट से लेकर 9 बजकर 48 मिनट तक। **दूसरा मुहूर्त-** सुबह 9 बजकर 48 मिनट से 11 बजकर 11

पं. पवन तिवारी, संस्थापक अध्यक्ष ज्योतिष सेवा संस्थान

मिनट तक। **तीसरा मुहूर्त-** सुबह 11 बजकर 11 मिनट से 12 बजकर 35 मिनट तक। चौथा मुहूर्त- शाम 6 बजकर 11 मिनट से 7 बजकर 47 मिनट तक। महाशिवरात्रि की रात ब्रह्मांडीय ऊर्जा अपने चरम पर होती है। इसी के कारण रात के समय जप, तप और पूजन करने से कई गुना अधिक फलों की प्राप्ति होने की संभावना होती है।

शिव पुराण के अनुसार, महाशिवरात्रि पूजा में इन वस्तुओं को अवश्य शामिल करना चाहिए

गंगाजल, पानी, दूध और शहद के साथ अभिषेक। बेर,बेलपत्र जो आत्मा की शुद्धि का प्रतिनिधित्व करते हैं। फल, जो दीर्घायु और इच्छाओं की सन्तुष्टि को दर्शाते हैं। जलती धूप, धन, उपज (अनाज) दीपक जो ज्ञान की प्राप्ति के लिए अनुकूल है,और बेलपत्र जो सांसारिक सुखों के साथ सन्तोष अंकन करते हैं।शास्त्रों के अनुसार, महाशिवरात्रि पर चारों प्रहर में विधि-विधान से अभिषेक करने से विशेष फल की प्राप्ति होती है। दूध, दही, घी और शहद से किए गए अभिषेक एवं मंत्र जाप से भक्तों पर भगवान शिव की अपार कृपा बनी रहती है। इस दुर्लभ योग में की गई शिव आराधना जीवन में सुख, शांति और मोक्ष का मार्ग प्रशस्त करती है।

महाशिवरात्रि पर चार प्रहर की पूजा में सुबह से लेकर देर रात तक शुभ योगों की झड़ी लगी रहेगी।

1. शिव योगः प्रातः 05:45 बजे से शुरू होकर पूरे दिन।
2. सर्वार्थ सिद्धि योगः सुबह 06:43 बजे से सुबह 09:37 बजे तक।
3. प्रीति योगः पूर्वाह्न 11:19 बजे से 11:23 बजे तक।
4. आयुष्मान योगः दोपहर 12:17 बजे से 01:54 बजे तक।
5. सौभाग्य योगः शाम 05:07 बजे से 05:53 बजे तक।
6. शोभन योगः शाम 07:47 बजे से रात 08:34 बजे तक।
7. साध्य योगः रात 08:54 बजे से 10:02 बजे तक।
8. शुक्ल योगः रात 10:42 बजे से 11:58 बजे तक।
9. ध्रुव योगः रात 02:57 बजे से अगली सुबह 05:53 बजे तक।
10. अन्य योगः इनके साथ-साथ व्यतिपात और वरियान योग का भी प्रभाव बना रहेगा।

ग्रहों की स्थिति और 'चर्तुग्रही योग'

चर्तुग्रही योगः कुंभ राशि में ग्रहों का एक दुर्लभ जमावड़ा हो रहा है, जिसे त्रिग्रही योग कहा जा रहा है। सूर्य, बुध, राहु और शुक्र की युति कुंभ राशि में रहेगी। यह ग्रहों का मिलन साधना और भौतिक सुखों की प्राप्ति के लिए अत्यंत फलदायी है।

महाशिवरात्रि पर बनने वाले 4 शक्तिशाली राजयोग-

बुधादित्य राजयोग (सूर्य+बुध)मान-सम्मान, पद-प्रतिष्ठा और बौद्धिक क्षमता में वृद्धि। लक्ष्मी नारायण योग (शुक्र+बुध) धन, समृद्धि, विलासिता और व्यापार में बड़ा लाभ। शुक्रादित्य योग (सूर्य+शुक्र) कलात्मक सफलता, सुख-सुविधाएं और सामाजिक वर्चस्व। शश राजयोग (शनि का प्रभाव) चूंकि शनि देव अपनी मूल त्रिकोण राशि कुंभ में विराजमान हैं, इसलिए इस महाशिवरात्रि पर 'शश' नामक महापुरुष राजयोग का प्रभाव भी रहेगा।

पहला प्रहर (शाम 6 बजकर 11 मिनट लेकर रात 9 बजकर 23 मिनट तक)। दूसरा प्रहर (रात 9 बजकर 23 मिनट से लेकर 16 फरवरी रात 12 बजकर 35 मिनट तक)। तीसरा प्रहर (रात 12 बजकर 35 मिनट से तड़के 3 बजकर 47 मिनट तक। चौथा प्रहर (तड़के 3 बजकर 47 मिनट मिनट से ऽ सुबह 6 बजकर 59 मिनट तक।

जिस तरह सपा सरकार ने अनिल अंबानी के लिए गोलियां चलवाई, किसान उसे कभी भूल नहीं सकता: शाही

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने बृहस्पतिवार को विधानसभा में मुख्ध्य विपक्षी दल समाजवादी पार्टी (सपा) पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि जिस तरह आपने (सपा सरकार ने) अनिल अंबानी के लिए नोएडा और गाजियाबाद में गोलियां चलवाई, राज्य का किसान कभी उसे भूल नहीं सकता। विधानसभा में बजट सत्र के चौथे दिन प्रश्नकाल में सपा सदस्य अनिल प्रधान के किसानों के जमीन अधिग्रहण संबंधी पूरक प्रश्ध्नों के उत्ध्तर में सूर्य प्रताप शाही ने यह जवाब दिया। उन्होंने सदस्य को लक्ष्य करते हुए कहा, कहां की बात और कहां पूछ रहे हैं, चकबंदी विभाग की बात आप कृषि विभाग से पूछ रहे हैं। एक तरफ आप कहते हैं कि चित्रकूट से इलाहाबाद तक सड़क बनाइए, तो आप सोचते हैं कि आसमान में वह बन जाएगी।श्श शाही ने कहा कि योगी आदित्यनाथ सरकार किसानों से बातचीत कर बाजार दर के हिसाब से उनको मुआवजा दे रही है। उन्होंने तंज कसा, श्श्आपकी (सपा की सरकार) सरकार नहीं है कि जिस तरह आपने अनिल अंबानी के लिए नोएडा और गाजियाबाद गोलियां चलवाई, उसे कभी उत्तर प्रदेश का किसान भूल नहीं सकता। शाही ने कहा कि संजय डालमिया के लिए दुर्ग सीमेंट पर आपने जो गोलियां चलवाई, तब समाजवादी पार्टी की सरकार थी, धरती पुत्र की सरकार थी। उन्होंने कहा कि योगी जी की सरकार में कभी इस तरह कोई घटना नहीं हुई है। इसके पहले अनिल प्रधान ने मंत्री से लिखित प्रश्न किया था कि क्या कृषि मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि राज्य में किसानों के कृषि उपकरणों, खाद एवं डीजल के दामों में वृद्धि के कारण कृषि लागत मूल्य अधिक हो रहा है। सूर्य प्रताप शाही ने इससे इनकार करते हुए कहा कि कृषि उपकरणों एवं खाद पर अनुदान अनुमन्य है तथा उत्तर प्रदेश में अधिकांश राज्यों की तुलना में डीजल का प्रति लीटर मूल्य कम है। उन्होंने कहा कि कृषकों को कृषि यंत्र अनुदान पर उपलब्ध कराने के लिए विभाग द्वारा सब मिशन आन एग्रीकल्चरल मैकेनाइजेशनश एवं श्प्रमोशन ऑफ एग्रीकल्चरल मैकेनाइजेशन फॉर इन-सीटू मैनेजमेंट ऑफ क्रॉप रेसिड्यूश्योजनाएं संचालित है।

ओडीओपी योजना से 3.16 लाख लोगों को रोजगार: सचान

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के आशू मलिक ने आज कामगारों को आर्थिक संरक्षण और उनके बच्चों की शिक्षा, और समस्याओं को लेकर प्रश्न किया। उन्होंने आरोप लगाया कि बीजेपी सरकार की घोषणाएं धरातल पर नही उतरती है।ओडीओपी के कामगारों के लिये अलग से सुरक्षा व्यवस्था के लिए ठोस कदम उठाए जाने पर जोर दिया। प्रदेश के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम, खादी एवं ग्रामोद्योग, रेशम उद्योग, हथकरघा एवं वस्त्रोद्योग मंत्री राकेश सचान ने विधानसभा के बजट सत्र 2026-27 में प्रश्नों का उत्तर देते हुए कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में वर्ष 2018 में प्रारंभ की गई 'वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट' ओडीओपी योजना ने प्रदेश के पारंपरिक कारीगरों और उत्पादकों को नई पहचान दी है। यह योजना परंपरागत उत्पादों को प्रोत्साहन देने, कारीगरों को प्रशिक्षण, टूल किट और वित्तीय सहायता उपलब्ध कराने की दिशा में निरंतर प्रभावी रूप से संचालित हो रही है।अब तक प्रदेश में 1,31,000 कारीगरों को निःशुल्क प्रशिक्षण एवं टूल किट प्रदान की गई है। सहारनपुर में 2275 लाभार्थियों को उन्नत टूल किट उपलब्ध कराई गई तथा 454 हस्तशिल्पियों को 16 करोड़ 26 लाख रुपये की मार्जिन मनी का लाभ दिया गया।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री दुर्घटना बीमा योजना के अंतर्गत कारीगरों को 5 लाख रुपये तक की सुरक्षा प्रदान की जा रही है। वर्ष 2017-18 में प्रदेश का निर्यात 86 हजार करोड़ रुपये था, जो बढ़कर 1 लाख 86 हजार करोड़ रुपये हो गया है, जिसमें लगभग 50 प्रतिशत योगदान ओडीओपी एवं हस्तशिल्प उत्पादों का है। वर्ष 2018 से अब तक इस योजना के माध्यम से 3,16,000 लोगों को रोजगार सृजित हुआ है। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि ओडीओपी योजना की सफलता को देखते हुए इसे देशभर में लागू किया गया है। पिछले बजट में 145 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया था, जिसमें से 135 करोड़ रुपये की मार्जिन मनी वितरित की जा चुकी है। चालू वित्तीय वर्ष में इस योजना के लिए 200 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। प्रदेश में 79 उत्पादों को जीआई टैग प्राप्त हुआ है, जिससे वैश्विक स्तर पर ब्रांडिंग को बल मिला है। योगी सरकार कारीगरों के स्वास्थ्य और शिक्षा की भी चिंता कर रही है। आयुष्मान भारत योजना के माध्यम से स्वास्थ्य सुरक्षा तथा निःशुल्क शिक्षा की व्यवस्था की है। ओडीओपी उत्पादों की राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ब्रांडिंग हो रही है और प्रदेश सरकार 'वन डिस्ट्रिक्ट वन व्यंजन' जैसी नई पहल भी प्रारंभ कर रही है।

संक्षिप्त समाचार

ब्राउन गर्ल कैफ़े पर छापा, सील किया, 8 हुक्के, 23 फ्लेवर पैकेट जब्त

लखनऊ। राजधानी के गोमतीनगर इलाके में देर रात पुलिस ने ब्राउन गर्ल कैफ़े पर छापा मारकर कई सामान जब्त करते हुए कैफ़े सील कर दिया। यहां हुक्का बार भी चल रहा था। कार्रवाई के दौरान 8 हुक्के, 23 फ्लेवर पैकेट, 12 पाइप, 15 चिलम समेत भारी मात्रा में हुक्का सामग्री बरामद की गई। पुलिस ने कैफ़े को सील कर संचालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। इसी कैफ़े में 1 दिन पहले सेक्स रैकेट चलता मिला था। पुलिस के मुताबिक, 11 फरवरी की रात करीब 11.27 बजे सब-इंस्पेक्टर अरविंद कुमार टीम के साथ दयाल चौराहे पर गश्त पर थे। इसी दौरान सूचना मिली कि विकासखंड स्थित ब्राउन गर्ल कैफ़े (5/439) में अवैध रूप से हुक्का संचालित किया जा रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची। कैफ़े के अपर ग्राउंड फ्लोर पर रिसेप्शन के पास 7 हुक्के और 1 बटरफ्लाई हुक्का सजे मिले। इसके अलावा 12 पाइप, 15 चिलम, 17 बंद फ्लेवर पैकेट और 6 खुले फ्लेवर पैकेट बरामद किए गए। वहीं कोयले का डिब्बा, 2 हीटर, 1 चिमटा और 2 पैकेट फिल्टर पाइप भी मौके से मिले। छापेमारी के समय कैफ़े में कोई संचालक या कर्मचारी मौजूद नहीं मिला। पुलिस ने सभी सामान को जब्त कर जब्ती प्रपत्र तैयार किया। जांच में सामने आया कि कैफ़े के गेट पर स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की अधिसूचना के अनुसार 6030 सेमी का अनिवार्य चेतावनी बोर्ड नहीं लगा था। धूम्रपान स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है, इसका मानक बोर्ड नहीं लगा था। पुलिस ने कैफ़े को दो तालों बंद कर सील कर दिया। ब्राउन गर्ल कैफ़े करीब 1 साल से चल रहा था। देर रात तक कैफ़े में लड़का लड़कियां बैठकर हुक्का पीते थे। कैफ़े में बैठने वाली एक लड़की कम उम्र की लड़कियों को अपने जाल में फंसाकर बड़े सपने दिखाई थी। दूसरे शहर से आई लड़कियां उसके जाल में फंसकर महंगे महंगे शौक की अदिति हो जाती थी।

केजीएमयू बाल रोग विभाग के प्रोफ़ेसर पर छात्रा ने लगाया छेड़छाड़ का आरोप, निलंबित

लखनऊ। किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय (केजीएमयू) में एक बार फिर छेड़छाड़ का मामला सामने आया है। जिसके बाद आरोपित एडिशनल प्रोफ़ेसर को निलंबित कर दिया गया है। इस पूरे मामले की जांच विशाखा कमेटी कर रही है। दरअसल, पूरा मामला 10 फरवरी का बताया जा रहा है, आरोपित एडिशन प्रोफ़ेसर ने एमडी की छात्रा के साथ छेड़छाड़ की। जिसके बाद पीड़ित छात्रा ने इसकी शिकायत सीनियर अधिकारियों से की, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। सूत्र बताते हैं कि उसके बाद पीड़ित छात्रा के पिता ने केजीएमयू के कुलपति से मिलकर इस मामले में उचित कार्रवाई की मांग की। तब जाकर आरोपित को निलंबित किया गया और अब केजीएमयू प्रशासन निष्पक्ष जांच की बात कह रहा है। केजीएमयू के प्रवक्ता प्रो.केके सिंह ने बताया है कि घटना की जानकारी होते ही एडिशनल प्रोफ़ेसर को निलंबित कर दिया गया है। जिससे जांच प्रभावित न हो। इसके अलावा विशाखा कमेटी की जांच रिपोर्ट आने पर आगे की कार्रवाई की जायेगी।

46 लाख रुपए का हाउस टैक्स बकाया, नगर निगम ने सरोज इंस्टीट्यूट को सील किया

लखनऊ। लखनऊ नगर निगम ने गुरुवार को सुल्तानपुर रोड पर सीलिंग की कार्रवाई की है। सरोज इंस्टीट्यूट की तरफ से नगर निगम का बकाया 46 लाख रुपए जमा नहीं करने पर यह एक्शन हुआ है। नगर निगम के कर अधीक्षक बनारसी दास ने बताया कि लंबे समय से टैक्स जमा करने के लिए इंस्टीट्यूट के साथ में बैठक की गई। नोटिस दिया गया, लेकिन नगर निगम का बकाया टैक्स जमा नहीं किया जा रहा है। इसके चलते अब सीलिंग की कार्रवाई की गई है। मौके पर प्रशासनिक ब्लॉक के साथ में मेनगेट को सील किया गया है। इंस्टीट्यूट में टेक्निकल एजुकेशन क्षेत्र से जुड़े छात्र पढ़ते हैं। नगर निगम की टीम सुबह के समय में कार्रवाई करने पहुंची तो इंस्टीट्यूट से जुड़े लोगों से उनकी जमकर तकरार हुई। कहा सुनी के बीच मौके पर नगर निगम की ईटीएफ फोर्स ने बीच बचाव किया। इंस्टीट्यूट से जुड़े लोगों ने कहा कि आप इस तरह से परिसर में नहीं आ सकते हैं। इसपर नगर निगम की टीम ने नगर निगम अधिनियम का हवाला देकर कार्रवाई करने की बाट कही।

उप्र विधानसभा में उठा किन्नर समुदाय का मुद्दा, मंत्री असीम अरुण ने दिया जवाब

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा में गुरुवार को किन्नर समुदाय का मुद्दा उठा। समाजवादी पार्टी के विधायक सचिन यादव ने कहा कि किन्नर समाज के लोगों को शिक्षा, राशनकार्ड, स्वास्थ्य, नौकरी जैसी सुविधाएं नहीं मिलती हैं। सरकार ने ट्रांसजेंडर कल्याण आयोग बनाया लेकिन उसका अध्यक्ष, सचिव, उपाध्यक्ष पुरुष हैं। ऐसे में उन्हें न्याय नहीं मिल सकता। प्रश्नकाल के दौरान उठे सवाल के जवाब में सरकार का पक्ष रखते हुए समाज कल्याण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) असीम अरुण ने कहा कि लोकतंत्र के इस मंदिर में इस प्रकार का पहला सवाल है। किन्नर समाज के बारे में जैसा सदस्य कह रहे हैं, ऐसा नहीं है। सरकार ने बहुत कुछ किया है। आगे भी करने वाली है। उन्होंने बताया कि 2014 में राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण बनाम भारत संघ जजमेंट से इसकी यात्रा शुरू हुई। मंत्री ने सरकार का पक्ष रखते हुए बताया कि थानों में अलग से एक सेल बनाई गई है। किन्नर समुदाय के साथी आज स्कूलों में, विश्वविद्यालयों में पढ़ाई कर रहे हैं। बहुत से ऐसे हैं जो अपने पहनावे से अलग दिख जाते हैं लेकिन बहुत से अलग नहीं हो पाते। वे सब में शामिल हैं। उनकी पहचान नहीं हो पाती। पहचान हो पाए, इसके लिए सभी किन्नरों के लिए पहचान पत्र (ट्रांसजेंडर कार्ड) बनाये गए हैं और बनाये जा रहे हैं। स्वास्थ्य के लिए आयुष्मान कार्ड उनके लिए भी हैं। सरकार ट्रांसजेंडर महोत्सव का आयोजन करती है। उसमें समाज से जुड़े विषय पर चर्चा, परिचर्चा, फिल्मों का प्रदर्शन किया जाता है। उनके लिए मंच मुहैया कराया जाता है। इस समाज को मुख्य धारा से जोड़ने के लिए सरकार कार्य कर रही है।

श्रृंगवेरपुर में जल्द पूरा होगा निषादराज गुह्य सांस्कृतिक केंद्र का निर्माण : जयवीर सिंह

- निषादराज की धरती को मिलेगा राष्ट्रीय पहचान का गौरव

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। रामनगरी अयोध्या की तर्ज पर प्रभु श्रीराम के परम भक्त निषादराज की राजधानी श्रृंगवेरपुर को भव्य और आकर्षक रूप दिया जा रहा है। प्रयागराज जिले के इस ऐतिहासिक व पौराणिक स्थल पर निषादराज गुह्य सांस्कृतिक केंद्र का निर्माण तेज गति से जारी है। उत्तर प्रदेश संस्कृति विभाग की इस महत्वाकांक्षी परियोजना की लागत 19.61 करोड़ रुपये है और लगभग 70 प्रतिशत कार्य पूरा हो चुका है। शेष कार्य जल्द पूरा होगा। यह जानकारी पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने गुरूवार को जारी बयान में दी। पर्यटन मंत्री ने बताया कि इस सांस्कृतिक केंद्र की सबसे खास पहचान इसका म्यूजियम ब्लॉक है, जहां श्रीराम और निषादराज की अमर कथा चित्रों के माध्यम से जीवंत की जाएगी। यह संग्रहालय उनके आत्मीय संबंधों और सामाजिक समरसता की कहानी बताएगा। म्यूजियम ब्लॉक का ढांचा तैयार है, फिनिशिंग का काम जारी है और प्लास्टर कार्य पूरा हो चुका है।इस परियोजना में लगभग 400 लोगों की क्षमता वाला आधुनिक ऑडिटोरियम भी है, जहां विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। ऑडिटोरियम में स्टेप स्लैब का काम प्रगति पर है और ब्रिकवर्क पूरा हो चुका है। साथ ही पूरे परिसर में आर्किटेक्चरल व स्ट्रक्चरल कार्य, विद्युत और आंतरिक जल आपूर्ति की व्यवस्था की जा रही है। बाउंड्री वॉल तैयार है। स्टोन वर्क कर्टेन क्लैडिंग, लैंडस्केपिंग, सेंट्रल इंफॉर्मेशन बोर्ड, मुख्य द्वार, गार्ड रूम, इंटरलॉकिंग रोड, रेन वाटर हार्वेस्टिंग, सेप्टिक टैंक, सोकपिट और अंडरग्राउंड टैंक विकसित किए जा रहे हैं। मेटल सिल्हौटी और पंप कक्ष भी बनाए जा रहे हैं। जयवीर सिंह ने बताया कि श्रृंगवेरपुर केवल एक ऐतिहासिक स्थल नहीं है, बल्कि त्याग, समर्पण और सामाजिक समरसता की अमर प्रतीक भूमि है। यह वह पावन धरा है जहां भगवान श्रीराम और निषादराज गुह्य का मिलन हुआ, जिसने भारतीय संस्कृति में समानता, आत्मीयता और सच्ची मित्रता का अद्भुत संदेश दिया। प्रयागराज से लखनऊ रोड पर लगभग 45 किमी दूर स्थित श्रृंगवेरपुर को रामायण में निषादराज की राजधानी बताया गया है। यहां उत्खनन में श्रृंगी ऋषि का मंदिर मिला, जिनके नाम पर नगर का नाम पड़ा। यहीं भगवान राम ने एक रात विश्राम किया था। राम जी के मना करने पर निषादराज ने चरण धोने की अनुमति लेकर गंगा जल से चरण धोए और उसे ग्रहण कर श्रद्धा प्रकट की। यह स्थान आज भी आस्था का केंद्र है। यह विकास श्रृंगवेरपुर को आस्था, संस्कृति और पर्यटन का प्रमुख केंद्र बनाएगा।

बजट में हुयी वादाखिलाफी पर कुलियों ने किया जोरदार प्रदर्शन

लखनऊ। देश भर के कुली/यात्री सहायक संवर्ग की आजीविका व समाजिक सुरक्षा की अपनी पुरानी मांगों को लेकर राष्ट्रीय कुली मोर्चा ने चारबाग रेलवे स्टेशन पर जोरदार प्रदर्शन किया। जिसमें मुख्य रूप से रेल मंत्रालय द्वारा कुलियों की आजीविका व सामाजिक सुरक्षा की सर्वे रिपोर्ट को संसद में प्रस्तुत कर रिपोर्ट को सार्वजनिक करना है। साथ ही बजट में अपने खिलाफ हुयी बादाखिलाफी पर सरकार का ध्यान आकर्षित करना है। कुलियों के अनुसार उनकी आजीविका संकट की परिस्थितियों को देखते हुये रेल मंत्रालय भारत सरकार ने 19.6.2025 को सभी मंडल रेल प्रबंधकों को निर्देशित कर जांच रिपोर्ट देने को कहा गया था। परंतु उस सर्वे रिपोर्ट अभी तक बजट सत्र में संसद में प्रस्तुत नहीं किया गया है। कुलियों ने प्रदर्शन के दौरान मांग की है कि उस सर्वे रिपोर्ट का सार्वजनिक किया जाय। कुलियों को भी देश के नागरिक होने के नाते आलिविका सुरक्षा, बच्चों को शिक्षा की सुरक्षा, आयुष्मान योजना के द्वारा स्वास्थ्य सुरक्षा, विश्राम गृह, के साथ सामाजिक सुरक्षा जैसी बुनियादी सुविधायें मिलनी चाहिए।

प्रोटिनेक्स ने शुरू किया नोचेयरडेयर मसल स्ट्रेंथ को लेकर राष्ट्रीय अभियान

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। भारत के सबसे भरोसेमंद न्यूट्रिशन ब्रांड्स में से एक प्रोटिनेक्स ने नोचेयरडेयर नाम से एक राष्ट्रीय अभियान की शुरुआत की है। इस पहल का उद्देश्य लोगों को एक आसान वॉल-सिट चैलेंज के माध्यम से अपनी मांसपेशियों की ताकत परखने के लिए प्रेरित करना है ताकि बैठने वाली जीवनशैली और प्रोटीन की कमी के बढ़ते असर को लेकर जागरूकता बढ़ाई जा सके।

अभियान पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए डैनोन इंडिया की मार्केटिंग डायरेक्टर, सुश्री प्रियंका वर्मा ने कहा नोचेयरडेयर के माध्यम से हम पोषण संबंधी जागरूकता को केवल जानकारी तक सीमित नहीं रखना चाहते, बल्कि इसे व्यवहार में बदलना चाहते हैं। मसल स्ट्रेंथ ऐसी चीज़ है जिसे लोग तुरंत महसूस कर सकते हैं और यही उन्हें यह सोचने के लिए प्रेरित करती है कि क्या उनका रोज़ाना का आहार वास्तव में उनके स्वास्थ्य का साथ दे रहा है। प्रोटिनेक्स का उद्देश्य प्रोटीन को संतुलित और सक्रिय जीवनशैली का एक आसान, दैनिक हिस्सा बनाना है।

यह अभियान सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर लाइव है और इंस्टाग्राम पर अप्रोटीनेक्सिन के माध्यम से लोगों को इसमें भाग लेने के लिए आमंत्रित कर रहा है। प्रतिभागियों को महिलाओं के लिए औसतन 27 सेकंड और पुरुषों के लिए 34 सेकंड तक वॉल-सिट पोज़िशन में रहने की चुनौती दी जा रही है। यह एक सरल और व्यवहारिक पैमाना है, जो रोज़मर्रा की मसल स्ट्रेंथ का संकेत देता है। जो लोग यह चुनौती पूरी कर लेते हैं, उन्हें अपने संतुलित पोषण को बनाए रखने के लिए प्रेरित किया जाता है, जबकि जिन्हें कठिनाई होती है, उन्हें अपने दैनिक आहार और जीवनशैली में प्रोटीन की मात्रा बढ़ाने की सलाह दी जाती है। इस अभियान को देशभर में व्यापक बनाने के लिए प्रोटिनेक्स ने 25 प्रमुख डिजिटल क्रिएटर्स और फिटनेस इन्फ्लुएंसर्स के साथ साझेदारी की है। आने वाले हफ्तों में और भी सहयोग जोड़े जाएंगे, ताकि बड़े स्तर पर भागीदारी और उपभोक्ता-आधारित वास्तविक कहानियों के जरिए मसल स्ट्रेंथ और पोषण पर सार्थक संवाद को बढ़ावा मिल सके। अभियान की फिल्म और यूज़र-जनरेटेड कंटेंट एक अहम सच्चाई को सामने लाते हैं कई लोग मानते हैं कि उनका रोज़ाना का भोजन पर्याप्त प्रोटीन प्रदान करता है, लेकिन मांसपेशियों की वास्तविक ताकत अक्सर कुछ और ही संकेत देती है।

हालांकि स्वास्थ्य और फिटनेस के प्रति जागरूकता बढ़ी है, फिर भी भारतीय वयस्कों को अपनी कुल दैनिक ऊर्जा का केवल 9S11प्रतिशत ही प्रोटीन से प्राप्त होता है, जिसका मुख्य कारण कार्बोहाइड्रेट-प्रधान आहार है। विशेषज्ञों के अनुसार, प्रोटीन की कमी की पहचान के लिए कोई एकमात्र परीक्षण पर्याप्त नहीं है, लेकिन मांसपेशियों की कार्यात्मक ताकत यह बताने का प्रभावी संकेत हो सकती है कि शरीर को पर्याप्त पोषण मिल रहा है या नहीं। प्रोटिनेक्स रोज़मर्रा के प्रोटीन गैप को कम करने में मदद करता है, क्योंकि इसकी एक सर्विंग दैनिक प्रोटीन आवश्यकता का 40प्रतिशत तक प्रदान करती है। उच्च गुणवत्ता वाले प्रोटीन और बीसीएए से समृद्ध इसका विशेष मिश्रण मांसपेशियों की मजबूती और दैनिक ऊर्जा को सपोर्ट करता है, जिससे प्रोटीन को अपनी दिनचर्या में शामिल करना आसान हो जाता है। नोचेयरडेयर अभियान के जरिए प्रोटिनेक्स देशभर के लोगों को अपनी ताकत परखने, अपने पोषण पर विचार करने और बेहतर व स्वस्थ जीवनशैली की दिशा में कदम बढ़ाने के लिए आमंत्रित करता है।

बिजली विभाग के कर्मचारियों का प्रदर्शन, इलेक्ट्रिसिटी अमेंडमेंट बिल का विरोध

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में बिजली विभाग के कर्मचारियों ने इलेक्ट्रिसिटी अमेंडमेंट बिल का विरोध किया है। शक्ति भवन पर बिजली विभाग और सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। इस मौके पर निजीकरण वापस लो, चार लेबर कोड रद्द करो के नारे लगे। कर्मचारियों का कहना है कि अगर सरकार ने मांग नहीं मानी तो अबतक का सबसे बड़ा विरोध किया जाएगा। अब देशव्यापी हड़ताल की जाएगी। निजीकरण करना गरीबों को मार देने जैसा है। विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति के संयोजक शैलेंद्र दुबे ने कहा कि बिजली का निजीकरण राष्ट्रीय मुद्दा बन चुका है। देश के 27 लाख बिजलीकर्मी घरों से बाहर आ चुके हैं। हमारी तीन मांगें हैं, 1. यूपी से निजीकरण का फैसला वापस लिया जाए। 2. इलेक्ट्रिसिटी अमेंडमेंट बिल वापस लिया जाए। 3. पुरानी पेंशन बहाल किया जाए। आउटसोर्सिंग कर्मचारियों को तुरंत परमानेंट नौकरी दी जाए। भारतीय क्रांतिकारी मजदूर पार्टी से जुड़े लालचंद्र ने कहा हमें एकजुट होने का समय आ गया है।

सरकार दबाव में काम कर रही: स्वामी प्रसाद

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

- यूसीजी कानून, छात्र आत्महत्याओं और बजट पर राष्ट्रपति को सौंपेंगे ज्ञापन

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में स्वामी प्रसाद मौर्य ने यूसीजी कानून, विश्वविद्यालयों में बढ़ते भेदभाव, छात्र आत्महत्याओं और सरकार के कथित दोहरे रवैये को लेकर केंद्र और राज्य सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि वंचित वर्गों के अधिकारों की रक्षा के नाम पर कानून लाया गया, लेकिन उसके समर्थन में आवाज उठाने वालों के साथ ही सख्ती बरती जा रही है। स्वामी प्रसाद मौर्य ने कहा कि केंद्र सरकार ने सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों के अनुपालन में यूसीजी कानून लागू किया, जिसका उद्देश्य विश्वविद्यालयों में एससी, ओबीसी और अन्य वंचित वर्गों के साथ हो रहे भेदभाव को रोकना है। लेकिन उन्होंने आरोप लगाया कि जब सवर्ण समाज के कुछ लोगों ने इस कानून के विरोध में प्रदर्शन किया तो सरकार का रवैया नरम रहा, जबकि कानून के समर्थन में सड़क पर उतरे एससी-ओबीसी समाज के लोगों के साथ पुलिस ने बर्बरता पूर्ण व्यवहार किया। उन्होंने कहा कि हाल ही में विधायक डॉ. पल्लवी पटेल के नेतृत्व में हुए शांतिपूर्ण प्रदर्शन पर जिस तरह पुलिस ने बल प्रयोग किया, वह निंदनीय है और लोकतंत्र की भावना के विरुद्ध है। मौर्य ने इसे सरकार का दोहरा मापदंड बताते हुए कहा कि इससे स्पष्ट है कि सरकार दबाव में काम कर रही है। राज्यसभा में प्रस्तुत आंकड़ों का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि आईआईटी कानपुर सहित कई केंद्रीय संस्थानों में छात्रों की आत्महत्या के मामले सामने आए हैं। एनसीआरबी के अनुसार एक वर्ष में 13,892 छात्र-छात्राओं ने आत्महत्या की, यानी प्रतिवर्ष लगभग 13 हजार से अधिक छात्र अपनी जान गंवा रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह स्थिति बेहद चिंताजनक है और विश्वविद्यालयों में व्याप्त भेदभाव तथा मानसिक प्रताड़ना इसका बड़ा कारण है। मौर्य ने घोषणा की कि वे कल महामहिम राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन सौंपेंगे। इसमें मांग की जाएगी कि एससी और ओबीसी छात्रों के साथ हो रहे भेदभाव पर तत्काल रोक लगाई जाए, यूसीजी कानून को प्रभावी रूप से लागू किया जाए और आंदोलनरत छात्रों के साथ हुए दुर्व्यवहार की न्यायिक जांच कराई जाए। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालयों में पढ़ने वाले अधिकांश छात्र इस कानून के पक्ष में हैं, लेकिन कुछ विकृत मानसिकता के लोग इसका विरोध कर माहौल बिगाड़ रहे हैं। प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने बजट को लेकर भी सरकार पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि यह बजट गरीबों और वंचितों के हित में नहीं है। यदि पिछले बजट का लगभग 50 प्रतिशत खर्च ही नहीं हुआ तो नया बजट लाने का क्या औचित्य है। पहले पुराने बजट का समुचित उपयोग किया जाना चाहिए, तभी जनता का वास्तविक भला हो सकेगा। मुख्यमंत्री द्वारा दिए गए बयान, जिसमें बाबरी मस्जिद निर्माण को लेकर टिप्पणी की गई थी, पर पूछे गए सवाल के जवाब में स्वामी प्रसाद मौर्य ने कहा कि मुख्यमंत्री अक्सर इस प्रकार के बयान देते रहते हैं और इस पर वे विशेष रूप से कुछ नहीं कहना चाहते।

भारत-अमेरिका कृषि समझौते के खिलाफ किसानों का कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। भारत,अमेरिका कृषि समझौते के विरोध में जिलाधिकारी कार्यालय लखनऊ में किसानों ने प्रदर्शन किया। ल्लमेरा खेत मेरा अधिकारङ्क के नारे के साथ भारतीय किसान यूनियन के बैनर तले किसान धरना-प्रदर्शन जिलाधिकारी कार्यालय के सामने बैठ गए। वह डीएम विशाख जी. का इंतजार किया। उन्हीं को केंद्र सरकार तक अपनी बात पहुंचाने का ज्ञापन देने के लिए काफी देर तक बैठे रहे। उनका कहना था कि हम लोग गांव इतनी दूर आ गए और डीएम साहब कमरे से नहीं निकल पा रहे हैं। हम उन्हें अपना ज्ञापन देकर ही यहां से लौटेंगे।वाइस सिटी इंचार्ज ज्ञानचंद गुप्ता ज्ञापन लेने पहुंचे, लेकिन किसानों ने मना कर दिया। उनका कहना है कि जिलाधिकारी आएंगे तभी ज्ञापन दिया जाएगा।किसानों का कहना है कि अगर डीएम साहब नहीं आएंगे.... तो हम ज्ञापन नहीं देंगे... जब वह (डीएम) यहां पर बैठे हुए हैं, उसके बाद भी नहीं आ रहे हैं तो हम लोग यही समझेंगे कि वह किसान विरोधी हैं। किसानों का आरोप है कि भारत-अमेरिका कृषि समझौता देश के छोटे और मझोले किसानों के हितों के खिलाफ है। संगठन का कहना है कि यदि विदेशी कंपनियों को खुली छूट दी गई तो स्थानीय किसानों की जमीन, उपज और बाजार पर सीधा असर पड़ेगा। धरना-प्रदर्शन के दौरान किसान प्रतिनिधिमंडल जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपेगा, जिसमें समझौते को रद्द करने या उस पर पुनर्विचार की मांग की जाएगी। यूनियन के पदाधिकारियों का कहना है कि यह सिर्फ लखनऊ की आवाज नहीं, बल्कि देशभर के किसानों की चिंता है।

नव वैवाहिक जीवन में एक दूसरे को समझे तथा एक-दूसरे के सुखदुख में साथ दें: प्रेमावती

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई।आई0टी0 आई0, हरदोई परिसर में समाज कल्याण विभाग की ओर से आयोजित मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह समारोह का उद्घाटन मुख्य अतिथि के रूप में जिला पंचायत अध्यक्ष प्रेमावती ने गणेश व कलस पूजन के साथ दीप प्रज्जवलित कर किया। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष ने नव विवाहित जोड़ों को आर्शीवाद प्रदान करते हुए कहा कि आप सभी का जीवन सुखमय हो और सभी लोग अपने वैवाहिक जीवन में बहुत खुशिया मिले। उन्होने कहा अपने नव वैवाहिक जीवन में एक दूसरे को समझे तथा एक-दूसरे के सुख-दुख में बराबर का साथ दें। उन्होने कहा कि मुख्यमंत्री ने सामूहिक विवाह योजना के माध्यम से लाखों गरीब कन्याओं के विवाह कराकर उनका जीवन सुखमय बनाया है और अभिभावकों को भी राहत दी है। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष अजीत सिंह बब्बन ने नव विवाहित जोड़ों को आर्शीवाद देते हुए कहा कि शादी एक नही बल्कि जन्मों-जन्मों का साथ होता है और इसी को ध्यान में रखकर सभी अपने वैवाहिक जीवन का सफ्ल बनायें।

इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी सान्या छाबड़ा ने मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष, भाजपा जिलाध्यक्ष, नगर पालिका अध्यक्ष सुखसागर मिश्रा आभार व्यक्त किया तथा नव वैवाहिक जोड़ों को आर्शीवाद प्रदान किया तथा कहा कि शादी से वर-वधु के साथ दो परिवारों का मिलन होता है जिससे पारिवारिक सम्बन्धों में मधुरता आती है। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह में 48 जोड़ों का विवाह गायत्री परिवार के पोरोहितों ने मंत्रों उच्चारण, वरमाला एवं अग्नि के फेरे कराकर विधि विधान से सम्पन्न कराया। इस

अवसर पर अपर जिलाधिकारी वि0रा0 प्रियंका सिंह, नगर मजिस्ट्रेट सुनील कुमार द्विवेदी, अतिरिक्त मजिस्ट्रेट/प्रभारी जिला समाज कल्याण अधिकारी पूनम भास्कर, जिला विकास अधिकारी कमलेश कुमार, पीडी, डीडी कृषि, प्रभारी जिला सूचना अधिकारी दिव्या निगम सहित अन्य अधिकारी/कर्मचारी एवं भारी संख्या में नव वैवाहिक जोड़ों के परिजन आदि उपस्थित रहें।

अपराधियों के हौसले बुलंद, नहीं थम रहा हत्याओं का सिलसिला

■ मात्र आठ घंटे में अलग-अलग जगहों पर दो हत्याएं एवं तीन दिनों में चार हत्याएं

राष्ट्रीय प्रस्तावना

लोनार (हरदोई)। जिले में अलग-अलग जगहों पर लगातार हो रही हत्याओं ने पुलिस प्रशासन की सुरक्षा व्यवस्था पर बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं! मात्र आठ घंटे में दो हत्याएं वहीं तीन दिनों में चार हत्याओं ने भयमुक्त प्रदेश के दावे की हवा निकाल दी है!

प्राप्त जानकारी के अनुसार बृहस्पतिवार को लोनार थाना क्षेत्र से लगभग 2 किलोमीटर दूर राज बहादुर महाविद्यालय के पास जंगल में एक शव प्राप्त हुआ था जिसकी पहचान अनिल कुमार भदौरिया उर्फ नीशू सिंह (43) बाजपुर नकटोडा

पुलिया लोनार के रूप में हुई है! परिजनों के अनुसार मृतक सुबह लगभग दस बजे मोटरसाइकिल से घर से निकला था! जिसके बाद उनके घर वालों से उसका कोई संपर्क नहीं हुआ! मृतक के शरीर पर चोट के कई गंभीर निशान मिले हैं! परिजनों ने पांच लोगों पर हत्या का आरोप लगाया है! पुलिस अधीक्षक ने थाना लोनार की टीम के साथ घटनास्थल का निरीक्षण किया!

पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा ने का बताया कि फोरेंसिक टीम साक्ष्यों को जुटाने में लगी हैं व तहरीर के आधार पर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी! शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है! थाने के अलावा एसओजी व सर्विलांस की टीमों की मदद से घटना का जल्द अनावरण करने का प्रयास किया जा रहा है!

परिक्रमा पड़ाव पर चल रही तैयारी का अधिकारियों ने लिया जायजा

राष्ट्रीय प्रस्तावना

कोथावाँ (हरदोई)। आगामी 18 फ्रवरी को नैमिषारण्य से शुरू 84 कोसी परिक्रमा के हरदोई जनपद में पड़ने वाले पड़ावो पर चल रही तैयारी का अधिकारियों ने जायजा लिया। संडीला उप जिलाधिकारी नारायणी भाटिया सहित क्षेत्राधिकारी हरियावाँ अजीत चौहान ने हर्रैया, हत्या हरण तीर्थ कोथावां, नगवां, गिरधरपुर, उमरारी आदि का भ्रमण किया इस दौरान यहां के मंदिरों में सुरक्षा के दृष्टिकोण से सीसीटीवी कैमरे लगवाने के निर्देशों के साथ उन्होंने परिक्रमा मार्ग पर अंडों की दुकानों को नोटिस भी दिया 84कोसी परिक्रमा में न सिर्फ देश बल्कि विदेश से भी संत महात्मा शामिल होने आते हैं। परिक्रमा के दूसरे पड़ाव से लेकर पांचवा पड़ाव हरदोई जनपद में हैए यानी कुल चार पड़ाव जनपद में है इन पड़ाव पर परिक्रमा के मध्यनजर तैयारियां जोर.जोर से चल रही है। जिलाधिकारी अनुनय झा के निर्देशन में संडीला की ज्वाइंट मजिस्ट्रेट नारायणी भाटिया और सीओ अजीत चौहान आज तीनों पड़ाव स्थलों पर पहुंचे यहां रेन बसेरे की तैयारी को लेकर सुरक्षा व्यवस्था तक का जायजा लिया। मजिस्ट्रेट ने परिक्रमा मार्ग पर स्वच्छता के विशेष प्रबंध रखने के लिए कहा। नगर पंचायत बेनीगंज के अधिशासी अधिकारी को निर्देश दिए कि पेयजल और शौचायलयों की व्यवस्था दुरुस्त रखें। परिक्रमा स्थल में पड़ने वाले धार्मिक कुंड में होने वाले स्नान के मध्य नजर बैरिकेडिंग करने के भी सख्त निर्देश दिए गए। वहीं हत्या हरण तीर्थ की बाउंड्री की पुताई अभी तक नहीं हो पाई है कुछ हाई मास्क लाइटें भी खराब पड़ी है कोथावां रामलीला मैदान के ठीक सामने तालाब के पट्टे को अब तक निरस्त न किए जाने पर पड़ाव प्रभारी मायूस दिखाई दिए। उन्होंने कहा ये मार्ग क्षेत्र भूमि परिक्रमा की है। कई शिकायतों के बावजूद इस तालाब का पट्टा निरस्त नहीं किया गया।

पीएम श्री विद्यालय के बच्चों ने किया शैक्षणिक भ्रमण

सण्डीला (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। बुधवर को पीएम श्री विद्यालय गोसवा ड़ोंगा के बच्चों को शैक्षणिक भ्रमण कराया गया जो संडीला के ही नामी पब्लिक स्कूल में जाकर कंप्यूटर लैब, लाइब्रेरी, साइंस लैब, के साथ अन्य व्यवथाओं का जायजा लिया। खण्ड शिक्षा अधिकारी ब्रजेश त्रिपाठी ने यह जानकारी साझा करते हुए बताया कि विगत चार दिन पहले भी ऐसे ही पचास बच्चों का समूह भ्रमण कर चुका। इस अवसर पर विद्यालय की इंचार्ज व शिक्षक उपस्थित रहे।

खेत पर काम कर रही एक महिला की गला रेत कर हत्या, इलाके में हड़कंप मचा

शाहाबाद (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। गुरुवार को पूर्वान्ह 11:00 खेत पर काम करने गई एक महिला की गला रेत कर हत्या कर दी गई हत्या की खबर से इलाके में सनसनी व्याप्त हो गई। घटना की सूचना पाकर सबसे पहले प्रभारी निरीक्षक और क्षेत्राधिकारी मौके पर पहुंचे और मौका मुआयना किया। तत्पश्चात पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा और अपर पुलिस अधीक्षक मार्तंड प्रकाश सिंह मौके पर पहुंचे और मौका मुआयना कर बच्चों और ग्रामीणों से बातचीत की। मृतक के देवर ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कराया है। शाहाबाद कोतवाली के ग्राम अमिरता निवासी सुरेश चंद्र की 42 वर्षीय पत्नी श्रीदेवी गुरुवार को सुबह लगभग ०8:30 बजे अपने बेटे आलोक (12) और अंशुल (08) को लेकर खेत पर प्याज गाड़ने के लिए गई थी। थोड़ी देर बाद दोनों बेटे खाना खाने के लिए घर चले आए और खाना खाकर मां के लिए खेत पर खाना ले गए। लेकिन श्रीदेवी दोनों बेटों को खेत पर नहीं मिली तो दोनों बेटे घर वापस आए और अपनी बड़ी बहन अर्चना (18) को पूरी बात बताई कि मां खेत पर नहीं है। अर्चना दोनों बेटों को साथ लेकर खेत पर गई। उसने भी खेत में देखा उसकी मां नहीं है लेकिन उसको खून के छींटे नजर आए तो खून की दिशा में वह चलती चली गई । करीब 20 कदम दूर श्याम लाल के गेहूं के खेत में श्रीदेवी का रक्त रंजित शव पड़ा हुआ था। शव देखकर उसके होश उड़ गए। गले में गहरी चोट के निशान थे। अर्चना चीखने और चिल्लाने लगी। आसपास के खेतों में काम कर रहे ग्रामीण मौके पर एकत्रित हो गए। कुछ ही देर में श्रीदेवी की हत्या की खबर आम हो गई। घटनास्थल पर भारी भीड़ एकत्रित हो गई। तत्काल कोतवाली पुलिस को सूचना दी गई। क्षेत्राधिकारी आलोक राज नारायण, प्रभारी निरीक्षक जितेंद्र प्रताप सिंह मौके पर पहुंचे और मौका मुआयना किया। महिला की हत्या की सूचना पाकर पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा और अपर पुलिस अधीक्षक पश्चिमी मार्तंड प्रकाश सिंह भी घटनास्थल पर पहुंचे और बारीकी से घटनास्थल का मौका मुआयना करने के बाद बच्चों और ग्रामीणों से बात की। मृतका की गर्दन पर धारदार हथियार के निशान थे । जिससे लगता था कि महिला की बेरहमी के साथ गर्दन रेत कर हत्या की गई। मृतका का पति हिमाचल प्रदेश में एक फैक्ट्री में मजदूरी करता है। फॉरेंसिक टीम ने मौके पर पहुंचकर साक्ष्य संकलित किये। मृतका के देवर पिंटू पुत्र भैया लाल ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफहत्या का मामला दर्ज कराया है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। बच्चों का रो-रो कर बुरा हाल है।

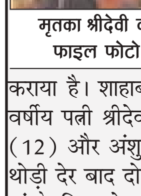

मृतका श्रीदेवी की फाइल फोटो

विदाई समारोह में छलके छात्राओं के आंसू

शाहाबाद (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। बिल्कीस गर्ल्स इंटर कॉलेज में आयोजित विदाई समारोह उस समय बेहद मार्मिक दृश्य हो गया, जब छात्र.छात्राओं की आंखों से आंसू छलक पड़े। विदाई के क्षण सदैव भावनाओं से भरे होते हैं, और जब आपसी लगाव एवं स्नेह के बंधन ढीले पड़ते हैं, तो मन में उठने वाली कसक स्वत: ही आंखों से बह निकलती है। विदाई समारोह के दौरान छात्राओं के दुपट्टों के छोर और हाथों में थमे रूमाल नम दिखाई दिए। सभी छात्र.छात्राएं एक.दूसरे को गले लगाकर विदा कर रहे थे। मंच से उपाधियां ग्रहण करते समय मुस्कुराने का प्रयास तो किया गयाए लेकिन चेहरों पर खिंची उदासी की रेखाएं मन के भीतर छिपे भावों को साफबयां कर रही थीं। समारोह के दौरान छात्राओं द्वारा प्रस्तुत देशभक्ति गीत और विदाई गीतों ने माहौल को और भी भावुक बना दिया। एक छात्रा ने जब गीत के माध्यम से कहा अभी अलविदा मत कहो दोस्तों, न जाने फिर कहां मुलाकात हो तो उपस्थित सभी लोगों की आंखें नम हो गईं। इस अवसर पर कॉलेज के संस्थापक एवं प्रबंधक शाहिद खान ने कहा कि आज मन में दु:ख भी है और खुशी भी। दु:ख इसलिए कि आप हमसे दूर जा रही हैं और खुशी इसलिए कि आप अच्छे अंक लाकर अपना और कॉलेज का नाम रोशन करेंगी। उन्होंने छात्राओं के उज्वल भविष्य की कामना करते हुए ईश्वर से उनकी सफलता की दुआ की। प्रधानाचार्य एखलाक उर्फराजू सर ने कहा कि हमें पूरा विश्वास है कि आप सभी अपनी मेहनत और शिक्षा के बल पर कॉलेज और अपने परिवार का नाम गौरवान्वित करेंगी। प्रधानाचार्य कु० अजरा नईम ने कहा कि बड़ी मेहनत से सींचे गए इस शैक्षिक बगीचे से यही तमन्ना है कि छात्राएं मेरिट सूची में स्थान प्राप्त करें। उन्होंने सभी छात्र-छात्राओं को शुभकामनाएं दीं। विदाई समारोह में अध्यापक बलराम कुशवाहा, साहिवा खान, समीर खान, अनुज कुशवाहा, सद्दाम खान, शारिक खान, शिवम प्रजापति, कु० सदफ अनवर सहित अन्य स्टाफसदस्य उपस्थित रहे।

विदाई समारोह में मौजूद प्रधानाचार्य और प्रबंधक फोटो: राष्ट्रीय प्रस्तावना

सड़क दुर्घटना में घायल 6 वर्षीय बालक की इलाज के दौरान हुई मौत

शाहाबाद (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम सराय कमालुद्दीन में 4 फ्रवरी को एक सड़क दुर्घटना में एक 6 वर्षीय बालक की इलाज के दौराम 11 फ्रवरी की शाम को मृत्यु हो गयी।मृतक बालक के परिजनों ने लिखित प्रार्थमा पत्र दिया है। प्रार्थना पत्र के अनुसार सद्दाम हुसैन पुत्र मोहर्रम अली निवासी ग्राम अंडौआ थाना मंजिला ने थाने पर दिए गए शिकायत प्रार्थना पत्र में बताया था कि वह अपने बच्चों सहित अपने रिश्तेदारी कोतवाली शाहाबाद के सराय कमालुद्दीनपुर में 4 फ्रवरी 2026 को गया था बच्चे खेल रहे थे कार संख्या यू पी 14 क्यूटी 3666 के चालक ने तेजी और लापरवाही से कार चलाते हुए उसके बच्चे को कुचल दिया। गंभीर रूप से घायल बच्चे को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया जहां हालत चिंताजनक होने पर डॉक्टरों ने शाहजहांपुर के लिए रेफ्र कर दिया।पीड़ित पिता के अनुसार घायल बच्चे का इलाज शाहजहांपुर मे चल रहा था इलाज के दौरान 11 फ्रवरी को उसके पुत्र रसूल शाह की मृत्यु हो गई। शाहजहांपुर पुलिस ने उसके पुत्र का पोस्टमार्टम करवाया है। पोस्टमार्टम के बाद गुरुवार दोपहर परिजन शव लेकर जैसे घर पहुंचे तो घर में कोहरा मच गया बताया गया सद्दाम के तीन बच्चे है सबसे बड़ा यही बेटा था और दो छोटी बेटियां है।

आपदा प्रतिक्रिया एवं अग्निशमन अभ्यास का हुआ आयोजन

कछौना (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। नगर पंचायत कछौना पतसेनी कार्यालय परिसर में प्रधानमंत्री द्वारा सुझाए गए दिशा-निर्देशों के अंतर्गत आपदा प्रतिक्रिया प्रशिक्षण एवं अग्निशमन अभ्यास का सफल आयोजन किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य आपातकालीन परिस्थितियों में कर्मचारियों को सजग एवं प्रशिक्षित करना रहा। कार्यक्रम के दौरान प्रभारी फायर सर्विस भंवर सिंह एवं एस के गौतम कॉन्स्टेबल द्वारा आग से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियाँ दी गईं। ठोस तरल एवं गैस प्रत्येक प्रकार से लगने वाली आग को बुझाने के लिए अलग-अलग उपाय अपनाए जाते हैं। प्रशिक्षण में यह भी बताया गया कि आग लगने की स्थिति में घबराने के बजाय संयम से काम लेना चाहिए। विशेष रूप से गैस सिलेंडर में आग लगने की स्थिति में क्या.क्या सावधानियाँ बरतनी चाहिएए इसकी जानकारी विस्तार से दी गई। उन्होंने बताया कि सिलेंडर में आग लगने पर सबसे पहले गैस की सप्लाई बंद करने का प्रयास करेंए गीले कपड़े का उपयोग करें तथा तुरंत फायर ब्रिगेड को सूचना दें। प्रशिक्षण के अवसर पर अधिशासी अधिकारी देवांशी दीक्षित ने कहा कि इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम कर्मचारियों के लिए अत्यंत आवश्यक है, जिससे किसी भी आपदा की स्थिति में जन.धन की हानि को कम किया जा सके। उन्होंने सभी कर्मचारियों से प्राप्त जानकारी को व्यवहार में उतारने की अपील की। कार्यक्रम में मुख्य रूप से एसके गौतम कॉन्स्टेबल फायर सर्विस, लिपिक जेबी सिंह, रामजी, प्रदीप, गौरव, दिनेश, शिवम् सहित नगर पंचायत के कर्मचारी उपस्थित रहे।

हाईवे पर सवारियां लदी पिकअप पलटी, कई घायल

■ परिवहन विभाग की लापरवाही हुई उजागर

कछौना (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत लखनऊ पलिया राष्ट्रीय राजमार्ग पर कटियामऊ गांव के पास सावरियां लदी एक पिकअप अनियंत्रित होकर पलट गई जिसमें कई सवारियां घायल हो गई! स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को बाहर निकाला गया जिन्हें तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कछौना पहुंचाया गया! प्राप्त जानकारी के अनुसार बृहस्पतिवार की सुबह कछौना थाना क्षेत्र के अंतर्गत कटियामऊ गांव के सामने संडीला से हरदोई की ओर सावरियां लेकर जा रही पिकअप अचानक अनियंत्रित होकर पलट गई! जिससे यात्रा कर रहे सभी लगभग 15 लोग चुटहिल हो गए जिन्हें स्थानीय लोगों की मदद से बाहर निकाल कर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भिजवाया गया! जिसमें से दो गंभीर घायलों को बेहतर उपचार के लिए रेफ्र कर दिया गया! वाहन के पलटने से आसपास अफ्रा तफ्री मच गई! परिवहन व पुलिस विभाग द्वारा बड़े.बड़े दावे करने के बावजूद भी इस तरीके की घटनाएं लगतार घटती रहती है! किसी बड़ी घटना होने पर अधिकारी कागजी लीपापोती कर अपना रटा रटाया जवाब देकर पल्ला झाड़ लेते है! यात्रियों के सुगम व सुरक्षित यात्रा के नाम पर सरकार द्वारा विभाग पर करोड़ों रुपए का बजट खर्च होता है लेकिन अगर यही कार्य ईमानदारी पूर्वक किया जाए तो ऐसी दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाया या कम किया जा सकता है! क्षेत्राधिकार बघौली ने बताया कि उक्त घटना के संबंध में विधिक कार्रवाई की जा रही है!

किसान मजदूर संगठन की मासिक बैठक संपन्न

बघौली (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। किसान मजदूर संगठन की मासिक बैठक संगठन के जिलाध्यक्ष विकास चौहान की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में क्षेत्र के किसानों एवं मजदूरों की विभिन्न ज्वलंत समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में किसानों को समय पर खाद-बीज उपलब्ध न होने, सिंचाई व्यवस्था में आ रही दिक्कतों, बिजली आपूर्ति की अनियमितता तथा मजदूरों के भुगतान से जुड़ी समस्याओं को प्रमुख रूप से उठाया गया। संगठन पदाधिकारियों ने संबंधित विभागों से समस्याओं के शीघ्र समाधान की मांग की। इस अवसर पर तहसील अध्यक्ष प्रियांशु सैनी, ज्ञानेंद्र कुमार, लखन मिश्रा, चेतन गुप्ता, जिलासचिव बालकराम वमा, पुत्तीलाल, आशीष कुमार, सत्यपाल पड़रिया सहित अन्य कार्यकर्ता एवं सदस्य उपस्थित रहे। जिलाध्यक्ष विकास चौहान ने कहा कि यदि किसानों और मजदूरों की समस्याओं का जल्द समाधान नहीं किया गया तो संगठन चरणबद्ध आंदोलन करने को बाध्य होगा।

सेवानिवृत कर्मचारी एवं पेंशनर्स एसोसिएशन की बैठक हुई संपन्न

राष्ट्रीय प्रस्तावना

बैठक को संबोधित करते संगठन के जिला अध्यक्ष एसपी सिंह फोटो: राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। वरिष्ठ कोषाधिकारी कार्यालय के सभागार कक्ष में बृहस्पतिवार को संगठन के जिला अध्यक्ष एसपी सिंह की अध्यक्षता में सेवानिवृत कर्मचारी एवं पेंशनर्स एसोसिएशन की अहम् बैठक सकुशल संपन्न हुई! जिसमें कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा हुई! उपस्थित सभी सेवानिवृत कर्मचारियों ने अध्यक्ष के बिन्दुओ पर आम सहमति जताई!

बैठक के दौरान पेंशनर्स की विभिन्न समस्याओं पर विस्तार से चर्चा हुई! बैठक में महंगाई भत्ते की बकाया राशिए चिकित्सा सुविधाओं में कमी पेंशन विसंगतियां तथा कैशलेस इलाज की व्यवस्था पर विस्तार से चर्चा हुई! बैठक के दौरान कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे जिला अध्यक्ष एसपी सिंह ने कहा कि सेवानिवृत कर्मचारियों को समय पर पेंशन व अन्य देयक का भुगतान सुनिश्चित किया जाए ताकि उन्हें किसी प्रकार की आर्थिक परेशानी का सामना न करना पड़े! इस अवसर पर संगठन पदाधिकारियों ने पेंशनर्स के हितों की रक्षा के लिए एकजुट होकर आवाज उठाने का आह्वान किया! बैठक में निर्णय लिया गया कि संबंधित विभाग के अधिकारियों को ज्ञापन सौंप कर शीघ्र समाधान की मांग की जाएगी! साथ ही आवश्यकता पड़ने पर धरना प्रदर्शन जैसे लोकतांत्रिक कदम उठाने पर भी विचार किया जाएगा! बैठक में संगठन को और उसकी अधिक मजबूत बनाने तथा नए सदस्यों को जोड़ने पर भी जोर दिया गया! अंत में अध्यक्ष ने आए हुए सभी सेवानिवृत कर्मचारियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि पेंशनर्स की एकता ही उनकी सबसे बड़ी ताकत है और संगठित प्रयासों से ही समस्या का समाधान संभव है! बैठक में मुख्य रूप से संगठन के वरिष्ठ उपाध्यक्ष गजेंद्र पाल सिंह संप्रेक्षक वीके सिंह जिला मंत्री एसके मिश्रा सहित बड़ी संख्या में संगठन पदाधिकारी एवं सेवानिवृत कर्मचारी उपस्थित रहे!

आम हड़ताल से बैंको में पसरा रहा सन्नाटा

हरदोई (राष्ट्रीय प्रस्तावना)। केंद्रीय श्रम संगठनों के आह्वाहन देश व्यापी आम हड़ताल का गुरुवार को व्यापक असर जिले की बैंको में भी रहा। काउंटर पर काम करने वाले कार्मिकों के हड़ताल पर चले जाने से बैंको का कारोबार कहीं आंशिक तो कहीं पूरी तरह प्रभावित रहा। करीब 200 करोड़ का बैंकिंग लेनदेन हड़ताल के चलते प्रभावित हुआ। यूपी बैंक इम्प्लाइज यूनियन के जिला मंत्री ने हड़ताल की सफ्लता का दावा करते हुए कहा कि काउंटरों पर काम करने वाले कार्मिकों व अधीनस्थ स्टाफके हड़ताल पर होने से बैंको में सन्नाटा पसरा रहा। केनरा बैंक, यूनियन बैंक, सेंट्रल बैंक, पीएनबी, बैंक ऑफबड़ोदा, यूको बैंक, नैनीताल बैंक में हड़ताल के चलते कामकाज बुरी तरह प्रभावित रहा जबकि बैंक ऑफइंडिया में आंशिक प्रभाव रहा। भारतीय स्टेट बैंक हड़ताल में शामिल नही थी। हड़ताल का नेतृत्व पीएनबी में अजय मेहरोत्रा, केनरा बैंक में अनुज सिंह व दीपक बाजपेई, यूनियन बैंक में कौशलेंद्र शुक्लाए विपिन गुप्ता व अमित पाण्डेय, बैंक ऑफइंडिया में वेदप्रकाश पांडे, आनंद वर्मा व वीर बहादुर सिंह, बैंक ऑफबड़ौदा में अनादि ब्रम्ह और अनिल कुमार, यूको बैंक में श्याम सिंह, इंडियन बैंक में गौरव नैनीताल बैंक में शुभम श्रीवास्तव ने किया।

2026 श्री रामलीला मेला, हरदोई 2026

के संशोधित मुख्य समारोहों का कार्यक्रम

इस जन मेले के सभी विशेष समारोह नि:शुल्क है। सर्वजन सपरिवार सादर आमंत्रित है।

रावण वध, रावण राजनीति, आतिशबाजी व चिरकुला नृत्य

दिनाँक- 25 फरवरी, 2026 दिन बुधवार, सायंकाल 05:00 बजे से स्थान- रामलीला मैदान

भरत मिलाप, राम राज्याभिषेक एवं राजगद्दी

दिनाँक- 25 फरवरी, 2026 दिन बुधवार, समय-रात्रि 08:00 बजे से स्थान- रामलीला पण्डाल

विराट कवि सम्मेलन

दिनाँक- 01 मार्च, 2026 दिन रविवार, समय रात्रि 09:00 बजे से स्थान- रामलीला पण्डाल

स्वतन्त्रता संग्राम सेनानी- बाबू हरी बहादुर श्रीवास्तव, स्मृति गीत गायन प्रतियोगिता

ऑडीशन: दिनाँक- 01 मार्च, 2026 दिन रविवार, समय-दिन के 03:00 बजे से स्थान- रामलीला पण्डाल

प्रतियोगिता: दिनाँक- 02 मार्च, 2026 दिन सोमवार, समय-दिन के 03:00 बजे से स्थान- रामलीला पण्डाल

अजीमुश्शान मुशायरा

दिनाँक- 07 मार्च, 2026 दिन शनिवार, समय-रात्रि 09:30 बजे से स्थान:- रामलीला पण्डाल

विराट वार्षिक दंगल

दिनाँक-10, 11, 12 मार्च, 2026 दिन मंगलवार, बुधवार, गुरूवार
समय-दिन के 02:00 बजे से स्थान:- रामलीला मैदान।

सुन्दरकाण्ड पाठ

दिनाँक-14 मार्च, 2026 दिन शनिवार (श्री सुन्दरकाण्ड पाठ समिति, अशराफ टोला, हरदोई श्री मनीष चतुर्वेदी द्वारा) समय-सायंकाल 07:00 बजे से स्थान- रामलीला पण्डाल

उन्नीसवाँ माँ भगवती जागरण

दिनाँक- 16 मार्च, 2026 दिन सोमवार, समय-रात्रि 8:00 बजे से स्थान- रामलीला पण्डाल

कन्या भोज व भण्डारा

दिनाँक- 17 मार्च, 2026 दिन मंगलवार, समय-प्रात: 09:00 बजे से स्थान:- रामलीला पण्डाल

निवेदक:- श्री रामलीला मेला प्रदर्शनी कमेटी, हरदोई।

साइबर डकैती पर सख्ती

देश में तेजी से बढ़ रहे साइबर ठगी के मामलों पर शीर्ष अदालत का सख्त रुख वक्त की जरूरत है। कोर्ट ने तल्ख टिप्पणी करते हुए कहा कि देश में 54 हजार करोड़ रुपये का डिजिटल फ्रॉड सीधे-सीधे डकैती है। साइबर ठगी खासकर डिजिटल अरेस्ट के जरिये उपभोक्ताओं का करोड़ों रुपये हड़पने के मामले में सुनवाई करते हुए अदालत ने जवाबदेह हितधारकों की भूमिका पर सवाल उठाए हैं। अदालत ने सीबीआई, बैंकों, आरबीआई की कोताही पर प्रश्न खड़े किए। कोर्ट ने नाराजगी जताते हुए कहा कि इन संस्थाओं ने लोगों के खून-पसीने की कमाई को बचाने के लिये समय रहते जरूरी कदम नहीं उठाये हैं। कोर्ट ने डिजिटल अरेस्ट मामलों में कतिपय बैंक अधिकारियों की भूमिका पर भी सवाल खड़े किए हैं। कोर्ट का कहना था कि यह कैसे संभव है कि बैंक अधिकारियों की नाक के नीचे साइबर ठग खाताधारकों का करोड़ों रुपया ठिकाने लगाने में कामयाब हो जाते हैं। कोर्ट ने आशंका जतायी कि इन साइबर ठगी में बैंक अधिकारियों की लापरवाही या मिलीभगत हो सकती है। साइबर ठगी को सीधी डकैती की संज्ञा देते हुए अदालत ने कहा कि इस ठगी पर रोक के लिये केंद्र सरकार स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसिजर यानी एसओपी तैयार करे। इतना ही नहीं कोर्ट ने गृह मंत्रालय को निर्देश दिया कि आरबीआई, दूरसंचार विभाग और अन्य हितधारकों के लिये चार सप्ताह में एसओपी का ड्राफ्ट तैयार किया जाए। बैंकों की कारगुजारी पर नाराजगी जताते हुए कोर्ट ने कहा कि बैंकों को अहसास होना चाहिए कि वे जनता के पैसों के ट्रस्टी हैं। उन्हें जनता के भरोसे को नहीं तोड़ना चाहिए। कोर्ट ने गंभीर चिंता जताई कि आखिर कैसे साइबर ठगी के लाखों केस सामने आ रहे हैं। अकसर सवाल उठाये जाते रहे हैं कि डिजिटल अरेस्ट व अन्य धोखाधड़ी के मामलों में करोड़ों रुपये साइबर अपराधी दूसरे खातों में डाल रहे होते हैं तो बैंक समय पर कार्रवाई क्यों नहीं करते? जबकि बैंकों के पास डेबिट कार्ड को अस्थायी रूप से होल्ड करने का भी अधिकार है। इसमें दो राय नहीं कि बैंकों के पास ऐसा सिस्टम होना जरूरी है, जिसके जरिये निगरानी हो सके कि कैसे किसी के खाते से निकाली गई बड़ी धनराशि जल्दी-जल्दी दूसरे खातों में हस्तांतरित हो रही है। निश्चित तौर पर बैंकों के सुरक्षा सिस्टम को तत्काल ऐसे मामलों में संज्ञान लेना चाहिए। यही वजह है कि सुप्रीम कोर्ट को रिजर्व बैंक के बाबत टिप्पणी करनी पड़ी कि साइबर ठगी के जरिये जिन खातों से पैसा ठिकाने लगाया जाता है, उस पर संबंधित बैंकों की जवाबदेही सुनिश्चित की जाए। यह सवाल तार्किक है कि अब तक संबंधित बैंक हाथ पर हाथ धरे क्यों बैठे रहे हैं? इसमें दो राय नहीं कि यदि बैंक,पुलिस और अन्य एजेंसियां समय रहते तत्काल कार्रवाई करें तो लोगों के खातों में डकैती से हुए नुकसान को कम किया जा सकता है। वैसे एक साल में बाइस लाख साइबर ठगी की शिकायतें सामने आने के बाद कहना कठिन है कि सीबीआई और अन्य एजेंसियां साइबर ठगी के मामलों में तत्काल अंकुश लगा पाएंगी। वक्त की जरूरत है पुलिस व अन्य एजेंसियों को प्रशिक्षित करके इतना सक्षम बनाया जाए कि वे इन अपराधों की संख्या पर रोक लगा सकें। यह तभी संभव है जब देश का गृह मंत्रालय, केंद्रीय बैंक और टेलीकॉम अथॉरिटी मिलकर इस दिशा में तुरत-फुरत काम करें। इसके लिये जरूरी है कि पूरे देश में यथाशीघ्र एसओपी लागू किया जाए। जिसके लिये शीर्ष अदालत ने केंद्र सरकार को चार सप्ताह के भीतर ड्राफ्ट तैयार करने को कहा है। निश्चित ही यह दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है कि एक छोटे राज्य के सालाना बजट से अधिक करीब 54 हजार करोड़ रुपये की धनराशि साइबर डकैती से लूट ली गई है। जिसमें राष्ट्रीय ही नहीं, बल्कि अंतर्राष्ट्रीय साइबर ठगों की भूमिका बनी हुई है। आज देश के बुजुर्गों, सेवानिवृत्त कर्मचारियों व भोले-भाले लोगों को जिस तरह साइबर ठगी का शिकार बनाया जा रहा है, उसके खिलाफ केंद्र सरकार को राज्य सरकार व अन्य एजेंसियों के साथ तालमेल बनाकर युद्ध स्तर पर काम करने की जरूरत है।

साइबर ठगी खासकर डिजिटल अरेस्ट के जरिये उपभोक्ताओं का करोड़ों रुपये हड़पने के मामले में सुनवाई करते हुए अदालत ने जवाबदेह हितधारकों की भूमिका पर सवाल उठाए हैं। अदालत ने सीबीआई, बैंकों, आरबीआई की कोताही पर प्रश्न खड़े किए। कोर्ट ने नाराजगी जताते हुए कहा कि इन संस्थाओं ने लोगों के खून-पसीने की कमाई को बचाने के लिये समय रहते जरूरी कदम नहीं उठाये हैं। कोर्ट ने डिजिटल अरेस्ट मामलों में कतिपय बैंक अधिकारियों की भूमिका पर भी सवाल खड़े किए हैं। कोर्ट का कहना था कि यह कैसे संभव है कि बैंक अधिकारियों की नाक के नीचे साइबर ठग खाताधारकों का करोड़ों रुपया ठिकाने लगाने में कामयाब हो जाते हैं।

वन्दे मातरम्: राष्ट्र चेतना का सनातन गीत और आधुनिक भारत का पुनर्ज़ागरण

कैलाश चंद

वन्दे मातरम् ये दो शब्द सिर्फ एक नारा नहीं, भारत की आत्मा का गूढ़ और दिव्य उद्गार हैं। यह केवल एक गीत नहीं बल्कि भारतीय राष्ट्रवाद की आध्यात्मिक जड़ है, जो भूमि, संस्कृति, शक्ति और ज्ञान इन चारों को मातृभाव में एक सूत्र में पिरोता है। जब कोई भारतीय 'वन्दे मातरम्' कहता है तो वह केवल मातृभूमि को प्रणाम नहीं करता बल्कि उस चेतना, परंपरा और जीवन दर्शन को नमन करता है जिसने इस देश को हजारों वर्षों से जीवित और गतिशील बनाए रखा है। आज, जब इस गीत की रचना के 150 वर्ष पूरे होने के अवसर पर भारत सरकार के 2026 के नए दिशा-निर्देश और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की राष्ट्रीय अपील सामने आई है, तब यह गीत एक बार फिर राष्ट्रीय चेतना के केंद्र में स्थापित होता दिखाई दे रहा है।

भारतीय सभ्यता में भूमि को केवल भौगोलिक सीमा या प्राकृतिक संसाधनों का समूह नहीं माना गया है। यहां धरती को 'माता' कहा गया है, एक ऐसी माता जो जीवन देती है, पोषण करती है और संस्कार प्रदान करती है। अथर्ववेद का प्रसिद्ध वाक्य 'माता भूमिः पुत्रोहं पृथिव्याः' भारतीय चिंतन की इसी भावना को प्रकट करता है। यह वाक्य बताता है कि मनुष्य और भूमि का संबंध केवल उपयोग का नहीं बल्कि आत्मीयता और मातृत्व का है। यही वैदिक आधार 'वन्दे मातरम्' की आत्मा में समाहित है। जब बंकिमचन्द्र चट्टोपाध्याय ने 'वन्दे मातरम्' की रचना की, तब उन्होंने केवल एक राजनीतिक नारा नहीं दिया। उन्होंने भारत की प्राचीन आत्मा को आधुनिक युग में पुनर्जीवित करने का प्रयास किया। उनके लिए भारत केवल एक देश नहीं था बल्कि एक जीवित मातृशक्ति थी, जो लक्ष्मी के रूप में समृद्धि देती है, सरस्वती के रूप में ज्ञान प्रदान करती है और दुर्गा के रूप में शक्ति का संचार करती है। इसीलिए इस गीत की हर पंक्ति में प्रकृति, शक्ति, ज्ञान और मातृत्व का अद्भुत समन्वय दिखाई देता है। सन् 1875 का वह काल भारतीय इतिहास का एक महत्वपूर्ण मोड़ था। ब्रिटिश शासन का दमन, सांस्कृतिक अपमान और आत्मगौरव का संकट समाज में गहराई तक समा चुका था। भारतीयों के भीतर अपनी पहचान और आत्मसम्मान को बचाने की तीव्र आकांक्षा जन्म ले रही थी। इसी समय बंकिमचन्द्र ने 'वन्दे मातरम्' की रचना की। यह गीत केवल शब्दों का समूह नहीं था बल्कि एक जागरण का मंत्र बनकर उभरा। 1896 में भारतीय राष्ट्रीय कंग्रेस के अधिवेशन में जब रवीन्द्रनाथ टैगोर ने इसे स्वर दिया, तब यह गीत पूरे देश में फैल गया और एक राष्ट्रीय संकल्प का प्रतीक बन गया। धीरे-धीरे यह गीत स्वतंत्रता आंदोलन का प्राण मंत्र बन गया। साल 1905 के बंग भंग आंदोलन के समय 'वन्दे मातरम्' हर गली, हर सभा और हर आंदोलन की धड़कन बन गया। विद्यार्थी जुलूसों में यह गूंजता था, महिलाओं की सभाओं में यह प्रेरणा देता था, क्रांतिकारियों के शपथ पत्रों में यह आत्मबल जगाता था और राष्ट्रीय आंदोलनों में यह एकजुटता का स्वर बन जाता था। यह केवल गीत नहीं रहा, यह आत्मगौरव और स्वतंत्रता की आकांक्षा का घोष बन गया।

भारतीय सभ्यता में भूमि को केवल भौगोलिक सीमा या प्राकृतिक संसाधनों का समूह नहीं माना गया है। यहां धरती को 'माता' कहा गया है, एक ऐसी माता जो जीवन देती है, पोषण करती है और संस्कार प्रदान करती है। अथर्ववेद का प्रसिद्ध वाक्य 'माता भूमिः पुत्रोहं पृथिव्याः' भारतीय चिंतन की इसी भावना को प्रकट करता है। यह वाक्य बताता है कि मनुष्य और भूमि का संबंध केवल उपयोग का नहीं बल्कि आत्मीयता और मातृत्व का है। यही वैदिक आधार 'वन्दे मातरम्' की आत्मा में समाहित है। जब बंकिमचन्द्र चट्टोपाध्याय ने 'वन्दे मातरम्' की रचना की, तब उन्होंने केवल एक राजनीतिक नारा नहीं दिया।

श्री अरविन्द ने इसे राष्ट्र आत्मा का मंत्र कहा। लाला लाजपत राय, सुब्रमण्य भारती, लाला हरदयाल और भीकाजी कामा जैसे अनेक स्वतंत्रता सेनानियों ने अपनी पत्रिकाओं और पत्रों के शीर्षक में 'वन्दे मातरम्' को स्थान दिया। महात्मा गांधी भी अपने कई पत्रों का समापन इसी मंत्र के साथ करते थे। ब्रिटिश सरकार ने इस गीत के प्रभाव को समझा और इसे रोकने के लिए प्रतिबंध लगाए, लोगों को गिरफ्तार किया लेकिन जितना दमन हुआ, उतनी ही इसकी शक्ति और बढ़ती गई। यह जनता के हृदय में बस चुका था और वहां से इसे कोई नहीं हटा सकता था। समय के साथ यह गीत केवल स्वतंत्रता आंदोलन की स्मृति बनकर नहीं रह गया बल्कि भारतीय पहचान का स्थायी प्रतीक बन गया। 30 से 31 अक्टूबर तथा 1 नवम्बर 2025 को जबलपुर में आयोजित अखिल भारतीय कार्यकारी मंडल की बैठक में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने इसे राष्ट्र चेतना का मूल स्वरबद्ध गीत बताया। उन्होंने कहा कि 'वन्दे मातरम्' एक दिव्य गीत है, जो राष्ट्र चेतना को जागृत करता है और समाज को जोड़ने वाली अद्भुत डोर है।ङ्क उनके अनुसार यह गीत सभी प्रांतों, भाषाओं और समुदायों के बीच समान रूप से स्वीकार्य है और यह सांस्कृतिक पहचान, राष्ट्रीय एकता और आत्मस्वत्व का आधार है। संघ ने समाज से आह्वान किया कि इस 150 वर्ष के पावन काल में 'वन्दे मातरम्' की ज्योति हर हृदय में प्रज्ज्वलित हो और इसी भाव से राष्ट्र निर्माण का संकल्प लिया जाए। इसी संदर्भ में 10 फरवरी 2026 को भारत सरकार द्वारा घोषित नए दिशा-निर्देश भी महत्वपूर्ण हैं। इन निर्देशों के अनुसार राष्ट्रीय आयोजनों में राष्ट्रगान से पहले 'वन्दे मातरम्' के सभी छह अंतरों का गायन किया जाएगा, जिसकी अवधि लगभग तीन मिनट दस सेकंड होगी। राष्ट्रपति के आगमन और प्रस्थान, राष्ट्रीय ध्वज समारोह, पद्म पुरस्कार और अन्य सरकारी कार्यक्रमों में इसे गाना अनिवार्य किया गया है। विद्यालयों में भी प्रार्थना की शुरुआत ह्लवन्दे मातरम्ङ्क से करने का सुझाव दिया गया है। हालांकि इस संबंध में किसी प्रकार की कानूनी सजा का प्रावधान नहीं रखा गया है। यह एक दंडात्मक आदेश नहीं बल्कि सांस्कृतिक पुनर्स्थापन का प्रयास है, एक ऐसा प्रयास जो समाज को अपनी जड़ों से जोड़ने की दिशा में है। आज के समय में ह्लवन्दे मातरम्ङ्क अक्सर केवल दो शब्दों तक सीमित होकर रह जाता है। लोग इसे एक नारे के रूप में बोलते हैं किंतु इसकी वास्तविक महत्ता पूरे गीत में निहित है। ये दो शब्द भावना जगाते हैं, लेकिन पूरा गीत चेतना जगाता है। इसकी संपूर्ण रचना में राष्ट्र चेतना को आध्यात्मिक ऊंचाई प्रदान करने की क्षमता है। इसमें प्रकृति का सौंदर्य है, संस्कृति का गौरव है, ज्ञान का प्रकाश है और शक्ति का तेज है। ये चारों तत्व मिलकर इसे केवल एक गीत नहीं बल्कि जीवन दर्शन बना देते हैं। वन्दे मातरम् हमें यह सिखाता है कि राष्ट्र केवल राजनीतिक इकाई नहीं होता, यह एक जीवित सांस्कृतिक सत्ता होता है। इसकी सेवा कर्तव्य से बढ़कर है, यह तप और साधना है। मातृभूमि सिर्फ भूमि का टुकड़ा नहीं, वह हमारी चेतना, पहचान और अस्तित्व का आधार है। जब हम वन्दे मातरम् कहते हैं तो हम उस परंपरा को नमन करते हैं जिसने हमें जन्म दिया, पाला और संस्कारित किया। इस आधार पर आप यह अवश्य अनुभूत करें कि 150 वर्षों के बाद भी यह गीत भारत के भविष्य का मार्गदर्शक है। यह हमें अपने भीतर झांकने, अपनी जड़ों को पहचानने और अपने राष्ट्र के प्रति समर्पण की भावना को फिर से जागृत करने का आह्वान करता है। आज जब इसका पूर्ण स्वरूप सम्मानित किया जा रहा है, तब अवश्य ही यह केवल इतिहास का सम्मान नहीं है, यह तो भारतीय सभ्यता के पुनर्ज़ागरण का संकेत है। वास्तव में वन्दे मातरम् भारत की मूल चिति का शाश्वत लयबद्ध संगीत है। यह उस भाव का प्रतीक है जिसमें विविधता के बीच एकता का दर्शन होता है। यह हमें बताता है कि भारत एक राष्ट्र के साथ ही एक परिवार है, एक ऐसी माता का परिवार जो अपने सभी संतानों को प्रेम, शक्ति, ज्ञान और संस्कार प्रदान करती है। यही भावना इस गीत को अमर बनाती है और यही इसकी सबसे बड़ी शक्ति है।

आध्यात्मिक उन्नति का पर्व महाशिवरात्रि

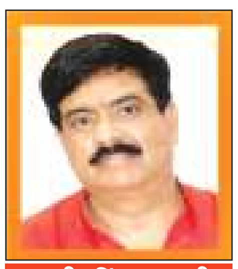

एस.वी. सिंह 'प्रहरी'

'शक्ति से शिव का मिलन' होना ही आध्यात्मिक उद्देश्यों की पूर्ति बताया गया है, मनुष्य जीवन में शक्ति से शिव के मिलन का अर्थ है कि मनुष्य शरीर की ऊर्जा का उध्वीकार होना यानी कि मनुष्य शरीर के निचले हिस्से में उपस्थित मूलाधार चक्र की ऊर्ज़ा को ऊपर लाकर मस्तिष्क के ऊपरी हिस्से के सहसार चक्र में स्थिर कर देने की प्रक्रिया है। यहां पर शक्ति का अर्थ प्रकृति से है जो कि मनुष्य के शरीर का स्वरूप है तथा शिव का तात्परी मनुष्य शरीर के मस्तिष्क भाग में स्थित संक्ष्य वेतना तत्व से है। 'महाशिवरात्रि' पर्व भी इसी प्रक्रिया का महत्वपूर्ण हिस्सा है इसीलिए इस पर्व का अपना विशिष्ट आध्यात्मिक महत्व है।

अमावस्या के एक दिन पहले का दिवस अर्थात चौदहवां दिवस शिवरात्रि के रूप में जाना जाता है परन्तु हिन्दू पंचाग के अनुसार फाल्गुन मास जो वर्ष का अन्तिम महीना होता है, की कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी को यही दिवस महाशिवरात्रि पर्व के रूप में मनाया जाता है। महाशिवरात्रि माह का सबसे अंधकारमय दिवस होता है इसका तात्परी ही यह है कि अंधकार का उत्सव मनाना। आध्यात्मिक एवं वैज्ञानिक दृष्टिकोण महाशिवरात्रि की रात्रि बहुत ही विशिष्ट होती है क्योंकि इस रात्रि में ग्रह का उत्तरी गोलाही इस तरह होता है कि मनुष्य की उज़ा प्राकृतिक रूप से ऊपर की तरफ जाने लगती है अथीत इस पावन रात्रि को प्रकृति स्वंय मनुष्य को आध्यात्मिक शिखर पर ले जाने में सहायता करती है।

योग क्रिया में भी यही बताया गया है कि मनुष्य को उसकी उजी का बहाव शरीर में नीचे से ऊपर की ओर होना चाहिए। क्योंकि इसी प्रक्रिया से मनुष्य को अपनी वास्तविकता का बोध होता है अशीत परम तत्व शिव से मिलन का रास्ता यही होता है। महाशिवरात्रि को प्रकृति स्वंय अपनी व्यवस्थाओं से मनुष्य को परमात्मा से जोड़ने का रास्ता प्रशस्त करती है इसीलिए इस पावन रात्रि में मनुष्य को योग एवं ध्यान मुद्रा में रीढ़ की हड्डी को सीधा कर बैठकर रात्रि जागरण करने की बाते कही गयी है।

महाशिवरात्रि तीन शब्दों महा+ शिव+रात्रि से मिलकर बना है इसलिए इन तीनों शब्दों के वास्तविक अर्थ तथा पर्व मनाने के आध्यात्मिक एवं वैज्ञानिक कारणों को जानना आवश्यक होगा।

* 'महा' का तात्पर्य श्रेष्ठों में श्रेष्ठ ।

* शिव का अर्थ है आदियोगी और जो नहीं है अथीत शून्यता।

* रात्रि का अर्थ होता है अंधकार।

भगवान शिव की इच्छा और उर्ज़ा अंश से सृष्टि का आरम्भ हुआ इसलिए इनको देवों के देव महादेव कहा जाता है, सृष्टि के संतुलन एवं संचालन हेतु ज्ञान की उत्पत्ति इन्ही के द्वारा हुई है इसीलिए भगवान शिव को आदिगुरु से भी संबोधित किया जाता है, भगवान शिव ने ही संसार में योग को सिखाया इसलिए इनको आदियोगी भी कहा जाता है।

'आदियोगी' तथा 'जो नहीं है अर्थात शून्य' का तात्पर्य एक ही है। जिसने अस्तित्व की एकात्मकता को पहचान लिया है वही योगी है यहां योग का अर्थ तंत्र या विशिष्ट अभ्यास से नही है बरन असीम विस्तार को तथा अस्तित्व में एकात्म भाव को जानने की चाहत योग है महाशिवरात्रि की रात व्यक्ति को इसी का अनुभव प्राप्त करने का अवसर प्रदत्त करती है। जब बात अंधकार अशीत शून्य की करें तो यहां यह समझाना होगा कि यदि किसी मनुष्य को अंधकार या प्रकाश में से एक का चयन करने को कहें तो निश्चित ही वह प्रथम विकल्प प्रकाश को ही चुनेगा।

जबकि प्रकाश मन की बहुत छोटी सी घटना है प्रकाश शास्वत नहीं है वह सीमित संभावना है तथा उसका अस्तित्व समाप्त हो सकता है एक मनुष्य भी प्रकाश को रोककर परछाया बना सकता है परन्तु अंधकार सर्वव्यापी है संसार में अंधकार को अज्ञानता और डर अर्थात शैतान का चित्रण किया जाता रहा है जबकि दिव्य शक्ति को सर्वव्यापी कहा जाता है अंधकार ही एक ऐसा तत्व है जो हर जगह व्याप्त है तथा उसको किसी सहारे की आवश्यकता नहीं है इसीलिए जब हम शिव को समझाते है या कहते है तो हमारा संकेत अस्तित्व की उस असीम रिक्तता की ओर होता है जिसकी गोद में सारी सृष्टि का सृजन होता है रिक्तता की इसी गोद को भगवान शिव कहा जाता है।

पूरे ब्रम्हाण्ड में जो भी आप देख रहे है सूर्य, चांद, तारामंडल, ग्रह और पंचमहाभूत इन सभी की उत्पत्ति का आधार शून्य है तथा शून्य के संतुलन से ही सभी अलग-अलग रहकर अपने उत्तरदायित्वों का निर्वहन करते है। उदाहरण से समझें यदि खुली आंख से प्रकाश की उपस्थिति में प्रकृति को देखेगें तो सृष्टि के कुछ सीमित सृजन का ही दीदार कर सकेंगे परन्तु यदि आंख बंद कर सृष्टि को देखना चाहें तो अंधकार में सम्पूर्ण सृष्टि की यात्रा की जा सकती है। संभव है कि कोई ग्रह सागर को समा सकता हो परन्तु वह शून्य को नहीं समा सकता अथीत शून्य ही मूल है जो नहीं है और सभी जगह है। यदि मनुष्य के शरीर में नसों और नाडियों के मध्य शून्य अर्थात रिक्त स्थान न हो तो सभी नसें और नाडियां आपस में पिड़ बन जायेगी सूर्य, पृथ्वी और तारे सब एक दूसरे में मिल जायेगें तथा प्रकृति के लिए अलग-अलग प्रकार की जिम्मेदारी उठाने योग्य नहीं होगें। इसीलिए अब संसार के वैज्ञानिको ने भी यह मान लिया है कि सभी कुछ शून्य से ही उत्पन्न हुआ और शून्य में ही विलीन हो जाता है और शून्य ही अंधकार का प्रतीक हैं।

वैसे वेदों और पुराणों में इस पावन दिवस में हुई कई घटनाओं एवं मान्यताओं का जिक्र किया गया है कि इस पावन दिवस की मध्य रात्रि को ही परमपिता परमेश्वर शिव पहली बार अग्नि ज्योर्तिलग के रूप में प्रकट हुए थे जिसका न आदि था और न ही अंत था, इसी पावन दिवस पर माता शक्ति से भगवान शिव का विवाह हुआ था अर्थात प्रकृति रूपी शरीर जो कि माता आदिशक्ति का स्वरूप है उसका मिलन शिव अर्थात वेतन्यता यानी ज्ञान होना ही शिव-पार्वती विवाह का स्वरूप है, इसी पावन दिवस पर भगवान शिव कैलाश पर्वत के साथ एकात्म और स्थिर हुए थे वह एक पर्वत की भांति स्थिर व निश्चल हो गये थे। इसीलिए भगवान शिव के भक्त इस रात्रि को स्थिरता की रात्रि के रूप में मनाते है।

यह लेख व्यक्तिगत शोध एवं विचारों पर आधारित है। जय परमपिता भगवान भोलेनाथ-जय माँता आदिशक्ति।

डिजिटल क्रांति पर साइबर प्रहार गंभीर चुनौती

ललित गर्ग

डिजिटल युग ने भारत की अर्थव्यवस्था और सामाजिक जीवन को अभूतपूर्व गति प्रदान की है। मोबाइल बैंकिंग, यूपीआई, ई-कॉमर्स और ऑनलाइन सेवाओं ने लेन-देन को सरल, त्वरित और पारदर्शी बनाया है। आज एक सामान्य नागरिक भी कुछ सेकंड में देश के किसी भी कोने में धन भेज सकता है, बिल जमा कर सकता है या निवेश कर सकता है। यही डिजिटल क्रांति 'नए भारत' और 'विकसित भारत' की आधारशिला मानी जा रही है। किंतु इसी क्रांति के साथ एक गहरी विडंबना भी उभरकर सामने आई है-डिजिटल धोखाधड़ी और साइबर लूट की भयावह बढ़ोतरी। हजारों करोड़ रुपये की ऑनलाइन ठगी की घटनाएँ न केवल आमजन को आर्थिक रूप से आहत कर रही हैं, बल्कि देश की आर्थिक सुरक्षा और वित्तीय प्रणाली की विश्वसनीयता पर भी प्रश्नचिह्न लगा रही हैं।

डिजिटल व्यवस्था की मूल आत्मा 'विश्वास' है। जब कोई व्यक्ति मोबाइल स्क्रीन पर उभरे एक क्यूआर कोड को स्कैन करता है या किसी लिंक पर क्लिक करता है, तो वह केवल तकनीक पर ही नहीं, बल्कि उस संपूर्ण तंत्र पर भरोसा करता है जो उसे सुरक्षित लेन-देन का आश्वासन देता है। किंतु जब यही विश्वास ठगी, फर्जी कॉल, फिशिंग, निवेश घोटालों और पहचान चोरी के कारण टूटने लगता है, तब डिजिटल विकास की पूरी अवधारणा कमजोर पड़ने लगती है। यदि बैंकिंग व्यवस्था में नकली नोटों की भरमार हो जाए तो मुद्रा पर विश्वास डगमगा जाता है, उसी प्रकार यदि डिजिटल लेन-देन में ठगी सामान्य अनुभव बन जाए, तो नागरिक डिजिटल माध्यमों से दूरी बनाने लगते हैं।

डिजिटल व्यवस्था की मूल आत्मा 'विश्वास' है। जब कोई व्यक्ति मोबाइल स्क्रीन पर उभरे एक क्यूआर कोड को स्कैन करता है या किसी लिंक पर क्लिक करता है, तो वह केवल तकनीक पर ही नहीं, बल्कि उस संपूर्ण तंत्र पर भरोसा करता है जो उसे सुरक्षित लेन-देन का आश्वासन देता है। किंतु जब यही विश्वास ठगी, फर्जी कॉल, फिशिंग, निवेश घोटालों और पहचान चोरी के कारण टूटने लगता है, तब डिजिटल विकास की पूरी अवधारणा कमजोर पड़ने लगती है। यदि बैंकिंग व्यवस्था में नकली नोटों की भरमार हो जाए तो मुद्रा पर विश्वास डगमगा जाता है, उसी प्रकार यदि डिजिटल लेन-देन में ठगी सामान्य अनुभव बन जाए, तो नागरिक डिजिटल माध्यमों से दूरी बनाने लगते हैं। यह स्थिति केवल व्यक्तिगत हानि का प्रश्न नहीं, बल्कि राष्ट्रीय आर्थिक ढांचे के लिए भी खतरे की घंटी है। परंपरागत अपराधों और डिजिटल अपराधों की तुलना करें तो दोनों के स्वरूप और प्रभाव में महत्वपूर्ण अंतर दिखाई देता है। पहले चोरी या डकैती किसी सीमित भौगोलिक क्षेत्र तक सीमित होती थी, अपराधी की पहचान अपेक्षाकृत स्पष्ट होती थी और जांच प्रक्रिया स्थानीय स्तर पर संचालित होती थी। डिजिटल अपराधों में अपराधी अदृश्य है, वह किसी दूसरे राज्य या देश में बैठकर वारदात कर सकता है, और कुछ मिनटों में सैकड़ों लोगों को निशाना बना सकता है। पारंपरिक अपराध में जोखिम अपराधी के लिए अधिक था, डिजिटल अपराध में जोखिम कम और लाभ अधिक है। यही असंतुलन इसे अत्यंत खतरनाक बनाता है। एक अन्य तुलनात्मक पक्ष यह है कि डिजिटल अपराधों में पीड़ित की मनोवैज्ञानिक स्थिति भी अलग होती है। ठगी का शिकार व्यक्ति स्वयं को अपराधी के सामने असहाय पाता है। पुलिस और साइबर क्राइम कार्यालयों के चक्कर लगाने के बाद भी जब उसे तकनीकी कारणों का हवाला देकर लौटा दिया जाता है, तो उसके भीतर व्यवस्था के प्रति गहरा अविश्वास जन्म लेता है। कई मामलों में यह देखा गया है कि शिकायत दर्ज करने की प्रक्रिया जटिल है, समुचित मार्गदर्शन नहीं मिलता, और समय पर कार्रवाई न होने से धन की रिकवरी असंभव हो जाती है। इससे यह धारणा बनती है कि डिजिटल अपराध का कोई वास्तविक दंड नहीं है। सरकार और न्यायपालिका ने समय-समय पर इस समस्या की गंभीरता को स्वीकार किया है। शीर्ष अदालत द्वारा ऑनलाइन धोखाधड़ी को आर्थिक सुरक्षा से जोड़कर देखना इस बात का संकेत है कि यह केवल व्यक्तिगत अपराध नहीं, बल्कि संगठित आर्थिक आक्रमण भी हो सकता है। किंतु नीति-निर्माण और क्रियान्वयन के बीच की दूरी अभी भी बनी हुई है। अनेक प्लेटफार्म और हेल्पलाइन स्थापित किए गए हैं, परंतु उनकी कार्यप्रणाली में त्वरित प्रतिक्रिया, पारदर्शिता और उत्तरदायित्व की कमी स्पष्ट दिखती है। यदि शिकायत के बाद प्रारंभिक ह्लगोल्डन ऑवरङ्क में ही बैंक खाते फ्रीज करने और ट्रांजैक्शन ट्रैक करने की प्रभावी व्यवस्था न हो, तो बाद की प्रक्रिया औपचारिकता बनकर रह जाती है। वित्तीय प्रणाली की दृष्टि से देखें तो डिजिटल धोखाधड़ी का बढ़ना निवेश, उपभोग और बैंकिंग व्यवहार पर भी प्रतिकूल प्रभाव डालता है। यदि आमजन को यह आशंका सताने लगे कि ऑनलाइन निवेश योजनाएँ या भुगतान सुरक्षित नहीं हैं, तो वह नकद लेन-देन की ओर लौट सकता है। यह प्रवृत्ति सरकार की कैशलेस अर्थव्यवस्था की नीति को कमजोर करेगी। इसके अतिरिक्त, विदेशी निवेशकों के लिए भी यह संकेत नकारात्मक हो सकता है कि साइबर सुरक्षा का ढांचा पर्याप्त सुदृढ़ नहीं है। अतः यह केवल कानून-व्यवस्था का विषय नहीं, बल्कि आर्थिक नीति का भी केंद्रीय प्रश्न है। समाधान के स्तर पर तुलनात्मक रूप से देखें तो विकसित देशों ने साइबर सुरक्षा को राष्ट्रीय सुरक्षा के दायरे में रखा है। वहाँ विशेषीकृत एजेंसियाँ, उच्च प्रशिक्षित तकनीकी विशेषज्ञ, त्वरित डेटा साझा करने की प्रणाली और सख्त दंडात्मक प्रावधान हैं। भारत में भी साइबर क्राइम ब्यूरो और डिजिटल सुरक्षा तंत्र मौजूद हैं, परंतु उनकी क्षमता, संसाधन और प्रशिक्षण को और अधिक सुदृढ़ बनाने की आवश्यकता है। स्थानीय पुलिस बल को केवल पारंपरिक अपराधों की नहीं, बल्कि डिजिटल फॉरेंसिक, ब्लॉकचेन ट्रैकिंग और डेटा विश्लेषण की भी विशेषज्ञता दी जानी चाहिए। जब तक जांच एजेंसियाँ तकनीकी रूप से अपराधियों से एक कदम आगे नहीं होंगी, तब तक रोकथाम कठिन रहेगी। एक महत्वपूर्ण पक्ष नागरिक जागरूकता का भी है। तकनीक जितनी उन्नत होती है, अपराधी भी उतने ही नए तरीके अपनाते हैं। अतः केवल सरकारी तंत्र पर निर्भर रहना पर्याप्त नहीं है। विद्यालयों, महाविद्यालयों और सामाजिक संगठनों के माध्यम से डिजिटल साक्षरता अभियान चलाना आवश्यक है, ताकि लोग संदिग्ध लिंक, कॉल और निवेश प्रस्तावों से सावधान रहें। किंतु यह भी ध्यान रखना होगा कि जागरूकता का दायित्व पीड़ित पर डालकर व्यवस्था अपनी जिम्मेदारी से मुक्त नहीं हो सकती। सुरक्षा का मूल दायित्व तंत्र का है, नागरिक का नहीं। भ्रष्टाचार और लापरवाही भी इस समस्या को जटिल बनाते हैं। यदि बैंक या भुगतान प्लेटफार्म समय पर कार्रवाई नहीं करते, या आंतरिक मिलीभगत से फर्जी खाते संचालित होते हैं, तो यह केवल तकनीकी त्रुटि नहीं, बल्कि संस्थागत विफलता है। इसलिए पारदर्शी ऑडिट प्रणाली, जवाबदेही और कठोर दंड अनिवार्य हैं। डिजिटल प्लेटफार्मों की केवाईसी प्रक्रिया को अधिक कठोर और वास्तविक बनाना होगा, ताकि फर्जी पहचान के माध्यम से खाते खोलना कठिन हो। अंततः डिजिटल क्रांति का उद्देश्य सुविधा, पारदर्शिता और समृद्धि है। यदि यही क्रांति भय, असुरक्षा और अविश्वास का कारण बनने लगे, तो उसका नैतिक औचित्य कमजोर पड़ जाएगा। भारत जैसे विशाल देश में डिजिटल परिवर्तन को रोकना संभव नहीं, और न ही यह वांछनीय है। किंतु इसे सुरक्षित और विश्वसनीय बनाना अनिवार्य है। सरकार को नीति, तकनीक और प्रशासन-तीनों स्तरों पर समन्वित रणनीति अपनानी होगी। साइबर अपराध के विरुद्ध त्वरित कार्रवाई, पीड़ितों को समयबद्ध राहत, जांच एजेंसियों का सशक्तीकरण और वित्तीय संस्थानों की जवाबदेही-ये सब मिलकर ही धोखाधड़ी मुक्त डिजिटल परिवेश का निर्माण कर सकते हैं। डिजिटल भारत की सफलता केवल ऐप्स और आंकड़ों से नहीं, बल्कि उस विश्वास से मापी जाएगी जो नागरिक अपने मोबाइल स्क्रीन पर उभरते हर ट्रांजैक्शन संदेश के साथ महसूस करता है। यदि यह विश्वास सुरक्षित रहा, तो डिजिटल क्रांति राष्ट्र को नई ऊँचाइयों पर ले जाएगीय यदि यह टूट गया, तो समृद्धि का सपना भी अधूरा रह जाएगा। अतः समय की मांग है कि डिजिटल धोखाधड़ी को एक राष्ट्रीय चुनौती मानकर उसके समाधान की दिशा में ठोस, निर्णायक और पारदर्शी कदम उठाए जाएँ, ताकि विकसित भारत की आधारशिला मजबूत और अडिग रह सके।

ग्राम चौपाल में जिला अधिकारी ने सुनी समस्याएं

फरवरी तक सड़क मरम्मत की दिए निर्देश

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

कौशाम्बी। जिलाधिकारी अमित पाल ने गांव की समस्या, गांव में समाधान अभियान के तहत विकास खंड सिराथू के ग्राम रघुनाथपुर में ग्राम चौपाल लगाकर ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों को त्वरित निस्तारण के निर्देश दिये।

जिलाधिकारी ने सहायक अभियंता लोक निर्माण विभाग को ग्राम तक आने वाले संपर्क मार्ग की मरम्मत का कार्य माह फरवरी तक पूर्ण कराने के निर्देश दिए। साथ ही सहायक अभियंता लघु सिंचाई को प्राथमिक विद्यालय में 19 पैरामीटर के अंतर्गत कराए गए कार्यों, निपुण तालिका, साफ-सफाई एवं डीबीटी आदि का सत्यापन कर आख्या प्रस्तुत करने को कहा। उन्होंने बीएमएम एवं खंड विकास अधिकारी को निर्देशित किया कि ग्राम की महिलाओं को स्वयं सहायता समूहों से जोड़ा जाए तथा उन्हें उत्कृष्ट कार्य के लिए प्रोत्साहित कर आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। जिलाधिकारी ने ग्रामीणों से पुष्टाहार, पेंशन, शौचालय, राशन, कन्या सुमंगला योजना एवं आवास योजनाओं के लाभ के संबंध में जानकारी ली और छूटे हुए पात्रों को शीघ्र लाभान्वित करने के निर्देश दिये। विद्यालय की व्यवस्था के संबंध में पूछे जाने पर ग्रामीणों ने बताया कि शिक्षक समय से आते हैं, मध्यान्ह भोजन की गुणवत्ता ठीक है तथा बच्चों को पाठ्य-पुस्तकें वितरित की जा चुकी हैं। स्वास्थ्य सुविधाओं पर ग्रामीणों ने संतोष जताते हुए बताया कि निकटवर्ती सामुदायिक/प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में पर्याप्त सुविधाएं मिल रही हैं। जिलाधिकारी ने मुख्य पशु चिकित्साधिकारी को पशुओं के नियमित टीकाकरण के निर्देश दिये तथा खंड विकास अधिकारी को सभी हैंडपंपों की क्रियाशीलता सुनिश्चित कराने को कहा। इस अवसर पर आयुष्मान भारत योजना के लाभार्थियों को आयुष्मान कार्ड वितरित किये गये। साथ ही गर्भवती महिलाओं की गोदभराई एवं बच्चों का अन्नप्राशन संस्कार भी संपन्न कराया गया। मुख्य विकास अधिकारी विनोद राम त्रिपाठी ने बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना के सर्वे में ग्राम के 132 लोग पात्र पाए गए हैं, जिन्हें शीघ्र लाभान्वित किया जायेगा।

ग्रामवासियों ने जल जीवन मिशन के अंतर्गत दिन में एक बार पानी आने की समस्या उठाई, जिस पर जिलाधिकारी ने जिला उद्यान अधिकारी को सत्यापन कर आख्या देने तथा सहायक अभियंता जल निगम को नियमानुसार पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। सहायक अभियंता ने आश्वस्त किया कि फरवरी माह तक पेयजल आपूर्ति सुचारू कर दी जायेगी। ग्राम चौपाल में मुख्य चिकित्साधिकारी, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी सहित अन्य विभागीय अधिकारियों ने भी योजनाओं की जानकारी देकर ग्रामीणों से अधिकाधिक लाभ उठाने की अपील की।

पत्नी को लेने जा रहे पति की सड़क दुर्घटना में हुई मौत

बांदा। पत्नी को लेने जा रहे पति की अज्ञात वाहन की टक्कर लगने से सड़क दुर्घटना में मौत हो गई वहीं मृतक पेशे से हलवाई था और वो कमासिन में पत्नी अपनी बहन के यहां थी जिसको लेने गई थी जहां पर रास्ते में ही सड़क दुर्घटना से मौत हो गई। मामला नगर कोतवाली के ग्राम पड़ुई का है जहां पर सिद्ध गोपाल का 40 वर्षीय पुत्र रामबाबू बुधवार को शाम को अपनी पत्नी अंकिता को लेने कमासिन जा रहा था तभी बबेरू के पास दिव्यांग विद्यालय के पास अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी जिससे घायल हो गया जहां पर पुलिस ने घायल अवस्था में मेडिकल कालेज भेज दिया जहां पर उपचार के दौरान मौत हो गई। वहीं मृतक के दो पुत्र और एक पुत्री है वहीं मृतक की पत्नी भी दिव्यांग है और मृतक के पास कोई भी जमीन नहीं है वहीं मृतक के घर में कोहराम मच गया है।

परीक्षा केंद्रों में सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय से पूरी की जायें: जिलाधिकारी

- डीएम ने यूपी बोर्ड परीक्षाओं के मद्देनजर अधिकारियों के साथ की बैठक

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बांदा। गुरुवार को जिलाधिकारी श्रीमती जे. रीभा की अध्यक्षता में मेडिकल कालेज सभागार में उत्तर प्रदेश की हाई स्कूल एवं इंटरमीडिएट परीक्षाओं को नकल विहीन एवं सुचितापूर्ण शांतिपूर्वक तरीके से संबंध करने के संबंध में बैठक संपन्न हुई। बैठक में जिलाधिकारी ने सभी केंद्र व्यवस्थापक को स्टेटिक मजिस्ट्रेट को निर्देश दिए की परीक्षा केंद्रों में सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सीसीटीवी कैमरा ,जनरेटर , प्रकाश की व्यवस्था ,शौचालय, पेयजल की व्यवस्था आदि समय से परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण करते हुए सुनिश्चित कराये। उन्होंने प्रश्न पत्रों की सुरक्षा के समुचित इंतजाम स्ट्रांग रूम में करने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्देश दिए की परीक्षा केन्द्रों में परीक्षा से पूर्व एक घंटा पहले स्टेटिक मजिस्ट्रेट एवं केंद्र व्यवस्थापक आवश्यक रूप से उपस्थित होकर परीक्षाओं को सकुशल संपन्न कराए। उन्होंने परीक्षा केन्द्रों में समुचित लाइट एवं प्रकाश की व्यवस्था की जाने के निर्देश केंद्र व्यवस्थापकों को दिए। उन्होंने परीक्षा के दौरान केंद्र व्यवस्था को एवं स्टेटिक मजिस्ट्रेट तथा सेक्टर मजिस्ट्रेट को सतर्क रहने एवं भ्रमण करने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्देशित किया कि प्रश्न पत्रों की गोपनीयता स्टेटिक मजिस्ट्रेट एवं केंद्र व्यवस्थापक आवश्यक रूप से सुनिश्चित करें। उन्होंने निर्देश दिए की परीक्षा केंद्र में कोई भी परीक्षार्थी मोबाइल फोन एवं इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस लेकर प्रवेश नहीं करेगा। बैठक में अपर जिलाधिकारी न्यायिक श्री माया शंकर ने कहा कि सभी परीक्षा केंद्रों में स्ट्रांग रूम बनाया जाएगा, जिसमें डबल लाक की चार अलमारियां प्रश्नपत्रों को सुरक्षित रखने हेतु रखी जाएंगी। परीक्षा के दौरान परीक्षार्थियों की सघन चेकिंग की जाएगी तथा महिला विद्यार्थियों की चेकिंग महिला पुलिस द्वारा ही की जाएगी। परीक्षा केंद्रों में अन्य विद्यालयों के परीक्षा निरीक्षक की तैनाती किए जाएंगे।

11 दिन बाद भी गिरफ्तारी नहीं, एएसपी का रवैया सवालों के घेरे में: शालिनी सिंह पटेल

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बांदा। बांदा जनपद की ग्राम पंचायत मुरवल (थाना बबेरू) में 10 वर्षीय मासूम सतवीर उर्फ सतु, पुत्र राकेश, की निर्मम हत्या को 11 दिन बीत चुके हैं, लेकिन अब तक आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं हुई है। आज जनता दल यूनाइटेड की प्रदेश उपाध्यक्ष एवं बुंदेलखंड प्रभारी शालिनी सिंह पटेल के नेतृत्व में पार्टी का प्रतिनिधिमंडल पीड़ित परिवार से मिलने पहुंचा, जिसमें प्रदेश सचिव महिला प्रकोष्ठ गरिमा सिंह पटेल, जिला अध्यक्ष महिला प्रकोष्ठ पिंकी प्रजापति सहित कई पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे। मृतक की मां श्रीमती कमलेश का रो-रोकर बुरा हाल है, घर का माहौल आज भी मातम और सन्नाटे में डूबा हुआ है, एक गरीब मजदूर परिवार का सहारा छिन गया और 11 दिन बाद भी न्याय की कोई ठोस कार्रवाई नजर नहीं आ रही। मुलाकात के बाद जब अपर पुलिस अधीक्षक, बांदा से फोन पर अब तक की कार्यवाही की जानकारी ली गई तो उनका रवैया अत्यंत असंतोषजनक और गैर-जिम्मेदाराना बताया गया, स्पष्ट जवाब देने के बजाय औपचारिक बातें की गईं, जिससे यह सवाल और गहरा गया कि आखिर देरी किस बात की है। शालिनी सिंह पटेल ने कहा कि यदि यही बच्चा किसी बड़े अधिकारी, बड़े नेता या संपन्न परिवार से होता तो 24 घंटे के भीतर गिरफ्तारी हो जाती, मंत्री-सांसद-विधायक परिवार से मिलने पहुंचते, तत्काल आर्थिक सहायता दी जाती और प्रशासन पूरी संवेदनशीलता के साथ सक्रिय दिखता, लेकिन अफसोस कि जिस बच्चे की हत्या हुई वह एक गरीब मजदूर का बेटा था। क्या न्याय भी अब अमीरी और गरीबी देखकर दिया जाएगा? क्या गरीब की पीड़ा की कोई कीमत नहीं? उन्होंने स्पष्ट कहा कि जनता दल यूनाइटेड इस न्याय की लड़ाई को पूरी मजबूती के साथ लड़ेगा और जब तक मासूम सतवीर को न्याय नहीं मिलता, तब तक आवाज उठाता रहेगा। कानून सबके लिए समान है और यही व्यवस्था की असली परीक्षा है।

रालोद कार्यालय में मनाई गई चौधरी अजीत सिंह की जयंती

बांदा। गुरूवार को राष्ट्रीय लोकदल जिला कार्यालय में सायरा बानो जिला अध्यक्ष की अध्यक्षता में पूर्व केन्द्रीय मंत्री स्वर्गीय चौधरी अजीत सिंह का जन्मोत्सव एवं 87 वीं जयंती श्रद्धा सम्मान और गरिमा के साथ मनाई गई इस अवसर पर वरिष्ठ आरएलडी नेता सायरा बानो जी ने चित्र पर पुष्प अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी और उनके विचारों एवं आदर्श को जन जन तक पहुंचाने का संकल्प दोहराया अपने संबोधन में सायरा बानो जी ने कहा कि चौधरी अजीत सिंह का किसान हितैषी दृष्टिकोण सामाजिक न्याय के प्रतीक अटूट समर्पण एवं संघर्ष पूर्ण जीवन हम सभी के लिए प्रेरणा स्रोत है उन्होंने कहा कि चौधरी साहब का पूरा जीवन किसानों मजदूरों और वंचित वर्गों के अधिकारों की की लड़ाई को समर्पित रहा उनके सिद्धांत और विचार आज भी पार्टी के कार्यकर्ताओं का मार्गदर्शन कर रहे है कार्यक्रम में उपस्थित राष्ट्रीय लोकदल के पदाधिकारी जिला महासचिव अब्दुल लतीफ एवं जिला प्रमुख सचिव उषा सिंह एवं जिला उपाध्यक्ष इमामुद्दीन उर्फ मक्खन एवं जिला प्रवक्ता राजाराम एवं ताहिर मोहम्मद उपस्थित रहे।

अधिवक्ता संघ के चुनाव में कई ने किया नामांकन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

अतर्रा/बांदा। अधिवक्ता संघ के दूसरे गुटके हो रहे चुनाव के नामांकन के अंतिम दिन अध्यक्ष सहित विभिन्न पदों पर 12 प्रत्याशियों ने अपने-अपने समर्थकों के साथ नामांकन दाखिल किया अध्यक्ष व महासचिव में दो दो प्रत्याशी होने से दोनों पदों पर मुकाबला दिख रहा है वहीं अन्य पदों पर एक-एक प्रत्याशी का पर्चा दाखिल होने से निर्विरोध चुनाव तय हो गया है।

अधिवक्ता संघ नामांकन के दूसरे दिन निर्वाचन अधिकारी राजेंद्र गुप्ता ने बताया कि अध्यक्ष महासचिव सहित विभिन्न पदों के लिए कुल 12 पर्चे बिके जिसमें अध्यक्ष पद पर अमर बाबू सचदेव व पूर्व अध्यक्ष अमर सिंह राठौड़ ने अपने-अपने समर्थकों के साथ पर्चा दाखिल किया महासचिव पद पर सूरज बाजपेई व लखन मिश्रा ने पर्चा दाखिल किया इसी प्रकार वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर संतोष कुमार गुप्ता कनिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर आशीष कुमार शुक्ला धीरेंद्र सिंह संयुक्त सचिव पुस्तकालय पर संजय कुमार श्रीवास वरिष्ठ सदस्य पर सधारी प्रसाद वर्मा संतोष कुमार द्विवेदी शिव भवन कुशवाहा अवधेश कुमार तिवारी ने नामांकन दाखिल किया निर्वाचन अधिकारी श्री गुप्ता ने बताया कि कल नामांकन पत्रों की जांच व नामांकन वापसी का दिन है बताते चले की अध्यक्ष और महासचिव पद पर दो-दो प्रत्याशी होने पर चुनाव होता दिख रहा है जबकि अन्य पदों पर एक-

जगतगुरु शंकराचार्य गोवर्धन पुरी ने भगवान नीलकंठ की पूजा अर्चना की

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

कालिंजर/बांदा। पौराणिक एवं ऐतिहासिक दुर्ग कालिंजर में आज जगतगुरु शंकराचार्य गोवर्धन पुरी पीठाधीश्वर अधोछजानंद जी ने भगवान नीलकंठ महादेव जी की पूजा अर्चना किया नीलकंठ मंदिर के राजपुरोहित आचार्य पंडित दिनेश मिश्रा ने वैदिक रीति रिवाज से भगवान नीलकंठ महादेव जी का पूजा करवाई। शंकराचार्य जी का स्वागत नीलकंठ मंदिर के राजपुरोहित आचार्य दिनेश मिश्रा एवं साथ में पुजारी मंगल सिंह पंकज सुल्लेरे, कोमल कुशवाहा रामसेवक कुशवाहा शिवांक मिश्रा ने मंदिर परिसर पर शंकराचार्य जी का जोरदार स्वागत किया गया जगतगुरु शंकराचार्य जी ने कहा कि यह दुर्ग ऐतिहासिक तो है ही लेकिन पौराणिक भी है इसका लेख पुराणों में जिसमें शिव पुराण में इसका उल्लेख है और कहां की यहां पर जो रामायण पाठ और हवन बेदी जो बंद की गई है इस पर भी नाराजगी

नेदुआ बड़ैछा: यूपी के पट्टे पर एमपी की सीमा तक हो रहा अवैध खनन

बांदा। प्रशासन की कयावयादों पर खनन माफिया लगातार पानी फ़ेरते नजर आ रहे हैं। वैध पट्टे की आड़ में सत्ता के रसूख के आगे सारे-नियम कायदे बौने साबित हो रहे हैं। ऐसा ही एक मामला नरैनी तहसील क्षेत्र के रंज नदी में संचालित नेदुआ बडैछा खदान का सामने आया है। जहां पट्टा धारक जय महाकाल कंपनी ने अपने रसूख के बल पर सारे नियम कायदों धज्जियां उड़ाते हुए यूपी के पट्टे में एमपी तक अवैध खनन कर डाला। ग्रामीणों के विरोध और शिकायतों के बाद हरकत में आये दो प्रांतों के प्रशासन ने खनिज विभाग के टीमों के साथ प्रशासनिक अफसरों ने खदान में छापेमारी कर सीमांकन कराया। अफसरों के जाने के बाद फिर से खदान अवैध खनन चालू को गया। जो थमने का नाम ही नहीं ले रहा है। जानकारी के अनुसार नरैनी की भाजपा विधायक ओममणि वर्मा ने भी ग्रामीणों और किसानों की शिकायत के बाद जिम्मेदार अधिकारियों से शिकायत की थी।

डोर-टू-डोर अभियान के अंतर्गत नपा ने किया कूड़ेदान का वितरण

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बांदा। स्वच्छ भारत मिशन के अन्तर्गत आयोजित स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 में नगर पालिका परिषद बांदा को प्रथम पायदान पर लाने के लिये जिलाधिकारी महोदया बांदा के निर्देश पर आज को अध्यक्ष श्रीमती मालती गुप्ता बासू की अध्यक्षता एवं प्रभागीय वनाधिकारी अरबिन्द कुमार के मुख्य अतिथ्यि में स्वच्छता गोष्ठी एवं हरे-नीले कूड़ेदान के वितरण का कार्यक्रम वार्ड सं0-01 बिजली खेड़ा स्थित जंगल दफ्तर कालोनी के रहवासियों की उपस्थिति में आयोजित किया गया। जिसमें मुख्य रूप से अधिशाषी अधिकारी श्रीचन्द्र नगर पालिका परिषद, बाँदा द्वारा डोर-टू-डोर अभियान के अंतर्गत गीले एवं सूखे कचरे को पृथक-पृथक करने हेतु वार्ड के समस्त नगर वासियों को हरा एवं नीला बाल्टी वितरण किया गया तथा नागरिको से यह अपील की गयी कि कूडेदान का शत-प्रतिशत उपयोग कर कूड़े को नगर पालिका के वाहन में ही डाले एवं शहर को स्वच्छ एवं सुन्दर बनाने में नगर पालिका परिषद बांदा का सहयोग करें। श्री अभिषेक खरे जिला कार्यक्रम स्वच्छ भारत मिशन द्वारा अभियान के मूल उद्देश्य कचरा पृथक्करण हेतु नागरिको को जागरूक कर नगर को स्वच्छ, सुंदर एवं स्वस्थ्य बनाने हेतु प्रेरित किया गया। कार्यक्रम के दौरान एस0डी0ओ0 अभिनव सिंह, सफाई एवं खाद्य निरीक्षक देवेन्द्र कुमार, खाद्य एवं सफाई निरीक्षक हेमन्त प्रसाद, वार्ड प्रतिनिधि विनय प्रजापति, केदारनाथ प्रधान लिपिक सहित वार्ड के निवासी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहें।

मुफ्त नेत्र शिविर: रोशनी की नई उम्मीद, चौथे कैंप में फिर सफल

- विधायक पंकज गुप्ता बोले–जनसेवा का संकल्प आगे भी रहेगा जारी

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

उन्नाव। शहर में निःशुल्क मोतियाबिंद ऑपरेशन शिविर का आयोजन कर जरूरतमंदों को नई रोशनी देने का प्रयास किया गया। शिविर में बड़ी संख्या में मरीजों ने पंजीकरण कर जांच व उपचार का लाभ उठाया। यह इस श्रृंखला का चौथा शिविर था, जिसमें एक बार फिर कई मरीजों के सफल ऑपरेशन किए गए।

शिविर का शुभारंभ करते हुए विधायक पंकज गुप्ता ने कहा कि जनसेवा उनका प्रमुख लक्ष्य है और क्षेत्र की जनता के सहयोग से ही ऐसे जनहितकारी कार्य संभव हो पाते हैं। उन्होंने कहा कि आम जनमानस ने उन्हें सेवा का अवसर दिया है, जिसके लिए वे हृदय से आभारी हैं। विधायक ने बताया कि विकास कार्यों के साथ-साथ सामाजिक और आध्यात्मिक गतिविधियों पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। उन्होंने कुंभ यात्रा, अयोध्या यात्रा, मंदिरों के जीर्णोद्धार तथा गंगाघाट पर बन रहे आरती स्थल का उल्लेख करते हुए कहा कि ये पहल क्षेत्र की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक पहचान को सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं।

हर महीने की 12 तारीख को लगेगा शिविर-विधायक ने बताया कि आर्थिक अभाव के कारण कई जरूरतमंद लोग आंखों से संबंधित बीमारियों, विशेषकर मोतियाबिंद का इलाज नहीं करा पाते। इसी समस्या को ध्यान में रखते हुए साईं हॉस्पिटल के चिकित्सकों और हनुमंत जीव आश्रय के प्रबंधक अखिलेश अवस्थी से विचार-विमर्श के बाद प्रत्येक माह की 12 तारीख को निःशुल्क आई कैंप आयोजित करने का निर्णय लिया गया है। अब तक 90 मरीजों का हुआ सफल ऑपरेशन- उन्होंने जानकारी दी कि अब तक आयोजित तीन शिविरों में कुल 90 मरीजों का सफल मोतियाबिंद ऑपरेशन किया जा चुका है। इसके अलावा लगभग 150 लोगों को चश्मे, दवाएं और आवश्यक चिकित्सा किट प्रदान कर लाभान्वित किया गया है। चौथे शिविर में भी कई मरीजों की जांच कर ऑपरेशन किए गए। विधायक ने आश्वस्त किया कि यह सुविधा केवल विधानसभा क्षेत्र तक सीमित नहीं है, बल्कि जनपद के किसी भी कोने से आने वाले जरूरतमंद लोग इसका लाभ उठा सकते हैं। उन्होंने अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा कि यह सेवा अभियान निरंतर जारी रहेगा। बड़ी संख्या में जुटे मरीज और जनप्रतिनिधि- शिविर में सभासद बृजेश पाण्डेय, मंडल अध्यक्ष अवनीश गुप्ता, अतुल, प्रदीप सिंह, पवन सिंह, मोना पाण्डेय, राधेश्याम शुक्ला, जीएस भदौरिया, संतोष पाल समेत समस्त चिकित्सक एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे। आयोजन समिति ने बताया कि भविष्य में भी नियमित रूप से ऐसे शिविर लगाए जाएंगे, ताकि जरूरतमंदों को समय पर और निःशुल्क उपचार उपलब्ध कराया जा सके।

यात्रीगण कृपया ध्यान दें!

होली विशेष रेलगाड़ियाँ – 2026

रेलयात्रियों को सूचित किया जाता है कि होली त्यौहार के दौरान रेलयात्रियों के सुविधाजनक आवागमन हेतु निम्नलिखित होली त्यौहार विशेष रेलगाड़ियों का संचालन निम्न समय-सारणी के अनुसार किया जायेगा:-

रेलगाड़ी सं. 02275/02276 एवं 02421/02422 सूबेदारगंज – शकूरबस्ती – सूबेदारगंज होली विशेष रेलगाड़ी (साप्ताहिक) — 20 फेरे

गाड़ी सं. 02275/02421 आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	गाड़ी सं. 02276/02422 आगमन	प्रस्थान
---	21:35	सूबेदारगंज	04:00	---
10:15	---	शकूरबस्ती	---	13:00

चलने के दिन: 02275 सूबेदारगंज से प्रत्येक मंगलवार को दिनांक 03.03.2026 से 31.03.2026 तक और 02276 शकूरबस्ती से प्रत्येक बुधवार को दिनांक 04.03.2026 से 01.04.2026 तक।
02421 सूबेदारगंज से प्रत्येक रविवार को दिनांक 01.03.2026 से 29.03.2026 तक और 02422 शकूरबस्ती से प्रत्येक सोमवार को दिनांक 02.03.2026 से 30.03.2026 तक।
ठहराव: फतेहपुर, गोविंदपुरी, इटावा, टूण्डला, अलीगढ़, गाजियाबाद जं. एवं दिल्ली जं. स्टेशन।
संरचना: प्रथम वाता., 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., 3 टियर वाता. इकोनॉमी, शयनयान एवं सामान्य श्रेणी।

रेलगाड़ी सं. 01705/01706 जबलपुर – अयोध्या धाम जं. – जबलपुर होली विशेष रेलगाड़ी (साप्ताहिक) — 04 फेरे

गाड़ी सं. 01705 आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	गाड़ी सं. 01706 आगमन	प्रस्थान
---	19:40	जबलपुर	06:45	---
07:05	07:15	वाराणसी	17:10	17:20
11:25	---	अयोध्या धाम जं.	---	13:30

चलने के दिन: 01705 जबलपुर से मंगलवार दिनांक 03.03.2026 एवं 10.03.2026 को और 01706 अयोध्या धाम जं. से बुधवार दिनांक 04.03.2026 एवं 11.03.2026 को।
ठहराव: सिहोरा रोड, कटनी, मैहर, सतना, मानिकपुर, प्रयागराज छिवकी, मिर्जापुर, वाराणसी एवं जौनपुर जं. स्टेशन।
संरचना: 2 टियर वाता., 3 टियर वाता. एवं शयनयान श्रेणी।

रेलगाड़ी सं. 01701/01702 जबलपुर – हज़रत निज़ामुद्दीन – जबलपुर होली विशेष रेलगाड़ी (साप्ताहिक) — 04 फेरे

गाड़ी सं. 01701 आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	गाड़ी सं. 01702 आगमन	प्रस्थान
---	20:20	जबलपुर	09:30	---
14:25	---	हज़रत निज़ामुद्दीन	---	15:45

चलने के दिन: 01701 जबलपुर से सोमवार दिनांक 02.03.2026 एवं 09.03.2026 को और 01702 हज़रत निज़ामुद्दीन से मंगलवार दिनांक 03.03.2026 एवं 10.03.2026 को।
ठहराव: कटनी मुड़वारा, दमोह, सागर, वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी जं., ग्वालियर जं., आगरा छावनी, मथुरा जं. एवं कोसी कलाँ स्टेशन।
संरचना: प्रथम वाता., 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य श्रेणी।

रेलगाड़ी सं. 05005/05006 बढ़नी – अमृतसर – बढ़नी होली विशेष रेलगाड़ी (साप्ताहिक) — 08 फेरे

गाड़ी सं. 05005 आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	गाड़ी सं. 05006 आगमन	प्रस्थान
---	15:10	बढ़नी	08:15	---
09:30	---	अमृतसर	---	12:45

चलने के दिन: 05005 बढ़नी से प्रत्येक बुधवार को दिनांक 04.03.2026 से 25.03.2026 तक और 05006 अमृतसर से प्रत्येक गुरुवार दिनांक 05.03.2026 से 26.03.2026 तक।
ठहराव: तुलसीपुर, बलरामपुर, गोंडा जं., बुढ़वल, सीतापुर जं., बरेली, मुरादाबाद जं., सहारनपुर जं., यमुनानगर जगाधरी, अंबाला छावनी, ढंडारी कलां, जालंधर शहर एवं ब्यास स्टेशन।
संरचना: शयनयान एवं सामान्य श्रेणी।

रेलगाड़ी सं. 05023/05024 गोमती नगर – खातीपुरा – गोमती नगर होली विशेष रेलगाड़ी (साप्ताहिक) — 08 फेरे

गाड़ी सं. 05023 आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	गाड़ी सं. 05024 आगमन	प्रस्थान
---	23:55	गोमती नगर	11:45	---
12:10	12:20	दिल्ली जं.	00:25	00:35
17:30	---	खातीपुरा	---	18:50

चलने के दिन: 05023 गोमती नगर से प्रत्येक मंगलवार को दिनांक 03.03.2026 से 24.03.2026 तक और 05024 खातीपुरा से प्रत्येक बुधवार को दिनांक 04.03.2026 से 25.03.2026 तक।
ठहराव: बादशाह नगर, शाहजहांपुर, सीतापुर जं., बरेली, मुरादाबाद जं., गाजियाबाद जं., दिल्ली जं., दिल्ली छावनी, गुड़गांव, रेवाड़ी, अलवर एवं बांदीकुई स्टेशन।
संरचना: 2 टियर वाता., 3 टियर वाता. एवं शयनयान एवं सामान्य श्रेणी।

रेलगाड़ी सं. 05045/05046 लालकुआं – राजकोट – लालकुआं होली विशेष रेलगाड़ी (साप्ताहिक) — 10 फेरे

गाड़ी सं. 05045 आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	गाड़ी सं. 05046 आगमन	प्रस्थान
---	12:35	लालकुआं	05:15	---
14:45	14:50	बरेली जं.	02:50	02:55
18:10	---	राजकोट	---	22:30

चलने के दिन: 05045 लालकुआं से प्रत्येक रविवार को दिनांक 01.03.2026 से 29.03.2026 तक और 05046 राजकोट से प्रत्येक सोमवार को दिनांक 02.03.2026 से 30.03.2026 तक।
ठहराव: किच्छा, बहेड़ी, भोजीपुरा, इज्जतनगर, बरेली सिटी, बरेली जं., बदायूं, सोरों शूकर क्षेत्र, कासगंज, हाथरस सिटी, मथुरा छावनी, मथुरा जं., भरतपुर, दौसा, जयपुर जं., फुलेरा, नावा सिटी, कुचामन सिटी, मकराना जं., डेगाना जं., मेड़ता रोड जं., गोटन, जोधपुर जं., लूनी, समदड़ी जं., मोकलसर, जालोर, मोदरान, मारवाड़ भीनमाल, रानीवाड़ा, धनेरा, भीलड़ी जं., पाटन, महेसाणा जं., वीरमगाम जं., सुरेंद्रनगर एवं वांकानेर जं. स्टेशन।
संरचना: 2 टियर वाता., 3 टियर वाता. एवं शयनयान एवं सामान्य श्रेणी।

रेलगाड़ी सं. 05301/05302 मऊ – अंबाला छावनी – मऊ होली विशेष रेलगाड़ी (साप्ताहिक) — 08 फेरे

गाड़ी सं. 05301 आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	गाड़ी सं. 05302 आगमन	प्रस्थान
---	04:00	मऊ	23:00	---
20:20	20:30	दिल्ली जं.	05:00	05:10
00:30	---	अंबाला छावनी	---	01:40

चलने के दिन: 05301 मऊ से प्रत्येक गुरुवार को दिनांक 05.03.2026 से 26.03.2026 तक और 05302 अंबाला छावनी से प्रत्येक शुक्रवार को दिनांक 06.03.2026 से 27.03.2026 तक।
ठहराव: बेलथरा रोड, भटनी जं., देवरिया सदर, गोरखपुर जं., खलीलाबाद, बस्ती, मनकापुर जं., गोंडा जं., बुढ़वल जं., सीतापुर जं., बरेली जं., मुरादाबाद जं., गाजियाबाद जं., दिल्ली जं., सोनीपत एवं पानीपत जं. स्टेशन।
संरचना: प्रथम वाता., 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., 3 टियर वाता. इकोनॉमी, शयनयान एवं सामान्य श्रेणी।

रेलयात्रियों से अनुरोध है किसी भी जानकारी के लिए कृपया रेलमदद हेल्पलाइन नं. 139 पर सम्पर्क करें अथवा रेलवे की वेबसाइट https://enquiry.indianrail.gov.in अथवा NTES ऐप देखें।

उत्तर रेलवे
आपकी सुविधा–हमारा ध्येय
www.nr.indianrailways.gov.in
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

महाशिवरात्रि : छोटी काशी कॉरिडोर में चाक-चौबंद सुरक्षा, आयुक्त-आईजी ने परखी व्यवस्थाएं

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखीमपुर खीरी। महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर छोटी काशी गोला गोकर्णनाथ कॉरिडोर में उमड़ने वाली भारी भीड़ को देखते हुए जिला प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड पर है। श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से गुरुवार को लखनऊ मंडल के आयुक्त विजय विश्वास पंत एवं आईजी लखनऊ रेंज किरण एस ने गोला गोकर्णनाथ पहुंचकर तैयारियों का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान आयुक्त एवं आईजी ने जिलाधिकारी दुर्गा शक्ति नागपाल, पुलिस अधीक्षक डॉ. ख्याति गर्ग, मुख्य विकास अधिकारी अभिषेक कुमार, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. संतोष गुप्ता, अपर जिलाधिकारी नरेंद्र बहादुर सिंह सहित अन्य अधिकारियों के साथ कॉरिडोर क्षेत्र का पैदल भ्रमण कर व्यवस्थाओं का बारीकी से जायजा लिया। पार्किंग, बैरिकेडिंग, यातायात व्यवस्था, सुरक्षा प्रबंध, साफ-सफाई, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था और चिकित्सा सुविधाओं की समीक्षा की गई। अधिकारियों ने नक्शे के माध्यम से रूट प्लान देखा और मौके पर सीसीटीवी कंट्रोल रूम, खोया-पाया केंद्र तथा मेडिकल शिविर स्थल का भी निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान विद्युत पोल पर लटकते तारों को तत्काल ठीक कराने और विद्युत सुरक्षा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। जिला पूर्ति अधिकारी को मंदिर मार्गों पर गैस सिलेंडर खुले में न रखने तथा अवैध रिफिलिंग पर सख्त रोक लगाने के

कमिश्नर ने जताया संतोष, डीएम-एसपी व चेयरमैन की सराहना

निर्देश दिए गए। नगर पंचायत को नालियों की सफाई, ओवर ट्रीटमेंट और शिवरात्रि की रात्रि में समुचित पथ प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा गया। साथ ही सभी स्ट्रीट लाइटों को क्रियाशील रखने के निर्देश दिए गए। एंबुलेंस, दमकल वाहन, पेयजल व्यवस्था और मोबाइल शौचालयों की उपलब्धता की भी जानकारी ली गई। अधिकारियों ने जिला प्रशासन की तैयारियों पर संतोष जताया। नीलकंठ मैदान में समीक्षा बैठक, अधिकारियों को सख्त निर्देश इसके पश्चात आयुक्त एवं आईजी ने नीलकंठ मैदान में अधिकारियों, वॉलिंटियर्स और मंदिर प्रबंधन के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में डीएम, एसपी, सीडीओ, एडीएम, एसडीएम, सीओ तथा ड्यूटी में तैनात मजिस्ट्रेट उपस्थित रहे। बैठक में मजिस्ट्रेट ड्यूटी एवं अन्य व्यवस्थाओं में लगे अधिकारियों से उनके दायित्वों की जानकारी लेकर स्पष्ट निर्देश दिए गए कि अपने-अपने सेक्टर में सतत निगरानी रखें और किसी भी स्तर पर लापरवाही न हो। विद्युत विभाग को निर्देशित किया गया कि शिवरात्रि के दिन बिजली ट्रिपिंग की समस्या न आए और किसी भी फॉल्ट को तत्काल ठीक किया जाए। आयुक्त विजय विश्वास पंत ने कहा कि श्रद्धालुओं की सुविधा शासन-प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। डीएम और एसपी के नेतृत्व में की गई तैयारियों की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि इस बार महाशिवरात्रि पर बेहतर प्रबंधन के लिए व्यापक स्तर पर प्लानिंग की गई है। उन्होंने नगर पंचायत अध्यक्ष विजय शुक्ल 'रिंकू' एवं युवा वॉलिंटियर्स की सक्रिय भागीदारी की भी प्रशंसा की। आईजी रेंज किरण एस ने कहा कि पर्व को सकुशल संपन्न कराने के लिए सुरक्षा के साथ विश्वास भी आवश्यक है। श्रद्धालुओं के साथ मधुर व्यवहार सुनिश्चित किया जाए। पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती रहेगी तथा आवश्यकता अनुसार ट्रैफिक डायवर्जन और नो-व्हीकल जोन लागू किए जाएंगे।

अंत में नगर पंचायत अध्यक्ष विजय शुक्ल 'रिंकू' ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया। बैठक में मंदिर समिति अध्यक्ष जनार्दन गिरी, एसएसपी पश्चिमी अमित राय, एसडीएम प्रतीक्षा त्रिपाठी, सीओ रमेश कुमार तिवारी सहित बड़ी संख्या में अधिकारी एवं वॉलिंटियर्स उपस्थित रहे।

बांकेगंज-कुकरा मार्ग पर नंगा बिजली पोल बना जानलेवा खतरा, बड़ी घटना की आशंका

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

कुकरा खीरी। बांकेगंज-कुकरा रोड पर हाइडिल के निकट सड़क से सटा एक पुराना और निष्प्रयोज्य लोहे का बिजली पोल राहगीरों के लिए गंभीर खतरा बना हुआ है। इस पोल में कोई तार भी नहीं लगे हैं, इसके बावजूद वर्षों से यह सड़क किनारे खड़ा है। सड़क का निर्माण और चौड़ीकरण हो जाने के बाद भी जिम्मेदार विभागों की इस ओर कोई नजर नहीं पड़ी है। स्थानीय लोगों के अनुसार आए दिन वाहन इस पोल से टकरा जाते हैं, जिससे वाहन क्षतिग्रस्त होने के साथ-साथ राहगीर भी घायल होते रहते हैं। हाइडिल के नजदीक होने के बावजूद बिजली विभाग के अधिकारी इस गंभीर समस्या से अंजान बने हुए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि यह मार्ग पहले से ही दुर्घटनाओं के लिए कुख्यात है। सड़क बनने के बाद से अब तक दर्जनों लोगों की जान जा चुकी है। कुछ दिन पहले इसी मार्ग पर सेमल का पेड़ भी बाधा बना हुआ था, वहीं अब उसकी जड़ के स्थान पर बना गहरा गड्ढा भी मौत को दावत दे रहा है। गुलाब नगर निवासी इरफान, फैज खान, प्रधान संघ अध्यक्ष हरजिंदर सिंह, रिजवान अंसारी, परवेज, दानिश, खालिद, यूसुफ, रऊफ अंसारी, मनोज कुमार, संतोष कुमार, उपदेश कुमार, गौरव सहित दर्जनों लोगों ने बिजली विभाग के अधिकारियों से कई बार इस निष्प्रयोज्य पोल को हटाने की मांग की है, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं की गई। स्थानीय लोगों में आक्रोश है और उनका कहना है कि यदि जल्द ही इस पोल और सड़क की अन्य बाधाओं को नहीं हटाया गया, तो किसी बड़ी दुर्घटना से इनकार नहीं किया जा सकता।

विद्या निकेतन इंटर कॉलेज में इंटरमीडिएट छात्र-छात्राओं का विदाई समारोह संपन्न

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गोला गोकर्णनाथ खीरी। स्थानीय विद्यालय विद्या कुँवरी स्मारक सरस्वती विद्या निकेतन इंटर कॉलेज के सभागार में इंटरमीडिएट कक्षा के छात्रऽछात्राओं के सम्मान में भव्य विदाई समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन कक्षा 11 के विद्यार्थियों द्वारा किया गया, जिसमें भावनात्मक वातावरण के बीच सीनियर विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाओं के साथ विदाई दी गई।

कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती के चित्र के अनावरण, पुष्पार्चन एवं वंदना के साथ हुआ। इसके पश्चात प्रांजलि, पीहू, अंशिका जायसवाल, शीतल वर्मा, उत्कर्ष मिश्रा, अंश शुक्ला सहित अन्य छात्रऽछात्राओं ने अपने विचार व्यक्त करते हुए इंटरमीडिएट विद्यार्थियों को निरंतर नई ऊँचाइयों को छूने और अपनी उपलब्धियों से विद्यालय का नाम रोशन करने के लिए प्रेरित किया। विद्यालय की बालिका विभाग की प्राचार्या श्रीमती मधु त्रिपाठी ने अपने प्रेरणादायी उद्बोधन में कहा कि विद्यार्थी अपने अध्यापकों के कार्यों का विषय, उनके विचारों का लक्ष्य और उनके प्रयासों का प्रतिबिंब होते हैं। उन्होंने कहा कि यद्यपि विद्यालय ने विद्यार्थियों को शिक्षा प्रदान की है, लेकिन शिक्षकों ने भी छात्रों से बहुत कुछ सीखा है। बारह वर्षों का यह शैक्षिक सफर विद्यार्थियों की बेहतर भविष्य की दृढ़ इच्छाशक्ति के कारण अत्यंत शीघ्र बीत गया। विद्यालय के वरिष्ठ शिक्षक श्री कौशल किशोर मिश्रा ने परीक्षा केंद्र पर पहुँचने से पूर्व आवश्यक सावधानियों, समय पर उपस्थिति तथा परीक्षा के दौरान ध्यान रखने योग्य महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तार से प्रकाश डाला। विद्यालय के प्राचार्य श्री महेंद्र कुमार त्रिपाठी ने छात्रऽछात्राओं को परीक्षा में उत्कृष्ट अंक प्राप्त कर उज्ज्वल भविष्य सुनिश्चित करने के लिए सुनियोजित अध्ययन, नियमित पुनरावृत्ति (रिवीजन) तथा लिखकर अभ्यास करने के महत्व को बताया। उन्होंने कहा कि सार्थक लक्ष्य निर्धारित कर अनुशासित ढंग से आगे बढ़ना ही भविष्य की सफलता की मजबूत नींव है समारोह के अंत में विद्यार्थियों को शुभकामनाओं के साथ भावभीनी विदाई दी गई।

विधान परिषद में उठी रोडवेज बस स्टैंड की मांग

मैलानी खीरी। नगर पंचायत मैलानी के विकास की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल करते हुए प्रदेश महामंत्री, भारतीय जनता पार्टी एवं विधान परिषद सदस्य श्री अनूप गुप्ता ने आज विधान परिषद में मैलानी नगर पंचायत में रोडवेज बस स्टैंड की मांग को मजबूती से उठाया। इस जनहितकारी कदम पर नगर पंचायत अध्यक्ष श्रीमती कीर्ति माहेश्वरी सहित नगर पंचायत मैलानी की समस्त जनता एवं क्षेत्रवासियों ने उनका हार्दिक आभार एवं धन्यवाद व्यक्त किया है। उल्लेखनीय है कि कुछ दिन पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष श्रीमती कीर्ति माहेश्वरी द्वारा इस संबंध में अनूप गुप्ता को एक पत्र सौंपा गया था। पत्र में मैलानी क्षेत्र में रोडवेज बस स्टैंड की आवश्यकता को प्रमुखता से रखते हुए आमजन को हो रही असुविधाओं से अवगत कराया गया था। इस पर तत्परता दिखाते हुए अनूप गुप्ता ने विषय को गंभीरता से संज्ञान में लिया और विधान परिषद के सदन में इस महत्वपूर्ण जनहित की मांग को उठाया।

पुलिस ने चार वारंटियों को किया गिरफ्तार, न्यायालय में किया पेश

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गोला गोकर्णनाथ खीरी। थाना हैदराबाद पुलिस ने लंबित वारंटों के निष्पादन के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत बड़ी सफलता हासिल करते हुए चार वारंटी अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई थानाध्यक्ष सुनील मलिक के नेतृत्व में दिनांक 12 फरवरी 2026 को की गई। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार किए गए अभियुक्तों में दीपू उर्फ दिनेश कुमार निवासी ग्राम जडौरा, थाना हैदराबाद, जनपद खीरी (मुकदमा संख्या 267/15, धारा 279/338/427 भादवि, थाना नीमगांव, संबंधित न्यायालय अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट लखीमपुर खीरी),

रियाज पुत्र रोज अली निवासी ग्राम दतेली, थाना हैदराबाद (मुकदमा संख्या 246/25 व 063/13, धारा 498ए/ 323/504/506 भादवि एवं 3/4 डी.पी. एक्ट, संबंधित न्यायालय सीजे (सी.डी.) एफटीसी (सी.ए.डब्ल्यू.) खीरी),

जस्सू उर्फ भोला पुत्र प्यारेलाल निवासी ग्राम अजान, थाना हैदराबाद (मुकदमा संख्या 13423/23, धारा 60 आबकारी अधिनियम, संबंधित न्यायालय मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी लखीमपुर खीरी) तथा मुकेश पुत्र भंगड़ कंजड़ निवासी ग्राम अजान, थाना हैदराबाद (मुकदमा संख्या 1542/17 व 141/8, धारा 323/ 504/506 भादवि, संबंधित न्यायालय सिविल जज (कनिष्ठ प्रभाग) एफटीसी लखीमपुर खीरी) शामिल हैं। पुलिस ने सभी अभियुक्तों को उनके संबंधित वारंटों के आधार पर गिरफ्तार कर आवश्यक विधिक कार्रवाई के उपरांत न्यायालय, लखीमपुर खीरी के समक्ष पेश किया।

गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में उप निरीक्षक खेमेन्द्र कुमार, चौकी प्रभारी अजान अशोक कुमार सिंह, उप निरीक्षक अशोक कुमार सिंह, आरक्षी संजीव यादव, सुरेश कुमार, रवि कुमार एवं अंकुश कुमार थाना हैदराबाद, जनपद खीरी शामिल रहे।

महाशिवरात्रि को लेकर नानामऊ घाट का अधिकारियों ने किया निरीक्षण

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बांगरमऊ। आगामी महाशिवरात्रि पर्व के दृष्टिगत गुरुवार को उपजिलाधिकारी बृजमोहन शुक्ला, क्षेत्राधिकारी संतोष कुमार एवं बांगरमऊ कोतवाली प्रभारी अखिलेश चंद्र पांडेय ने गंगा नदी पर स्थित नानामऊ घाट का स्थलीय निरीक्षण कर तैयारियों का जायजा लिया। अधिकारियों ने श्रद्धालुओं की सुरक्षा एवं सुव्यवस्थित आयोजन को सर्वोच्च प्राथमिकता बताते हुए संबंधित विभागों को आवश्यक निर्देश दिए।निरीक्षण के दौरान घाट परिसर, स्नान स्थल, बैरिकेडिंग, प्रकाश व्यवस्था, पार्किंग स्थल, यातायात प्रबंधन, गोताखोर व नाविकों की तैनाती, सुरक्षा ड्यूटी प्वाइंट तथा भीड़ नियंत्रण की व्यवस्थाओं को विस्तार से परखा गया। अधिकारियों ने घाट पर पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित करने, फिसलन वाले स्थानों पर बालू व मैट बिछाने तथा स्नान क्षेत्र में अतिरिक्त सतर्कता बरतने के निर्देश दिए।

संक्षिप्त समाचार

शुक्लागंज में एस.टी.पी. का ट्रायल रन शुरू

शुक्लागंज, उन्नाव। नगर पालिका परिषद गंगाघाट (शुक्लागंज) के अंतर्गत गंगा नदी में गिरने वाले चार नालों–इंदिरा नगर, मनोहर नगर-1, मनोहर नगर-2 और रेलवे ब्रिज–का घरेलू सीवेज अब सीधे नदी में नहीं जाएगा। अधिशासी अभियंता, जल निगम ग्रामीण अजीत कुमार सिंह ने बताया कि नमामि गंगे कार्यक्रम के तहत 5 एम.एल.डी. क्षमता वाले एस.टी.पी. का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है और 30 दिसंबर 2025 से इसका ट्रायल रन प्रारंभ हो चुका है, जो तीन माह तक चलेगा। योजना और लागत-इस एस.टी.पी. का निर्माण कार्य कुल 65.18 करोड़ रुपये की कार्ययोजना के तहत किया गया है, जिसमें कार्यलागत 27.83 करोड़ रुपये और 15 वर्ष के अनुरक्षण एवं संचालन हेतु 37.35 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। कार्यदायी फर्म मेसर्स कानपुर रिवर मैनेजमेंट प्रा. लि., कानपुर द्वारा यह परियोजना पूर्ण की गई है। पर्यावरण संरक्षण में बड़ी उपलब्धि- अधिशासी अभियंता ने बताया कि योजना के सफल क्रियान्वयन से गंगाघाट के सबसे बड़े नाले इंदिरा नगर ड्रेन का घरेलू सीवेज सीधे गंगा में नहीं जाएगा। इससे गंगा जल की गुणवत्ता में सुधार होगा और पर्यावरण संरक्षण को मजबूती मिलेगी। यह कदम स्वच्छ गंगा अभियान की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है। एस.टी.पी. का संचालन जल्द शुरू होगा- त्रैमासिक ट्रायल रन पूरा होने के बाद एस.टी.पी. का पूर्ण क्षमता संचालन प्रारंभ हो जाएगा। नगर पालिका और जल निगम की टीम इसे नियमित रूप से मॉनीटर करेगी ताकि गंगा नदी प्रदूषण मुक्त रहे और स्थानीय नागरिकों को स्वच्छ वातावरण सुनिश्चित हो।

अनियंत्रित होकर पलटा ई-रिक्शा, चालक की मौत

बांगरमऊ। बेहटा मुजावर थाना क्षेत्र में गुरुवार को एक दर्दनाक हादसे में ई-रिक्शा अनियंत्रित होकर पलट गया, जिससे चालक की मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना के बाद परिजनों में कोहराम मच गया। बेहटा मुजावर थाना क्षेत्र के गांव शादीपुर निवासी 40 वर्षीय संतोष कुमार पुत्र मैकूलाल ई-रिक्शा चलाकर परिवार का भरण-पोषण करता था। गुरुवार दोपहर करीब 12 बजे वह सवारियां बैठाने के लिए कस्बा बेहटा मुजावर आया था। वहां से सवारी लेकर वह संडीला-बांगरमऊ मार्ग पर बांगरमऊ की ओर जा रहा था। गंगा एक्सप्रेसवे के पास एक ईंट भट्ठे के निकट सामने से आ रहे किसी वाहन से बचने के प्रयास में ई-रिक्शा अनियंत्रित हो गया और सड़क किनारे खंती में जाकर पलट गया। हादसे में संतोष कुमार गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना पर घायल को बांगरमऊ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। बेहटा मुजावर थाना प्रभारी मुन्ना कुमार ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और मामले की जांच की जा रही है।

अज्ञात वाहन की टक्कर से भाजपा नेता की मौत

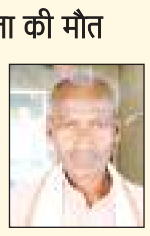

बांगरमऊ। भांजी की शादी में शामिल होने तिर्वा (कन्नौज) गए भाजपा के पूर्व मंडल अध्यक्ष की सड़क हादसे में मौत हो गई। अज्ञात वाहन की टक्कर से गंभीर रूप से घायल हुए नेता ने उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। घटना की खबर मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम नसिरापुर निवासी 50 वर्षीय महिपाल कटियार पुत्र राम औतार भाजपा के पूर्व मंडल अध्यक्ष थे। वह जनपद कन्नौज के थाना तिर्वा अंतर्गत ग्राम कचाहटीपुर में अपनी भांजी की शादी में शामिल होने बाइक से गए थे। बुधवार की रात करीब 10 बजे वह किसी कार्य से बाइक से निकले थे। ठठिया के पास किसी अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची एंबुलेंस उन्हें तिर्वा मेडिकल कॉलेज ले गई, जहां गुरुवार दोपहर उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई।

राष्ट्रव्यापी हड़ताल के समर्थन में मजदूर संगठनों ने राष्ट्रपति को सौंपा ज्ञापन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखीमपुर खीरी। समाजवादी मजदूर सभा एवं राज्य सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त संगठन लोक मजदूर सभा के संयुक्त तत्वावधान में राष्ट्रव्यापी हड़ताल के समर्थन में महामहिम राष्ट्रपति महोदया को संबोधित ज्ञापन सौंपा गया। यह ज्ञापन सुरेंद्र कुमार एडवोकेट, प्रदेश उपाध्यक्ष (समाजवादी मजदूर सभा) एवं प्रदेश उपाध्यक्ष लोक मजदूर सभा के नेतृत्व में दिया गया।

ज्ञापन में श्रमिकों, किसानों एवं पशुपालकों से जुड़े ज्वलंत मुद्दों को उठाते हुए केंद्र सरकार से शीघ्र ठोस निर्णय लेने की मांग की गई। पदाधिकारियों ने कहा कि मौजूदा नीतियों के कारण मजदूरों के अधिकार कमजोर हो रहे हैं और रोजगार की सुरक्षा समाप्त होती जा रही है। ज्ञापन की प्रमुख मांगें चारों श्रम संहिताएं (लेबर कोड) तत्काल प्रभाव से रद्द की जाएं। ठेका प्रथा, आउटसोर्सिंग एवं संविदा प्रणाली समाप्त कर स्थायी रोजगार की गारंटी सुनिश्चित की जाए। मनरेगा को प्रभावी रूप से लागू कर ग्रामीण क्षेत्रों में स्थायी रोजगार की व्यवस्था की जाए। श्रमिक यूनियनों को कमजोर करने वाली नीतियां बंद कर यूनियन अधिकारों की रक्षा की जाए।

कॉरपोरेट हितों को बढ़ावा देने वाले कानून बनाना बंद किया जाए।

कार्य अवधि 12 घंटे किए जाने संबंधी आदेश को तत्काल वापस लिया जाए। भारतऽअमेरिका के बीच हुई डील में किसानों एवं पशुपालकों के हितों को पूरी तरह सुरक्षित किया जाए। मजदूर संगठनों ने चेतावनी दी कि यदि मांगों पर सकारात्मक कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन को देशभर में और तेज किया जाएगा।

कांग्रेस नेता के भाई के निधन पर जताया शोक

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बांदा। जिला कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ पदाधिकारी / कंट्रोल रूम प्रभारी बी लाल भाई के सुपुत्र अमर सिंह जो कि दिल्ली में केनरा बैंक में सर्विस करते थे, उनका निधन हो गया है। जिला कांग्रेस कमेटी बांदा अध्यक्ष राजेश दीक्षित ने अमर सिंह के निधन पर गहरा दुख प्रकट किया है, जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय बांदा में शोक सभा हुई जिसमें दिवंगत आत्मा की शांति हेतु ईश्वर से प्रार्थना की गई। श्रद्धांजलि अर्पित करने वालों में जिला कांग्रेस अध्यक्ष राजेश दीक्षित सहित लोमस द्विवेदी, कार्यालय प्रभारी शिवबली सिंह, बांदा कांग्रेस सोशल मीडिया जिलाध्यक्ष सन्तोष कुमार द्विवेदी, छेदीलाल धुरिया, रामनारायण प्रजापति, शब्बीर सौदागर, रम्मू प्रसाद वर्मा, इस्लाम भाई, सुखदेव गांधी, सैय्यद वारिस अली, रफत खान, अली बख्श, पारस हरदौली, नाथूराम सेन, कामता कोटार्य, अशोक वर्धन कर्ण, के पी सेन आदि प्रमुख कांग्रेस जन उपस्थित रहे।

बजाज हिंदुस्थान चीनी मिल खंभारखेड़ा में हवन-पूजन व भंडारे के साथ मनाया गया वार्षिक उत्सव

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गोला गोकर्णनाथ खीरी। बजाज हिंदुस्थान शुगर लिमिटेड की चीनी मिल खंभारखेड़ा परिसर में स्थित श्री तिरूपति बालाजी मंदिर का 12वां वार्षिकोत्सव आज श्रद्धा और उल्लास के साथ बड़े धूमधाम से मनाया गया। इस पावन अवसर पर धार्मिक अनुष्ठानों के साथ विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। मंदिर के पुजारी विपिन वेंकटेश शुक्ला द्वारा वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच हवन-पूजन संपन्न कराया गया। कार्यक्रम के मुख्य यजमान चीनी मिल के यूनिट हेड अवधेश गुप्ता रहे। धार्मिक अनुष्ठानों के अंतर्गत कन्या भोज भी कराया गया। हवन-पूजन एवं आरती के उपरांत सभी मंदिरों के पुजारियों एवं ब्राह्मणों को वस्त्र व दक्षिणा भेंट कर भोजन कराया गया। इसके बाद आयोजित भंडारे में मिल क्षेत्र के समस्त अधिकारी-कर्मचारियों सहित आसपास के क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों ने प्रसाद ग्रहण किया। पूरे परिसर में भक्तिमय वातावरण बना रहा। इस अवसर पर प्रमुख रूप से अरुण प्रताप सिंह, पुष्पेंद्र ढाका, आशीष श्रीवास्तव, मोहित अवस्थी, योगेश सिंह, अतुल सिंह, सच्चिदानंद मिश्रा, सतीश श्रीवास्तव, संजय शुक्ला, राजेश पांडेय, डॉ. धर्मेंद्र कुमार त्रिपाठी, देवेंद्र सिंह, अनिल कुमार दीक्षित, तरुण मिश्रा, मनोज अवस्थी, राजेश उपाध्याय, नरेंद्र पाल सिंह, पी.एन. शर्मा, शैलेश श्रीवास्तव, राजेंद्र सिंह सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे कार्यक्रम के सफल आयोजन पर उपस्थित जनसमूह ने आयोजकों की सराहना की और मंदिर की सुख-समृद्धि व क्षेत्र की उन्नति की कामना की।

जल जीवन मिशन में महिलाओं की भागीदारी से लोगों को मिल रहा स्वच्छ जल

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बांदा। बांदा में जल जीवन मिशन में महिलाओं की भागीदारी से लोगों को स्वच्छ जल मिल रहा है। प्रत्येक गांव में पानी की गुणवत्ता की जांच 5 महिलाओं की जिम्मे है। जिले के 649 राजस्व गावों में 3245 महिलाओं को इसकी जिम्मेदारी मिली है। यह महिलाएं फील्ड टेस्ट किट के साथ पानी के सभी मानकों की जांच करती हैं और पानी की गुणवत्ता खराब होने पर विभाग को अवगत कराती है। जिसके बाद विभाग पानी की गुणवत्ता को ठीक करने का काम करता है।

जिले के 469 गांव में 649 राजस्व गांव है जहां पर 3245 महिलाओं के द्वारा जल जीवन मिशन के तहत सप्लाई किए जाने वाले पानी की जांच की जाती है इन महिलाओं में गांव की आशा आंगनबाड़ी एएनएम हुआ अन्य शिक्षित महिलाएं हैं जिनके द्वारा यह कार्य किया जा रहा है इन महिलाओं को विवाह की तरफ से जिला स्तर ब्लॉक स्तर बा गांव स्तर पर ट्रेनिंग दी गई है साथ ही इन्हें फील्ड टेस्ट किट दी गई है। जिसके जरिए पानी की जांच के 10 पैरामीटरों को चेक किया जाता है। जिसमें पानी का पीएच, क्लोरीन, नाइट्रोजन, नाइट्रेट व क्लोराइड समेत अन्य तत्व शामिल हैं। जांच के दौरान पानी के तत्वों में जब कमी मिलती है तो इनके द्वारा विभाग को जानकारी दी जाती है। जिसके बाद विभाग पानी की गुणवत्ता को ठीक करता है। जल निगम के अधिशासी अभियंता विमल कुमार वर्मा ने बताया कि प्रत्येक राजस्व गांव में पानी की गुणवत्ता की जांच करने के लिए पांच महिलाओं को नियुक्त किया गया है। जिनके द्वारा पानी के सभी मानको की जांच की जाती है और कमी मिलने पर उनके द्वारा हमें अवगत कराया जाता है। जिसके बाद हम पानी की गुणवत्ता को ठीक कराते हैं।

अवैध मिट्टी खनन पर पुलिस की कार्रवाई, ट्रैक्टर-ट्राली जब्त

बांगरमऊ। तहसील क्षेत्र में अवैध मिट्टी खनन के खिलाफ पुलिस ने सख्त रुख अपनाते हुए एक ट्रैक्टर-ट्राली को जब्त किया है। यह कार्रवाई मुखबिर की सूचना पर की गई। उपनिरीक्षक मदन चंद्र ने पुलिस टीम के साथ कलवारी गांव में छापेमारी की, जहां बड़े पैमाने पर मिट्टी उतारी जा रही थी। पुलिस के मौके पर पहुंचते ही ट्रैक्टर चालक वाहन को छोड़कर फरार हो गया। टीम द्वारा निरीक्षण किए जाने पर घटनास्थल पर करीब 15 ट्राली मिट्टी डंप पाई गई। प्राथमिक जांच में यह भी सामने आया कि ट्रैक्टर पर नंबर प्लेट नहीं लगी थी, जिससे अवैध गतिविधि की पुष्टि और मजबूत हो गई। पुलिस ने ट्रैक्टर-ट्राली को कब्जे में लेकर कोतवाली भेज दिया है। वाहन स्वामी और फरार चालक की तलाश के लिए आसपास के क्षेत्रों में दबिश दी जा रही है। मामले की जानकारी खनन विभाग को भी भेज दी गई है, ताकि आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा सके।

गाजे बाजे की धुन के बीच धूमधाम से निकली कलश शोभायात्रा

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बिलगांव/बांदा। गाजे बाजे की धुन के बीच गांव में निकाली गई कलश शोभायात्रा के साथ श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ सप्ताह का आगाज किया गया। कथा वाचक आचार्य नरेंद्र पांडेय जी ने पहले दिन श्रीमद् भागवत का महात्म्य सुनाया। कहा कि भागवत कथा के सुनने मात्र से जीव का कल्याण होता है।

गुरुवार से बिलगांव में सपा नेता रामसागर यादव के यहा श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ सप्ताह का शुभारंभ किया गया। कथा शुभारंभ से पहले कथा व्यास आचार्य नरेंद्र पांडेय जी की अगुवाई में गांव के मंदिरों में कलश पूजन यात्रा निकाली गई । शोभा यात्रा कथा स्थल से शुरू होकर बड़ेदेव बाबा मंदिर पहुंची, जहां विधिवत पूजा अर्चना की गई। शोभा यात्रा गांव का भ्रमण करते हुए वापस कथा स्थल पर समाप्त हुई। जहां कथा वाचक श्री पांडेय ने पहले दिन की कथा में श्रीमद् भागवत कथा का महात्म्य बताया और सभी को भागवत कथा सुनकर जीवन में उतारने की नसीहत दी। कहा कि भागवत कथा सुनने मात्र से मनुष्य जीवन रूपी भवसागर से पार उतर सकता है। शोभा यात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु महिला-पुरुष शामिल रहे शोभायात्रा में कथा परीक्षित देवीदयाल यादव, दुल्ली देवी भागवत यादव, सूरजकली के अलावा सपा नेता रामसागर यादव , ललक बाबू, रामबाबू यादव समेत बड़ी संख्या में श्रद्धालु भक्त शामिल रहे। कथा आयोजक सपा नेता रामसागर यादव ने बताया कि श्रीमद् भागवत कथा का क्रम गुरुवार से शुरू होकर 18 फरवरी तक आयोजित होगी और 19 फरवरी को पूर्णाहुती भंडारा प्रसाद वितरण के साथ समापन किया जाएगा।

बड़ी जीत दर्ज करने उतरेगा ऑस्ट्रेलिया मार्श की फिटनेस पर होगी निगाह

एजेंसी

कोलंबो। कई प्रमुख खिलाड़ियों के चोटिल होने की समस्या से जूझ रही ऑस्ट्रेलिया की टीम जब शुक्रवार को यहां टी20 विश्व कप के ग्रुप बी मैच में जिम्बाब्वे पर बड़ी जीत दर्ज करने के उद्देश्य से मैदान पर उतरेगा तो कप्तान मिचेल मार्श की फिटनेस पर निगाह टिकी रहेंगी। मार्श बुधवार को आयरलैंड के खिलाफ मैच में नहीं खेल पाए थे और क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के अनुसार इस ऑलराउंडर को मैदान पर वापसी करने से पहले काफी आराम की जरूरत होगी।

मार्श के कवर के रूप में स्टीव स्मिथ को ऑस्ट्रेलिया की टीम में लिया गया है। उनकी टीम को हालांकि आयरलैंड के खिलाफ पिछले मैच में मार्श की कमी नहीं खली। ऑस्ट्रेलिया ने खेल के हर विभाग में अच्छा प्रदर्शन करके 67 रन से जीत हासिल की थी। इस मैच में ऑस्ट्रेलिया के किसी भी बल्लेबाज ने अर्धशतक नहीं लगाया लेकिन इसके बावजूद उन्होंने 180 से अधिक रन का मजबूत स्कोर खड़ा किया। इसके बाद तेज गेंदबाज नाथन एलिस और लेग स्पिनर एडम जम्पा ने मिलकर आठ विकेट लिए और अपनी टीम को पूरे दो अंक दिलाए। लेकिन ऑस्ट्रेलियाई टीम जिम्बाब्वे के खिलाफ अपने प्रदर्शन को और बेहतर करना चाहेगी। उसे सलामी बल्लेबाज ट्रैविस हेड और ग्लेन मैक्सवेल से बड़ी पारियों की उम्मीद होगी। मार्श अगर टूर्नामेंट में आगे नहीं खेल पाते हैं तो ऑस्ट्रेलिया को बहुत अधिक चिंता करने की जरूरत नहीं पड़ेगी क्योंकि स्मिथ ने हाल में खेल के सबसे छोटे प्रारूप में अच्छा प्रदर्शन किया है। पूर्व कप्तान स्मिथ ने अपना आखिरी टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच फरवरी 2024 में खेला था, लेकिन उन्होंने हाल ही में बिग बैश लीग में सिडनी सिक्सर्स की तरफ से छह पारियों में 59 के औसत और 167 के स्ट्राइक रेट से 299 रन बनाए थे।

जिम्बाब्वे के खिलाफ ऑस्ट्रेलियाई टीम को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा और किसी भी तरह की ढिलाई से बचना होगा क्योंकि जिम्बाब्वे के पास मजबूत टीमों को चौंकाने की क्षमता है। जिम्बाब्वे ने अपनी पिछले मैच में ओमान को आसानी से हराया था। उसके पास ब्रैड इवांस, ब्लेसिंग मुजरबानी और रिचर्ड नगारवा जैसे तेज गेंदबाज हैं जो अपने दिन में सबसे मजबूत बल्लेबाजों को भी कड़ी टक्कर दे सकते हैं। सिकंदर रजा की ऑफ और लेग ब्रेक गेंदों का मिलाजुला रूप उनकी गेंदबाजी को एक नया आयाम देता है। टी20 के बेहद अनुभवी खिलाड़ी रजा को ब्रायन बेनेट, डियोन मायर्स और 40 वर्षीय ब्रेंडन टेलर के साथ बल्लेबाजी में भी अपना योगदान देना होगा। टेलर पिछले मैच से लगी मामूली चोट से उबर रहे हैं, अगर वह उपलब्ध नहीं होते हैं, तो जिम्बाब्वे रयान बर्ल को टीम में शामिल करने पर विचार कर सकता है जो स्पिन गेंदबाजी का एक और उपयोगी विकल्प हैं।

श्रीलंका ने ओमान को 105 रन से हराया

एजेंसी

पल्लेकेल। कप्तान दासुन शनाका सहित तीन बल्लेबाजों के अर्धशतक और बाद में धारदार गेंदबाजी की मदद से श्रीलंका ने टी20 विश्व कप के ग्रुप बी के मैच में गुरुवार को यहां ओमान को 105 रन से करारी शिकस्त देकर सुपर आठ में पहुंचने की अपनी उम्मीदों को मजबूत किया। कुसल मेंडिस (45 गेंद पर 61 रन), पवन रत्नायके (28 गेंद पर 60) और शनाका (20 गेंद पर 50) ने अर्धशतक जमाए और ओमान के कमजोर गेंदबाजी आक्रमण के धुर्रे उड़ाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। श्रीलंका ने इनके शानदार प्रदर्शन की मदद से पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किए जाने के बाद पांच विकेट पर 225 रन का मजबूत स्कोर बनाया। ओमान के बल्लेबाजों के पास श्रीलंका के तेज और स्पिन आक्रमण का कोई जवाब नहीं था और उसकी टीम नौ विकेट पर 120 रन ही बना सकी। उसकी तरफ से केवल मोहम्मद नदीम ही संघर्ष कर पाए जिन्होंने 56 गेंद पर नाबाद 52 रन बनाए। श्रीलंका की तरफ से दुष्मंत चामीरा और महीश तीक्षणा ने दो दो विकेट लिए। श्रीलंका की यह लगातार दूसरी जीत है जिससे वह चार अंक लेकर ग्रुप बी में शीर्ष पर पहुंच गया है। ओमान को लगातार दूसरी हार का सामना करना पड़ा। इससे पहले श्रीलंका के बल्लेबाजों ने अंतिम ओवरों में तेजी से रन बनाकर बड़ी जीत की नींव रखी। जितेन रामानंदी ओमान के सबसे सफल गेंदबाज रहे। उन्होंने 41 रन देकर दो विकेट लिए। मेंडिस ने अपनी अच्छी फॉर्म जारी रखी जबकि रत्नायके और शनाका ने महत्वपूर्ण समय पर अपनी लय हासिल की। आयरलैंड के खिलाफ केवल पांच रन बनाकर आउट होने वाले रत्नायके ने 24 गेंद पर टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपना पहला अर्धशतक पूरा किया।

आयकर विभाग ने भारतीय घुड़सवारी महासंघ को 4.62 करोड़ रुपये का नोटिस जारी किया

नयी दिल्ली। आयकर विभाग ने आयकर अधिनियम 1961 की धारा 156 के तहत वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए भारतीय घुड़सवारी महासंघ (ईएफआई) को पहली बार 4.62 करोड़ रुपये का मांग नोटिस जारी किया है। आधिकारिक दस्तावेजों में यह जानकारी दी गई है। ईएफआई को नौ फरवरी, 2026 के नोटिस में कहा गया है कि इस खेल महासंघ को वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए 4,62,18,102 रुपये की राशि भुगतान करनी होगी। इस नोटिस की एक प्रति पीटीआई के पास भी है जिसमें कहा गया है कि निर्धारित की गई राशि नोटिस मिलने के 30 दिनों के भीतर किसी अधिकृत बैंक में जमा करनी होगी। ईएफआई के चार्टर्ड अकाउंटेंट द्वारा महासंघ के पदाधिकारियों को लिखे गए पत्र के अनुसार, कुछ दस्तावेजों पर हस्ताक्षर करना और उन्हें आयकर विभाग के समक्ष पेश करना जरूरी था। इस मामले के संबंध में एक अंतिम संचय प्रमाण पत्र भी तैयार किया गया है, लेकिन ईएफआई के महासचिव कर्नल जयवीर सिंह ने पीटीआई को बताया कि ईएफआई कार्यकारी समिति ने दस्तावेज तैयार करने में देरी की जिससे उसे इस स्थिति का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा, ''कार्यकारी समिति के सभी सदस्यों द्वारा विधिवत हस्ताक्षरित यह संचय प्रमाण पत्र आयकर विभाग के पास जमा करना जरूरी था। इस दस्तावेज़ को प्रस्तुत न करने के कारण यह पत्र जारी किया गया है।

आयकर नियमों के प्रासंगिक प्रावधानों के अनुसार महासंघ के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा सकती है। 'संचय प्रमाणपत्र' से तात्पर्य आम तौर पर उस दस्तावेज़ से है जिसे कोई संगठन चालू वर्ष में कर लगाए बिना भविष्य में उपयोग के लिए आय अलग रखने के लिए दाखिल करता है।

भारत और पाकिस्तान के मैच देखने के लिए कोलंबो जाएंगे बीसीबी प्रमुख अमीनुल इस्लाम

एजेंसी

ढाका। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) के प्रमुख अमीनुल इस्लाम ने कहा है कि वह भारत और पाकिस्तान के बीच रविवार को होने वाले टी20 विश्व कप मैच देखने के लिए कोलंबो में जाएंगे और उन्हें उम्मीद है कि पिछले कुछ सप्ताह से चल रहे तनावपूर्ण माहौल के बाद भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के साथ उनके संबंध सुधरेंगे। इस्लाम ने बांग्लादेश के अखबार 'प्रथम आलो' से कहा कि इस हाई-प्रोफाइल मैच के लिए उन्हें अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की तरफ से निमंत्रण मिला है। उन्होंने कहा, ''आईसीसी ने एक फैसला लिया है। आईसीसी के प्रमुख हितधारक ये पांच एशियाई देश हैं तथा वह चाहते हैं कि भारत और पाकिस्तान के बीच 15 फरवरी को होने मैच के लिए सभी पांच एशियाई देशों के प्रतिनिधि एक साथ स्टेडियम में मौजूद रहें, मैच देखें और एक-दूसरे से बात करें। भारत, पाकिस्तान, श्रीलंका, बांग्लादेश और अफगानिस्तान एशिया के आईसीसी में महत्वपूर्ण सदस्य हैं। इस्लाम से पूछा गया कि क्या इस बैठक से बीसीसीआई के साथ उसके तनावपूर्ण संबंध खत्म करने में मदद मिलेगी, उन्होंने कहा, '''आप इसे कुछ इसी तरह मान सकते हैं। बीसीसीआई और बीसीबी के बीच विवाद तब शुरू हुआ जब भारतीय बोर्ड ने कुछ अज्ञात परिस्थितियों के चलते बांग्लादेश के तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान को कोलकाता नाइट राइडर्स के आईपीएल अनुबंध से बाहर करने का आदेश दिया। ऐसी अटकलें लगाई जा रही थीं कि यह कदम बांग्लादेश में हुई राजनीतिक हिंसा से प्रेरित था जिसमें हिंदुओं को निशाना बनाया गया था। बांग्लादेश ने सुरक्षा चिंताओं का हवाला देते हुए विश्व कप मैचों के लिए भारत आने से इनकार कर दिया। बीसीसीआई के पूर्व सचिव जय शाह की अध्यक्षता वाली आईसीसी ने बांग्लादेश की चिंताओं को खारिज कर दिया था। बांग्लादेश हालांकि अपने रुख पर कायम रहा इसके बाद उसे टूर्नामेंट से बाहर कर दिया गया और उसकी जगह स्कॉटलैंड को दे दी गई। इस्लाम ने कहा कि बोर्ड यह सुनिश्चित करने के लिए एक समझौता ज्ञापन तैयार करेगा जिससे आईसीसी की तरफ से उन्हें मिले आश्वासनों को अंतिम रूप दे दिया जाए। उन्होंने कहा, ''हम एक समझौता भी करेंगे। यह एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) जैसा दस्तावेज होगा, ताकि कोई अनिश्चितता न रहे। आईसीसी के साथ (समझौता ज्ञापन तैयार करने के संबंध में) चर्चा लगभग अंतिम पड़ाव पर है।

राष्ट्रीय औसत से तेज तमिलनाडु की वृद्धि: स्टालिन ने अर्थव्यवस्था का खाका किया पेश

एजेंसी

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने बृहस्पतिवार को कहा कि राज्य की आर्थिक वृद्धि दर 11.19 प्रतिशत के साथ राष्ट्रीय औसत से काफी अधिक रही है। उन्होंने कहा, '' आज तमिलनाडु की आर्थिक वृद्धि राष्ट्रीय औसत से अधिक 11.19 प्रतिशत है। स्पष्ट रूप से कहें तो पिछले साल भारत के विनिर्माण क्षेत्र की वृद्धि 4.5 प्रतिशत रही जबकि तमिलनाडु की वृद्धि इससे तीन गुना 14.7 प्रतिशत रही। 'कन्वर्जन कॉन्क्लेव 2026' को संबोधित करते हुए स्टालिन ने कहा कि यह द्रविड़ मॉडल शासन की आलोचना करने वालों को उनके '' काम के जरिये दिया गया जवाब '' है। यह शिखर सम्मेलन निवेश समझौतों को क्रियानवित परियोजनाओं में बदलने की प्रक्रिया को दर्शाने की एक अनूठी पहल है। उन्होंने कहा, '' केवल इस सम्मेलन में ही हम 52 कंपनियों के उद्घाटन, 71 कंपनियों के शिलान्यास और दो नई कंपनियों के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) के जरिये उपलब्धियों का उत्सव मना रहे हैं। मुख्यमंत्री ने राज्य की औद्योगिक क्षमता का उल्लेख किया और बदलाव लाने के लिए उठाए जा रहे कदमों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि एक बार एमओयू पर हस्ताक्षर हो जाने के बाद, उसकी प्रगति पर समर्पित 'डैशबोर्ड' के जरिये नजर रखी जाती है। स्टालिन के साथ कार्यक्रम में उद्योग मंत्री टी. आर. बी. राजा भी मौजूद रहे। उन्होंने कागजों पर हस्ताक्षर से वास्तविक परिणाम तक सरकार के बदलाव का विस्तार से उल्लेख किया और कहा कि यह सम्मेलन तमिलनाडु द्वारा अपनाई गई ''इंक टू इम्पैक्ट'' सोच का उत्सव है। उन्होंने कहा, '' किसी अन्य राज्य में एमओयू को वास्तविक निवेश में बदलने को साबित करने के लिए 'कन्वर्जन कॉन्क्लेव' आयोजित करने का न तो साहस है और न ही क्षमता। उन्होंने कहा कि सरकार केवल निवेश की मात्रा पर नहीं, बल्कि नौकरियों की संख्या, गुणवत्ता एवं स्थान पर ध्यान देती है। मंत्री ने केंद्रीय सरकार के ईपीएफ आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि हाल में राज्य में 29.63 लाख नौकरियां सृजित हुई हैं और मौजूदा निवेशों से कुल 36.52 लाख नौकरियों की संभावना है। इस सम्मेलन में भारत बायोटेक के कृष्णा एल्ला तथा होमरुन हेल्थकेयर और बिग टेक के अधिकारियों सहित उद्योग जगत के लोगों ने शिरकत की। इसके अलावा राज्य योजना आयोग के चेयरमैन जे जयरंजन भी कार्यक्रम में शामिल हुए।

अदाणी पावर ने परमाणु ऊर्ज़ा कारोबार के लिए 'अदाणी एटॉमिक एनर्जी' का किया गठन

नयी दिल्ली। अदाणी पावर ने परमाणु एवं नाभिकीय ऊर्ज़ा से प्राप्त बिजली के उत्पादन, पारेषण एवं वितरण के लिए पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी 'अदाणी एटॉमिक एनर्जी लिमिटेड' (एएईएल) का गठन किया है। कंपनी ने बृहस्पतिवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि एएईएल को 5,00,000 रुपये की अधिकृत पूंजी के साथ गठित किया गया है। इसे 10 रुपये अंकित मूल्य वाले 50,000 शेयर में विभाजित किया गया है। अदाणी पावर की एएईएल में 100 प्रतिशत हिस्सेदारी है। कंपनी ने कहा कि एएईएल का भारत में 11 फरवरी 2026 को गठन किया गया। उसी दिन इसे केंद्रीय पंजीकरण केंद्र, कंपनी रजिस्ट्रार से निगमण प्रमाणपत्र प्राप्त हुआ। इसमें कहा गया कि अदाणी एटॉमिक एनर्जी लिमिटेड कंपनी की पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी इकाई है और इसलिए ही यह कंपनी की संबंधित पक्ष इकाई भी है।

मुक्त व्यापार समझौते से भारत-ईयू जैविक खाद्य कारोबारियों की उम्मीदें बढ़ीं

एजेंसी

न्यूर्नबर्ग (जर्मनी)। भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) के जैविक खाद्य कारोबारियों ने हाल में घोषित मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को लेकर सकारात्मक रुख जताया और कहा है कि इससे दोनों पक्षों को बाजार तक बेहतर पहुंच मिलेगी तथा इस क्षेत्र में बड़े अवसर उत्पन्न होंगे। स्थायी खाद्य क्षेत्र से जुड़ी करीब 2,200 कंपनियां चार दिवसीय 'बायोफैच 2026' में अपने उत्पाद प्रदर्शित कर रही हैं। इनमें भारत के 100 से अधिक प्रतिभागी शामिल हैं। यह जैविक खाद्य उत्पादों का दुनिया का प्रमुख व्यापार मेला है, जो न्यूर्नबर्ग प्रदर्शनी केंद्र में आयोजित हो रहा है। यह मेला ऐसे समय हो रहा है जब भारत और 27 देशों वाले यूरोपीय संघ ने लगभग दो दशकों की बातचीत के बाद 27 जनवरी को मुक्त व्यापार समझौते पर वार्ता पूरी होने की घोषणा की है। इसके करीब एक साल में हस्ताक्षरित और लागू होने की संभावना है। जैविक खाद्य क्षेत्र के विशेषज्ञों के अनुसार, यह समझौता भारतीय जैविक उत्पाद निर्यातकों के लिए ईयू में करीब 60 अरब डॉलर के अवसर खोलता है। वहीं इससे ईयू देशों को भारत के 140 करोड़ उपभोक्ताओं का बाजार भी मिलेगा। समझौते के तहत द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ावा देने के लिए दोनों पक्ष सैकड़ों वस्तुओं पर आयात शुल्क खत्म या कम करेंगे। कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) के चेयरमैन अभिषेक देव ने कहा, '' इस क्षेत्र में दोनों पक्षों के लिए बड़े अवसर हैं। 'बायोफैच' में भारत 'कंट्री ऑफ द ईयर' के रूप में प्रमुख उपस्थिति दर्ज करा रहा है। वाणिज्य मंत्रालय के अधीन एपीडा मेले में भारत की भागीदारी का आयोजन कर रहा है, जिसमें देश की समृद्ध कृषि विरासत और जैविक उत्पादों के भरोसेमंद वैश्विक आपूर्तिकर्ता के रूप में उसकी बढ़ती पहचान को प्रदर्शित किया जा रहा है।

एचयूएल का चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में शुद्ध लाभ दोगुना होकर 6,603 करोड़ रुपये

नयी दिल्ली। घरले उपयोग का रोजमर्रा का सामान बनाने वाली कंपनी हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड (एचयूएल) का चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ सालाना आधार पर दोगुना होकर 6,603 करोड़ रुपये तक पहुंच गया। एचयूएल ने बृहस्पतिवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि कंपनी ने वित्त वर्ष 2025-26 की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में अपने आइसक्रीम व्यवसाय को क्वालिटी वॉल्स (इंडिया) लिमिटेड को बेच दिया था जिससे उसके लाभ में यह वृद्धि दर्ज की गई। कंपनी ने बताया कि नई श्रम संहिताओं के क्रियान्वयन से तिमाही के दौरान 576 करोड़ रुपये के असाधारण मद (हानि) दर्ज किए।

सर्राफा बाजार में चमका सोना, चांदी के भाव में बदलाव नहीं

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज लगातार दूसरे दिन सोने के भाव में तेजी का रुख नजर आ रहा है। सोना आज 750 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 820 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया। दूसरी ओर,चांदी के भाव में आज कोई बदलाव नहीं हुआ है। कीमत में आई तेजी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में शुरुआती कारोबार के दौरान 24 कैरेट सोना आज 1,59,610 रुपये से लेकर 1,59,760 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,46,310 रुपये से लेकर 1,46,460 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। जबकि चांदी के भाव में बदलाव नहीं होने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज भी शुरुआती कारोबार में 2,89,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर ही बिक रही है। दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,59,760 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,46,460 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,59,610 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,46,310 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,59,660 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,46,360 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,59,610 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,46,310 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। वहीं कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,59,610 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,46,310 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,59,660 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,46,360 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,59,760 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,46,460 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,59,660 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,46,360 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

संक्षिप्त समाचार

उम्मीद जीवंत रखने की कोशिश करेगा नीदरलैंड, अमेरिका को करनी होगी वापसी

चेन्नई। पिछले मैच में जीत हासिल करके वापसी करने वाले नीदरलैंड को शुक्रवार को यहां टी20 विश्व कप के ग्रुप ए के मैच में अमेरिका के खिलाफ जीत हासिल करने के लिए आक्रामक बल्लेबाजी और अनुशासित गेंदबाजी करनी होगी जो सुपर आठ में पहुंचने की उसकी उम्मीदों को जीवित रखने के लिए जरूरी है। नीदरलैंड को टूर्नामेंट के अपने पहले मैच में पाकिस्तान से मामूली अंतर से हार का सामना करना पड़ा था लेकिन इसके बाद उसने अपने अगले मैच में नामीबिया को हराकर शानदार वापसी की। नीदरलैंड ने 157 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए दो ओवर शेष रहते सात विकेट से जीत हासिल की। ऑलराउंडर बास डी लीडे उसके अभियान में अहम भूमिका निभाएंगे। उन्होंने नामीबिया के खिलाफ 150 के स्ट्राइक रेट से नाबाद 72 रन बनाकर लक्ष्य का पीछा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और बीच के ओवरों में कप्तान गेरहार्ड इरास्मस समेत दो अहम विकेट भी लिए। नीदरलैंड की टीम के पास शीर्ष क्रम में विस्फोटक बल्लेबाज हैं लेकिन उसके मध्य और निचले क्रम के बल्लेबाजों को अच्छा प्रदर्शन करने की जरूरत है। पाकिस्तान के खिलाफ उसकी यह कमजोरी खुलकर सामने आई क्योंकि एक समय उसका स्कोर चार विकेट पर 123 रन था लेकिन उसकी पूरी टीम 147 रन पर आउट हो गई। उसने अपने आखिरी छह विकेट सिर्फ 24 रन पर गंवा दिए। अपनी ऊंची बैक-लिफ्ट और पावर-हिटिंग के लिए जाने जाने वाले मैक्स ओडॉउड का प्रदर्शन अब तक कुछ खास नहीं रहा है। उन्होंने पाकिस्तान और नामीबिया के खिलाफ क्रमशः पांच और सात रन बनाए। वह अपनी पुरानी लय को फिर से हासिल करने के लिए उत्सुक होंगे। अपना सातवां टी20 विश्व कप खेल रही नीदरलैंड की टीम एक मजबूत टीम के रूप में उभर चुकी है और वह अपनी गेंदबाजी पर भरोसा करेगी ताकि अमेरिकी टीम को कड़ी टक्कर दे सके, जो इस टूर्नामेंट में अभी अपनी पहली जीत की तलाश में है। अमेरिका ने गेंदबाजी में तो अच्छा प्रदर्शन किया है, लेकिन बल्लेबाजी में वे लड़खड़ा गए और खराब फील्डिंग ने भी उन्हें नुकसान पहुंचाया। अमेरिका के गेंदबाजों में शैडली वैन शालविक ने पावरप्ले में शानदार प्रदर्शन किया है, वहीं लेग स्पिनर मोहम्मद मोहसिन ने बाएं हाथ के स्पिनर हरमीत सिंह के साथ मिलकर बीच के ओवरों में दबाव बनाने में प्रभावशाली भूमिका निभाई है। गेंदबाजी अमेरिका की ताकत रही है, लेकिन उसके बल्लेबाजों को अच्छा प्रदर्शन करना होगा। कप्तान मोनांक पटेल भारत के खिलाफ खाता भी नहीं खोल पाए जबकि पाकिस्तान के खिलाफ उन्होंने तीन रन बनाए। एक अन्य बल्लेबाज एंड्रीज गौस ने क्रमशः छह और 13 रन बनाए हैं। दो साल पहले टी20 विश्व कप में गौस का प्रदर्शन शानदार रहा था और उन्होंने आईएलटी20 का सर्वोच्च व्यक्तिगत स्कोर भी बनाया था। गौस ने डेजर्ट वाइपर्स के लिए नाबाद 120 रन नाबाद बनाए थे और उनकी फॉर्म में वापसी अमेरिका के लिए काफी महत्वपूर्ण होगी।

कनाडा और यूएई की निगाह पहली जीत पर

नयी दिल्ली। अपने शुरुआती मैच में करारी हार झेलने वाले कनाडा और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) शुक्रवार को यहां जब टी20 विश्व कप के ग्रुप डी के मुकाबले में आमने-सामने होंगे तो उनका लक्ष्य टूर्नामेंट में पहली जीत हासिल करना होगा। तीन शीर्ष 10 टीमों न्यूजीलैंड, दक्षिण अफ्रीका और अफगानिस्तान के साथ 'ग्रुप ऑफ डेथ' में शामिल होने के कारण यूएई और कनाडा दोनों को सुपर आठ चरण में जगह बनाने के लिए कड़ी और असंभव चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। दोनों टीमों के अभियान की शुरुआत निराशाजनक रही। जहां कनाडा को दक्षिण अफ्रीका से 57 रन से हार का सामना करना पड़ा, वहीं यूएई को न्यूजीलैंड ने 10 विकेट से करारी शिकस्त दी। पिछले चार महीनों में कनाडा को बड़े मैचों में खेलने का अनुभव नहीं मिला जिसका असर उसके पहले मैच में साफ दिखाई दिया। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ उसका प्रदर्शन उतार चढ़ाव वाला रहा। उसके खिलाड़ियों ने कुछ शानदार कैच लिए लेकिन साथ ही आसान मौके भी गंवाए। कनाडा के लिए हालांकि कुछ सकारात्मक पहलू भी थे। उन्होंने 214 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए दृढ़ संकल्प दिखाया और शुरुआती विकेट गिरने के बाद अपनी पारी को संभाला। बाएं हाथ के स्पिनर अंश पटेल ने अपनी विविधतापूर्ण गेंदबाजी से प्रभावित किया और एडन मार्क्रम सहित कुछ प्रमुख बल्लेबाजों को आउट किया, जबकि नवनीत धालीवाल का अर्धशतक और मध्यक्रम के बल्लेबाज हर्ष ठाकर की फॉर्म उत्साहजनक रहा। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मैच के बाद ठाकर ने कहा था, ''बहुत कुछ सीखने को मिला, बहुत सी सकारात्मक बातें हैं। नवनीत की पारी और चार विकेट गिरने के बाद जिस तरह से हमने पारी को संभाला, वह सराहनीय है। गेंदबाजी में भी मुझे नहीं लगता कि शुरुआत में हमारा प्रदर्शन इतना खराब था, लेकिन हम बेहतर प्रदर्शन कर सकते थे। यूएई की टीम में लगातार सुधार देखने को मिल रहा है और उसने पिछले कुछ वर्षों में शीर्ष टीमों को कड़ी टक्कर दी है। वे विश्व कप में अपने अभियान को पटरी पर लाने के लिए कप्तान मुहम्मद वसीम और अलीशान शरफू पर भरोसा करेंगे। न्यूजीलैंड के खिलाफ गेंदबाजी में यूएई का प्रदर्शन फीका रहा। बाएं हाथ के स्पिनर हैदर अली पर अपनी सटीक गेंदबाजी से बल्लेबाजों को परेशान करने की जिम्मेदारी होगी, वहीं अनुभवी तेज गेंदबाज जुनैद सिद्दीकी अपने यॉर्कर से प्रभावी साबित हो सकते हैं। न्यूजीलैंड के खिलाफ हार के बाद वसीम ने कहा, ''मुझे लगता है कि हमें यह पता करना होगा कि हमें कैसे गेंदबाजी करनी है, किस लाइन ओर किस लेंथ पर गेंदबाजी करनी है। हमें बल्लेबाज को ध्यान में रखकर गेंदबाजी करनी होगी।

स्वामी मुद्रक प्रकाशक एवं सम्पादक हरिनाथ सिंह * द्वारा टिनटिन प्रिन्टेक प्राइवेट लिमिटेड डी-33 अमौसी इण्डस्ट्रीयल एरिया, नादरगंज, लखनऊ से मुद्रित एवं 1/39 प्रथम तल करामत मार्केट निशातगंज, लखनऊ से प्रकाशित, सम्पर्क-522-4064242
Email: noidarp@gmail.com, therptimes@yahoo.com, 9918735329 * इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.पी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

सूचना
पाठकों को सुझाव दिया जाता है, कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित होने वाले सभी विज्ञापनों पर कार्यवाही करने से पहले स्वयं उचित जाँच-पड़ताल कर लें। समाचार पत्र या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद या सेवा हेतु किये गये किसी दावें की सच्चाई का आश्वासन नहीं देता तथा ऐसे विज्ञापनों पर विश्वास करके किसी भी व्यक्ति को हुई क्षति, हानि, परिणाम के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

शिव बारात निकलने के पूर्व वाराणसी के उबड़-खाबड़ मार्ग को ठीक करें: महापौर

■ सड़कों पर मलबा छोड़ा तो खैर नहीं, सुपरवाइजर को कड़ी चेतावनी

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

वाराणसी। महाशिवरात्रि के पूर्व धर्मनगरी काशी में शिवबारात निकलने की परम्परा को देख महापौर अशोक तिवारी शिव बारात मार्गों को दुरूस्त करने का निर्देश नगर निगम के अफसरों को दिया है। उन्होंने शिवबारात मार्ग लालकुटी व्यायामशाला से लालकुटी महादेव और तिलभांडेश्वर महादेव मार्ग का जायजा लेने के बाद दो टूक शब्दों में अल्टीमेटम दिया कि बारात मार्ग की सभी खामियां दूर की जाएं, अन्यथा संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय होगी। शिव बारात के मार्ग पर जगह-जगह गंदगी और सीवर का मलबा देख नाराजगी जताते हुए महापौर ने कहा कि सीवर साफ करके मलबा सड़क पर ही छोड़ देना लापरवाही की पराकाष्ठा है। गौरी केदारेश्वर मार्ग पर गंदगी मिलने पर उन्होंने क्षेत्रीय सुपरवाइजर को तत्काल चेतावनी जारी करने का निर्देश दिया। महापौर ने जलकल महाप्रबंधक अनूप सिंह को स्पष्ट निर्देश दिया कि शिव बारात के दौरान एक भी सीवर मैनहोल ओवरफ्लो नहीं होना चाहिए। मुख्य अभियंता आरके सिंह को निर्देशित किया कि जहां भी मार्ग उबड़-खाबड़ हैं या पैचवर्क की जरूरत है, उसे रातों-रात ठीक कराएं। वहीं, प्रकाश विभाग को निर्देशित किया कि बारात वाले रूट की एक भी स्ट्रीट लाइट बंद नहीं मिलनी चाहिए। महापौर रेवड़ी तालाब होते हुए गौरी केदारेश्वर महादेव तक पैदल गए और बारीकी से व्यवस्थाओं को देखा। उन्होंने कहा कि शिव बारात में लाखों की भीड़ उमड़ती है, ऐसे में अंधेरा या टूटी सड़कें दुर्घटना का कारण बन सकती हैं। इस दौरान उपसभापति नरसिंह दास, पार्षद विजय द्विवेदी, रामगोपाल वर्मा, चंद्रनाथ मुखर्जी और शिव बारात के संयोजक अजय वर्मा आदि भी मौजूद रहे।

फ्लैट के बाहर रखे सामान में आग लगी, एक सप्ताह में चार घटनाएं, लोगों में दहशत

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

नोएडा। ग्रेटर नोएडा वेस्ट की एक हाईराइज सोसाइटी में पिछले एक सप्ताह से हो रही रहस्यमयी आगजनी की घटनाओं ने निवासियों में दहशत का माहौल पैदा कर दिया है। यह मामला बिसरख कोतवाली क्षेत्र स्थित पैरामाउंट इमोशंस सोसायटी का है।

सोसाइटी में फ्लैट के बाहर रखे जूते, साइकिल और अन्य सामान में अचानक आग लगने की घटनाएं सामने आई हैं। अब तक अलग-अलग टावरों में चार बार इस तरह की आगजनी हो चुकी है। सोसाइटी के निवासियों का कहना है कि शुरुआत में उन्होंने इसे सामान्य घटना समझा।

काशी के बौद्धिक और आध्यात्मिक वैभव का सजीव प्रमाण है मान मंदिर घाट

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

वाराणसी। वाराणसी के मान मंदिर घाट को लेकर यूपी टूरिज्म डिपार्टमेंट ने प्रचार प्रसार शुरू किया है। वाराणसी में तमाम पर्यटन क्षेत्र में अब मान मंदिर घाट को भी प्राथमिकता देकर उसके प्रचार को पर्यटन विभाग कर रहा है। इस संबंध में वाराणसी के क्षेत्रीय पर्यटन अधिकारी दिनेश कुमार ने बताया कि उत्तर प्रदेश के वाराणसी में आने वाले पर्यटकों के लिए मान मंदिर घाट भी एक पर्यटन का केंद्र है। जिसके संबंध में यूपी टूरिज्म डिपार्टमेंट ने सोशल प्लेटफार्म और प्रमुख स्थानों पर प्रचार प्रसार किया है। मान मंदिर घाट के इतिहास पर नजर डाले तो वाराणसी की पावन नगरी में, गंगा के पवित्र तट पर स्थित मान मंदिर घाट केवल एक घाट नहीं, बल्कि काशी के बौद्धिक और आध्यात्मिक वैभव का सजीव प्रमाण है। इस भव्य घाट का निर्माण आमेर के राजा मान सिंह ने 16 वीं शताब्दी में कराया था। उन्हीं के नाम पर यह घाट मानमंदिर घाट के रूप में प्रसिद्ध हुआ। उन्होंने बताया कि मान मंदिर घाट की सबसे अनोखी और विशिष्ट पहचान है, इसकी प्राचीन खगोलीय वेधशाला (जंतर-मंतर) जहाँ सदियों पहले सूर्य, चंद्रमा और नक्षत्रों की गति का सूक्ष्म अध्ययन किया जाता था। यह वेधशाला आज भी भारतीय विज्ञान, गणित और वास्तुकला की अद्भुत समझ को दर्शाती है। ऊँची बलुआ पत्थर की सीढ़ियाँ, राजस्थानी स्थापत्य शैली की भव्य इमारतें और सामने निर्मल बहती माँ गंगा, यह समूचा दृश्य मान मंदिर घाट को काशी के सबसे राजसी, ज्ञानमय और विशिष्ट घाटों में स्थान देता है। यहां घूमने आने वाले पर्यटकों को वाराणसी का कुछ अलग अंदाज और अद्भुत नजारा देखने को मिलेगा।

'विदेशी मेहमानों' का कारवां, साइबेरियन पक्षियों के कलरव से गुलजार हुई चित्तौड़गढ़ जलाशय

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बलरामपुर। यूपी के जनपद बलरामपुर का सबसे विशाल जलाशय के रूप में विख्यात चित्तौड़गढ़ व भगवानपुर जलाशय इन दिनों प्रकृति प्रेमियों के लिए आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। बदलते मौसम के समय सात समंदर पार से आए साइबेरियन पक्षियों के झुंड ने बांध के नीले पानी को अपना अस्थायी बसेरा बना लिया है। भोर की पहली किरण के साथ जब इन विदेशी मेहमानों का कलरव गूंजता है, तो पूरा वातावरण किसी सुरम्य संगीत की तरह जीवंत हो उठता है। हजारों किलोमीटर की लंबी और चुनौतीपूर्ण उड़ान भरकर आए ये पक्षी बांध की सतह पर अठखेलियां करते नजर आ रहे हैं। दूर से देखने पर ऐसा प्रतीत होता है मानो विशाल जलाशय ने सफ़ेद मखमली चादर ओढ़ ली हो। स्थानीय ग्रामीणों और पर्यटकों के लिए यह नजारा किसी उत्सव से कम नहीं है। विशेषज्ञों के अनुसार, साइबेरिया और मध्य एशिया के ठंडे इलाकों में बर्फबारी अधिक होने के कारण ये पक्षी अनुकूल वातावरण और भोजन की तलाश में तराई के इन जलाशयों का रुख करते हैं। चित्तौड़गढ़ बांध की भौगोलिक स्थिति और यहाँ मौजूद जलीय जीव इन पक्षियों के लिए उत्तम आहार प्रदान करते हैं। पक्षियों की विभिन्न प्रजातियों, जिनमें 'पिंटेल', 'कॉमन टील' और 'साइबेरियन क्रेन' शामिल हैं, ने बांध की सुंदरता में चार चांद लगा दिए हैं। फोटोग्राफी के शौकीन और पक्षी प्रेमी सुबह-शाम यहाँ डेरा डाले रहते हैं ताकि इन अद्भुत पलों को अपने कैमरों में कैद कर सकें। वन रेंज अधिकारी अमरजीत प्रसाद ने पर्यटकों से अपील की है कि वे इन मेहमानों की शांति में खलल न डालें। इन पक्षियों का आना न केवल जैव विविधता के लिए शुभ संकेत है, बल्कि यह बलरामपुर के ईको-टूरिज्म की संभावनाओं को भी बल देता है। प्रकृति का यह मनमोहक दृश्य फरवरी के अंत तक बना रहने की उम्मीद है।

तेज रफ्तार ट्रक की टक्कर से स्कूटी सवार महिला की मौत, दो मासूम बच्चों के सिर से उठा मां का साया

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

औरैया। उत्तर प्रदेश के औरैया जनपद के प्रयागपुर भट्टा के समीप गुरुवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में स्कूटी सवार महिला की मौके पर ही मौत हो गई। घटना से क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच-पड़ताल शुरू कर दी। रिंकी पाल पत्नी सुरेंद्र पाल, निवासी गायत्री नगर, कोतवाली क्षेत्र, ग्राम प्रयागपुर में आयोजित एक शादी समारोह में शामिल होने आई थीं। समारोह में शामिल होने के बाद वह गुरुवार की सुबह करीब 7 बजे स्कूटी से औरैया स्थित अपने घर लौट रही थीं। जैसे ही वह प्रयागपुर भट्टा के पास पहुंचीं, तभी पीछे से आ रहे एक तेज रफ्तार ट्रक ने उनकी स्कूटी में जोरदार टक्कर मार दी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार टक्कर इतनी भीषण थी कि रिंकी पाल गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़ीं। आसपास मौजूद लोगों ने तत्काल मदद की कोशिश की, लेकिन तब तक उनकी मौके पर ही मृत्यु हो चुकी थी। घटना की सूचना पुलिस को दी गई, जिसके बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतका के परिवार में पति और दो पुत्र हैं, जिनकी उम्र लगभग 11 वर्ष और 7 वर्ष बताई जा रही है।

संपादक मण्डल

संस्थापक/संरक्षक
संजीव श्रीवास्तव

प्रधान संपादक
हरिनाथ सिंह

सलाहकार संपादक
डॉ एमएए खान आईएएस (रि)
डॉ ओम प्रकाश आईएएस (रि)
आशुतोष रंजन
अनिल तिवारी
आर पी शुक्ल आईएएस (रि)
मेजर के किशोर
हरीशंकर शुक्ल पीपीएस (रि)

स्थानीय संपादक
दिनेश कुमार गर्ग

कार्यकारी संपादक
अभयानंद शुक्ल

आध्यात्मिक संपादक
राम महेश मिश्र

ब्यूरो चीफ
मनोज कुमार शुक्ला

स्टेट कोआर्डिनेटर
विपिन सोनी

संपर्क मुख्यालय
कार्यालय फोन नं.: 0522-4643988
www.rashtriyaprastavana.com
ई-मेल: noidarp@gmail.com

संपर्क कार्यालय
प्रधान कार्यालय: 1/39, प्रथम तल करामत मार्केट, निशातगंज, लखनऊ
प्रशासनिक कार्यालय: 61 ए, मानस नगर, जियामऊ, हज़रतगंज, लखनऊ

रेलमंत्री से मिले सांसद अनुराग शर्मा झांसी के सुगम यातायात पर की चर्चा

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

झांसी। झांसी-ललितपुर संसदीय क्षेत्र के विकास को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के संकल्प के साथ महानगर के सुगम यातायात को लेकर सांसद अनुराग शर्मा ने नई दिल्ली में रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से शिष्टाचार भेंट की। इस महत्वपूर्ण बैठक में सांसद ने संसदीय क्षेत्र की रेल सुविधाओं के विस्तार और बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ करने के संबंध में विस्तृत चर्चा की। चर्चा के दौरान सांसद अनुराग शर्मा ने झांसी शहर की यातायात व्यवस्था को सुगम बनाने के लिए हंसारी रोड पर फोर-लेन रेलवे ओवरब्रिज के निर्माण का विषय प्रमुखता से रखा। उन्होंने रेलमंत्री को अवगत कराया कि हंसारी क्षेत्र में जाम की समस्या से जनता को काफी कठिनाई होती है, अतः इस प्रोजेक्ट की जल्द वित्तीय स्वीकृति और निर्माण कार्य शुरू करना नितांत आवश्यक है। इसी क्रम में उन्होंने ललितपुर की रेल सुविधाओं को आधुनिक बनाने के उद्देश्य से वहां 'कोच वाशिंग पिट लाइन' की स्थापना की मांग की ताकि ट्रेनों की साफ-सफाई और रखरखाव स्थानीय स्तर पर बेहतर ढंग से हो सके। क्षेत्रीय जनता की लंबे समय से चली आ रही मांगों को देखते हुए सांसद ने विभिन्न प्रमुख स्टेशनों पर महत्वपूर्ण लंबी दूरी की ट्रेनों के ठहराव के विषय में भी रेलमंत्री से सार्थक वार्ता की। उन्होंने स्पष्ट किया कि क्षेत्र का चहुंमुखी विकास ही उनकी प्राथमिकता है और वह जनता की सुख-सुविधाओं के लिए निरंतर प्रयास करते रहेंगे। इस शिष्टाचार भेंट के दौरान मुरैना लोकसभा के सांसद शिव मंगल सिंह तोमर भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। रेलमंत्री ने सभी विषयों पर सकारात्मक रुख दिखाते हुए उचित कदम उठाने का आश्वासन दिया।

झांसी में सर्राफा व्यापारी के नौकर ने पत्नी संग मिलकर चुराए थे 65 लाख के आभूषण, गिरफ्तार

■ पुलिस ने किया 3 लाख नगदी समेत 65 लाख के आभूषण बरामद

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

झांसी। उत्तर प्रदेश के झांसी जनपद के प्रेमनगर थाना क्षेत्र के स्कूलपुरा मोहल्ला में सर्राफा कारोबारी के घर दिन-दहाड़े हुई लाखों के आभूषण और नकदी चोरी का पुलिस ने बुधवार देर रात खुलासा कर दिया। पुलिस ने कारोबारी के नौकर और उसकी पत्नी को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 65 लाख कीमत के सोने-चांदी के जेवरात सहित करीब 3 लाख रुपये से अधिक की नकदी बरामद की है। स्कूलपुरा निवासी अनिल कुमार साहू ने 3 फरवरी 2026 को प्रेमनगर थाने में तहरीर दी थी कि वह घर पर ताला लगाकर बाहर गए थे। वापस लौटने पर घर का ताला टूटा मिला और अलमारी में रखी नकदी व सोने-चांदी के जेवरात गायब थे।

पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की। एसएसपी बीबीजीटीएस मूर्ति के निर्देश पर प्रेमनगर थाना पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज और अन्य साक्ष्य जुटाए। जांच के दौरान संदेह के आधार पर कारोबारी के नौकर सुनील अहिरवार को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। पूछताछ में उसने चोरी की बात स्वीकार की। उसने बताया कि चोरी का सामान पोटली बनाकर दीवार के पार फेंक दिया था, जिसे उसकी पत्नी प्रीति उठा ले गई थी। सीसीटीवी फुटेज में प्रीति को एक पोटली ले जाते देखा गया। पूछताछ में पहले उसने पुलिस को गुमराह करने की कोशिश की और कहा कि वह चप्पल लेकर जा रही थी। पुलिस ने संबंधित दुकान पर जाकर जांच की तो पता चला कि चप्पल घटना से तीन दिन पहले खरीदी गई थी। सख्ती से पूछताछ करने पर प्रीति ने भी चोरी में शामिल होने की बात कबूल कर ली। सीओ सदर रामवीर सिंह ने बताया कि पुलिस ने आरोपितों की निशानदेही पर एक स्थान पर छिपा कर रखे 60 लाख रुपये से अधिक कीमत के सोने-चांदी के जेवरात, 25 चांदी के सिक्के, सात सोने की अंगूठियां, तीन कीमती पत्थर और 3 लाख 10 हजार 700 रुपये बरामद कर लिए।

शल्लेश्वर मंदिर के अतीत में छिपा है गुप्तकाल का इतिहास

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

हमीरपुर। उत्तर प्रदेश के हमीरपुर जिले में शल्लेश्वर मंदिर और इसमें स्थापित शिवलिंग का इतिहास महाभारत काल से जुड़ा है। इसे गुप्त काल में निर्मित कराया गया था। महाशिवरात्रि पर्व पर इस बार भी शिव बारात की शोभायात्रा निकालने की तैयारी शुरू कर दी गई है। हमीरपुर जिले के सरीला कस्बे में शल्लेश्वर मंदिर का इतिहास हजारों साल पुराना है। इस मंदिर की नक्काशी भी बड़ी ही अद्भुत है जो खजुराहो के मंदिर से मिलती है। यहां महाशिवरात्रि पर्व पर शिव बारात की शोभायात्रा निकालकर भगवान भोले नाथ का विवाह कराए जाने की परम्परा वर्ष 1972 से चली आ रही है। अबकी बार महाशिवरात्रि के दिन इस मंदिर में शिव बारात निकालकर शिव और पार्वती का विवाद कराने की सभी रस्में सम्पन्न करायी जायेगी। नगर सांस्कृतिक समिति के सचिव महेन्द्र राजपूत मंत्री ने बताया कि महाशिवरात्रि के दिन सुबह से ही प्राचीन शल्लेश्वर मंदिर में जलाभिषेक होगा। बुन्देलखंड के अलावा पड़ोसी मध्यप्रदेश के कई इलाकों से कांवरिए यहां आकर भगवान भोले नाथ का जलाभिषेक करेंगे। इसके बाद दोपहर बाद शिव बारात की शोभायात्रा पूरे नगर में धूमधड़ाके के साथ निकाली जाएगी। शोभायात्रा में इस बार भी तमाम हाथी, घोड़े और नयनाभिराम झांकियां भी शामिल होगी। शिव बारात में पछइयां और भी नाचेगी। शिव बारात की शोभायात्रा की झांकियां बनाने का काम भी शुरू है। समाजसेवी महेन्द्र राजपूत व इतिहासकार डॉ.बीडी प्रजापति ने बताया कि शल्लेश्वर धाम मंदिर सरीला में प्राचीनतम शिवलिंग में एक है। यहां बने मठ को देख प्रतीत होता है कि इसका निर्माण गुप्तकाल एवं चंदेलकाल के मध्य कराया गया है। लेकिन शिवलिंग को देखने से लगता है कि इसका निर्माण चंदेलकाल के पूर्व हुआ है। मठ में गुम्बद दीवार होने के कारण यह मंदिर चंदेलकालीन प्रतीत होता है। मौजूदा में इस मंदिर का सुन्दरीकरण हो चुका है। सरीला कस्बे के समाजसेवी महेन्द्र सिंह राजपूत ने बताया कि सरीला स्टेट की वंशावली महाराज छत्रसाल से प्रारम्भ हुयी थी और आज यह सरीला स्टेट हमीरपुर की एक तहसील है। बुन्देलखण्ड में गुप्तकाल को स्वर्ण काल माना गया है। गुप्तकाल में ही सरीला क्षेत्र में मंदिरों, गुफाओं व वास्तुकला का उदय हुआ था जबकि इसके पहले यहां मंदिरों का कोई उल्लेख नहीं है। गुप्तकाल में बने मंदिरों का विस्तार चंदेलकाल तक चरम सीमा पर रहा। यहां के इतिहासकार डॉ. भवानीदीन प्रजापति ने बताया कि बुन्देलखंड क्षेत्र के इलाकों में चंदेलों का साम्राज्य नौवीं शताब्दी में स्थापित हुआ था। चंदेलकाल में प्रथम शासक चंद्रवर्धन हुये जो चन्द्रवंशी क्षत्रिय थे। क्षेत्र में सर्वाधिक मंदिरों का निर्माण चंदेल शासन काल में हुआ था। राजा परमाल 1202 में कुतुबुद्दीन एबक से हारने के बाद कालिंजर चले गये थे। उनके जाने के बाद सरीला समेत वीर भूमि के इलाके मुस्लिम शासकों के आधीन रहे थे।

हाईकोर्ट का भागे जोड़ों की सुरक्षा को लेकर आदेश

प्रयागराज। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने परिवार की मर्ज़ी के ख़िलाफ़ शादी करने वाले जोड़ों की जान और आज़ादी की रक्षा करने की राज्य की ज़िम्मेदारी को एक बार फिर दोहराया है। कोर्ट ने यूपी सरकार के 2019 के ऑर्डर का सख्ती से पालन करने का निर्देश दिया है, जिसमें ऐसे जोड़ों के लिए ज़रूरी बचाव और सुधार के उपाय बताए गए हैं। सामिया व अन्य की याचिका पर एक जोड़े की सुरक्षा का निपटारा करते हुए जस्टिस गरिमा प्रसाद की बेंच ने कहा कि पुलिस अधिकारी हर मामले में खतरे का अंदाज़ा लगाने और स्थिति की गंभीरता के आधार पर सुरक्षित रहने की जगह और सुरक्षा सहित ज़रूरी सुरक्षा देने के लिए ज़िम्मेदार हैं। मामले के अनुसार एक बालिग जोड़े ने हाईकोर्ट का दरवाज़ा खटखटाया और राज्य सरकार को महिला के पिता द्वारा पैदा की गई ''गैर-कानूनी रुकावट'' से उनकी जान और आज़ादी की रक्षा करने के निर्देश देने की मांग की। उनका कहना था कि उम्र के अंतर और इस डर की वजह से कि इस आदमी की पहली शादी नहीं है, महिला का पिता उन्हें लगातार परेशान कर रहा था और धमका रहा था, जिससे उनकी शांतिपूर्ण शादीशुदा ज़िंदगी में खलल पड़ा और उनकी जान और आज़ादी को खतरा पैदा हो गया। हालांकि, बेंच ने कहा कि पिछले साल नवंबर में हाईकोर्ट द्वारा दी गई अंतरिम सुरक्षा के बाद महिला के पिता से याचीगण की जान को अब कोई खतरा नहीं है। हालांकि, पति की शादीशुदा स्थिति के बारे में असल विवाद को सुलझाते हुए राज्य सरकार की तरफ़ से कोर्ट को बताया गया कि यह याचीगण की पहली शादी है।

ग्वालटोली लैंबॉर्गिनी हादसा: आरोपित शिवम मिश्रा गिरफ्तार, भारी पुलिस बल के बीच कोर्ट में पेश

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

कानपुर। उत्तरप्रदेश के जनपद कानपुर के ग्वालटोली में लैंबॉर्गिनी कार से टक्कर मारने के मामले में मुख्य आरोपित तंबाकू कारोबारी के बेटे शिवम मिश्रा को पुलिस ने गुरुवार को आर्य नगर स्थित उसके आवास से गिरफ्तार कर लिया। भारी पुलिस बल की मौजूदगी में उसे न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। पुलिस के अनुसार, मामले की जांच जारी है और घटना से जुड़े अन्य पहलुओं की भी पड़ताल की जा रही है।

शिवम की गिरफ्तारी के दौरान उसके हाथ में वीगो लगा था। पुलिस वाले और रिश्तेदार उसे सहारा देते हुए कोर्ट तक लेकर पहुंचे। गौरतलब है कि आठ फरवरी की दोपहर वीआईपी रोड पर तंबाकू कारोबारी केके मिश्रा के इकलौते बेटे शिवम मिश्रा ने अपनी लैंबॉर्गिनी कार से बाइक सवार को टक्कर मार दी थी। मामला बढ़ने पर देर रात तक ग्वालटोली थाने में अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज हुआ। मामला हाई प्रोफाइल होने की वजह से 24 घंटे बाद पुलिस कमिश्नर रघुबीर लाल ने एफआईआर में मिश्रा का नाम जोड़ते हुए मामले में लापरवाही बरतने के आरोप में थाना प्रभारी संतोष कुमार गौड़ को लाइन हाजिर कर दिया था। 10 फरवरी को कारोबारी केके मिश्रा ने थाने पहुंचकर अपना बयान दर्ज कराया। 11 फरवरी को कथित कार चालक मोहन कोर्ट में पेश होने पहुंचा लेकिन न्यायाधीश ने उसे आरोपी नहीं माना। इसके बाद आज पुलिस ने आर्यनगर स्थित शिवम के घर से उसे गिरफ्तार कर लिया। मामले की जानकारी देते हुए पुलिस उपायुक्त सेंट्रल अतुल श्रीवास्तव ने बताया कि आरोपित शिवम मिश्रा को गिरफ्तार करने के लिए पुलिस की पांच टीमें दबिश दे रही थीं। इसी बीच सूचना मिली कि आरोपित शिवम मिश्रा कानपुर आया हुआ है। सूचना पर पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया है।